सत्यमेव जयते

वार्षिक प्रतिवेदन 2009-10

बौद्धिक
सम्पदा भारत

कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प, व्यापार चिह्न एवं भौगोलिक संकेत

भारत सरकार

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग

सत्यमेव जयते

वार्षिक प्रतिवेदन
2009-10

कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प, व्यापार चिह्न एवं भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का वार्षिक प्रतिवेदन

अनुक्रमणिका

पृष्ठ संख्या

1. **अध्याय-I: पूर्वावलोकन**

2. **अध्याय-II: बौद्धिक सम्पदा अधिकार-एक नजर**

3. **अध्याय-III: दक्षता और पारदर्शिता**

4. **अध्याय-IV: पेटेंट अधिनियम, 1970 (यथा संशोधित) की धारा 155 के तहत 38 वाँ वार्षिक प्रतिवेदन**
   1. परिचय
   2. पेटेंट आवेदन
   3. अनुदानित तथा प्रवृत्त पेटेंट
   4. पीसीटी अंतर्राष्ट्रीय आवेदन
   5. पेटेंट अधिनियमों व नियमों के तहत विविध महत्वपूर्ण कार्यवाहियाँ
   6. राजस्व एवं व्यय
   7. सामान्य सूचना
   8. सूचना अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत सूचना

   परिशिष्ट - क(1) 31 मार्च 2010 को नियोजित परीक्षकों के विशिष्ट तकनीकी कार्यक्षेत्र के विवरण
   परिशिष्ट - ख वर्ष 2008-2009 की तुलना में 2009-2010 में फाइल किए गए आवेदनों का उद्‌गम राज्य या राष्ट्र के अनुसार तुलनात्मक वर्गीकरण
   परिशिष्ट - ग प्रवासी एवं अप्रवासियों द्वारा विभिन्न तरीके से पिछले 10 वर्षों में दाखिल आवेदनों के विवरण
   परिशिष्ट - घ वर्ष 1999-2000 से 2009-10 के दौरान पेटेंट संबंधी विविध सूचनाएँ
   परिशिष्ट - ङ आविष्कार के विविध क्षेत्रों के अंतर्गत विगत 5 वर्षों के दौरान दाखिल पेटेंट आवेदनों की संख्या
   परिशिष्ट - ङ-1 आविष्कार के अन्य विविध तथा नए क्षेत्रों के अंतर्गत दाखिल पेटेंट आवेदनों की संख्या
   परिशिष्ट - च आविष्कार के विविध क्षेत्रों में विगत 5 वर्षों के दौरान अनुदानित पेटेंट की संख्या
   परिशिष्ट - च-1 आविष्कार के अन्य विविध तथा नए क्षेत्रों के अंतर्गत अनुदानित पेटेंट
   परिशिष्ट - छ प्राप्त शुल्क

5. **अध्याय-V: अभिकल्प अधिनियम 2000 का वार्षिक प्रशासनिक प्रतिवेदन**
   1. परिचय
   2. दाखिल एवं पंजीकृत अभिकल्प आवेदन
   3. अभिकल्प आवेदन-पत्रों की जाँच
   4. विविध कार्यवाहियाँ
   5. राजस्व

   परिशिष्ट - क अभिकल्प शुल्क
   परिशिष्ट - ख दाखिल एवं पंजीकृत आवेदनों की प्रवृत्ति
   परिशिष्ट - ग उद्‌गम के अनुसार दाखिल एवं पंजीकृत आवेदनों की प्रवृत्ति

6. **अध्याय-VI : व्यापार चिह्न अधिनियम,1999 के तहत 51वाँ वार्षिक प्रतिवेदन**
   1 परिचय
   2 वर्ष 2009-2010 के दौरान गतिविधियों का रुझान
   3 व्यापार चिह्न आवेदन दाखिल करने की प्रवृत्ति
   4 विभिन्न प्रकार के व्यापार चिह्न आवेदनों की प्रवृत्ति
   5 वर्गानुसार फाइल किए गए आवेदनों की प्रवृत्ति
   6 शाखानुसार फाइल किए गए आवेदनों की प्रवृत्ति
   7 व्यापार चिह्न का पंजीकरण एवं अन्य गतिविधियाँ
   8 पंजीकृत किए गए व्यापार चिह्नों का वर्गानुसार विवरण
   9 राजस्व और व्यय

परिशिष्ट-I - व्यापार चिह्न आवेदनों की प्रवृत्ति
परिशिष्ट-II -पिछले पाँच वर्षों में विज्ञापित व्यापार चिह्नों की संख्या
परिशिष्ट-III -सुनवाई संबंधी विवरण
परिशिष्ट-IV- पिछले पाँच वर्षों के दौरान पंजीकृत व्यापार चिह्नों की संख्या

7. **अध्याय-VII : भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का वार्षिक प्रतिवेदन**
परिचय
परिशिष्ट - I वर्ष 2003 से 2010 तक दाखिल किए गए भौगोलिक संकेत आवेदन
परिशिष्ट - II जारी किए गए पंजीकरण प्रमाण पत्र की सूची
परिशिष्ट- III संवेदीकरण कार्यशाला का विवरण
परिशिष्ट-IV- राजस्व और व्यय विवरण

8. **अध्याय-VIII : बौद्धिक संपदा प्रशिक्षण संस्थान व पेटेंट सूचना पद्धति का वार्षिक प्रतिवेदन**
पेटेंट सूचना पद्धति (पीआईएस)
1. परिचय
2. प्रदत्त सेवाएँ
3. प्रदत्त सेवाओं की शुल्क संरचना
4. वर्ष के दौरान गतिविधियाँ

राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान (एनआईआईपीएम)
1. परिचय
2. प्रशिक्षण कार्यक्रम
3. संकाय
4. राजस्व तथा व्यय का विवरण

9. **अध्याय-IX : प्रशिक्षण कार्यक्रम & बर्हि-क्रियाकलाप**
1. परिचय
2. प्रशिक्षण कार्यक्रम
3. वाइपो बैठकें/सेमिनार/संगोष्ठी
4. जागरूकता कार्यक्रम

10 **अध्याय-X मानव संसाधन**
1. परिचय
2. विभिन्न बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों की कार्मिक शक्ति
परिशिष्ट-क 31 मार्च 2010 को पेटेंट कार्यालय की कार्मिक शक्ति का विवरण
परिशिष्ट-ख 31मार्च 2010 को व्यापार चिह्न रजिस्ट्री की कार्मिक शक्ति का विवरण
परिशिष्ट-ग 31मार्च 2010 को भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री की कार्मिक शक्ति
परिशिष्ट-घ 31मार्च 2010 को पेटेंट सूचना पद्धति कार्यालय/राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान, कार्मिक शक्ति का विवरण

अध्याय - I

पूर्वावलोकन

आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था तथा समाज में बौद्धिक सम्पदा अधिकार का सृजन पहले से अधिक बढ़ गया है। बौद्धिक सम्पदा अधिकार को अब न केवल रचनात्मकता का संरक्षण करने तथा राजस्व अर्जित करने के साधन के रूप में उपयोग में लाया जाता है बल्कि सामाजिक, आर्थिक तथा तकनीकी विकास के लिए रणनीतिक समन्वय स्थापित करने के लिए भी। इसके अनुसरण में भारत में बौद्धिक सम्पदा कार्यालय अपेक्षित बौद्धिक सम्पदा संस्कृति के सृजन द्वारा सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए ऐसे प्रौद्योगिकीय उन्नयन के उपयोग में वृद्धि करने के लिए कृतसंकल्प है।

भारत उन देशों में अग्रणी है जो सतत् आर्थिक विकास और मिश्रित वित्तीय संरचना के साथ वैविध्यपूर्ण औद्योगिक आधार संजोए रखने में समर्थ हैं। यह सूचना तकनीकी, भेषज एवं औषधि, अंतरिक्ष अनुसंधान, जैव-तकनीक, मनोरंजन तथा अन्य अनेक विकासमान क्षेत्रों पर आधारित उद्योग का केन्द्र-बिन्दु के रूप में माना जाता है। इस वर्ष विश्व की अर्थव्यवस्था में मंदी का प्रभाव देखा गया है फिर भी बौद्धिक सम्पदा आवेदन दाखिल करने के दर में वृद्धि की प्रवृत्ति देखी गई है। यद्यपि अर्थव्यवस्था में वैश्विक मंदी का प्रभाव बौद्धिक सम्पदा आवेदन दाखिल करने के दर में परिलक्षित होता है फिर भी व्यापार चिह्न आवेदन में उर्ध्वगामी प्रवृत्ति देखी गई है।

भारत ट्रिप्स अनुरूप बौद्धिक सम्पदा कानून के साथ-साथ सबल प्रवर्तन तंत्र और न्यायिक प्रणाली के साथ सर्वोत्तम निवेश अवसर एवं उनके बौद्धिक सम्पदा अधिकार की संरक्षा के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराता है ताकि व्यावसायिक समुदाय अपनी वाणिज्यिक गतिविधियों में विविधता लाने में सक्षम हो सके।

कार्यालय, महानियंत्रक, एकस्व, अभिकल्प तथा व्यापार चिह्न (CGPDTM) वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय, औद्योगिक नीति व संवर्द्धन विभाग के अंतर्गत आता है। हाल में महानियंत्रक कार्यालय को बौद्धिक सम्पदा कार्यालय **(आईपीओ)** की भी संज्ञा दी गई है। यह कार्यालय पेटेंट अधिनियम, 1970, डिजाइन अधिनियम 2000, व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999 तथा वस्तुओं का भौगोलिक संकेत (पंजीकरण एवं संरक्षा) अधिनियम, 1999 का प्रशासन मुम्बई, दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई तथा अहमदाबाद में स्थित अपने बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों के माध्यम से करता है।

नागपुर में स्थित पेटेंट सूचना पद्धति (PIS) तथा राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान (NIIPM) भी कार्यालय, महानियंत्रक, एकस्व, अभिकल्प तथा व्यापार चिह्न के अधीक्षण के अंतर्गत है। पेटेंट सूचना पद्धति पेटेंट विनिर्देश का व्यापक संकलन तथा विश्व स्तर पर पेटेंट संबंधित साहित्य का संकलन रखता है ताकि अनुसंधान एवं विकास स्थापना, सरकारी कार्यालय, उद्योग, व्यवसाय के विभिन्न उपयोक्ताओं एवं आविष्कारकों तथा अन्य उपयोक्ताओं को ज्ञान-सम्पन्न व्यावसायिक निर्णय करने में सहायता देने के लिए तकनीकी सूचना की आवश्यकताओं की पूर्ति करता है।

राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान (NIIPM) बौद्धिक सम्पदा अधिकार संबंधित विषयों के क्षेत्र में प्रशिक्षण, प्रबंधन, अन्वेषण, अध्ययन के गुणता संपन्न राष्ट्रीय केन्द्र के रूप में एकस्व एवं अभिकल्प के परीक्षकों, व्यापार चिह्न एवं भौगोलिक संकेत के परीक्षकों, बौद्धिक सम्पदा व्यावसायियों, देश के बौद्धिक सम्पदा प्रबंधकों को प्रशिक्षण देने तथा उपयोक्ता समुदाय, सरकारी सेवकों तथा बौद्धिक सम्पदा अधिकार के सृजन, वाणिज्यिकरण तथा प्रबंधन में लगे सहभागियों को प्रारंभिक ज्ञान उपलब्ध कराने का कार्य करता है। यह संस्थान बौद्धिक सम्पदा संबंधी विषयों पर अन्वेषण भी सुलभ कराएगा जिसमें सरकार के लिए उपयोगी अध्ययन प्रतिवेदन तथा नीति विश्लेषण तैयार करना शामिल है। वर्तमान में देश की अन्य कोई संस्था इन गतिविधियों में शामिल नहीं है।

बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों के संगठनात्मक विवरण निम्नवत् हैं:

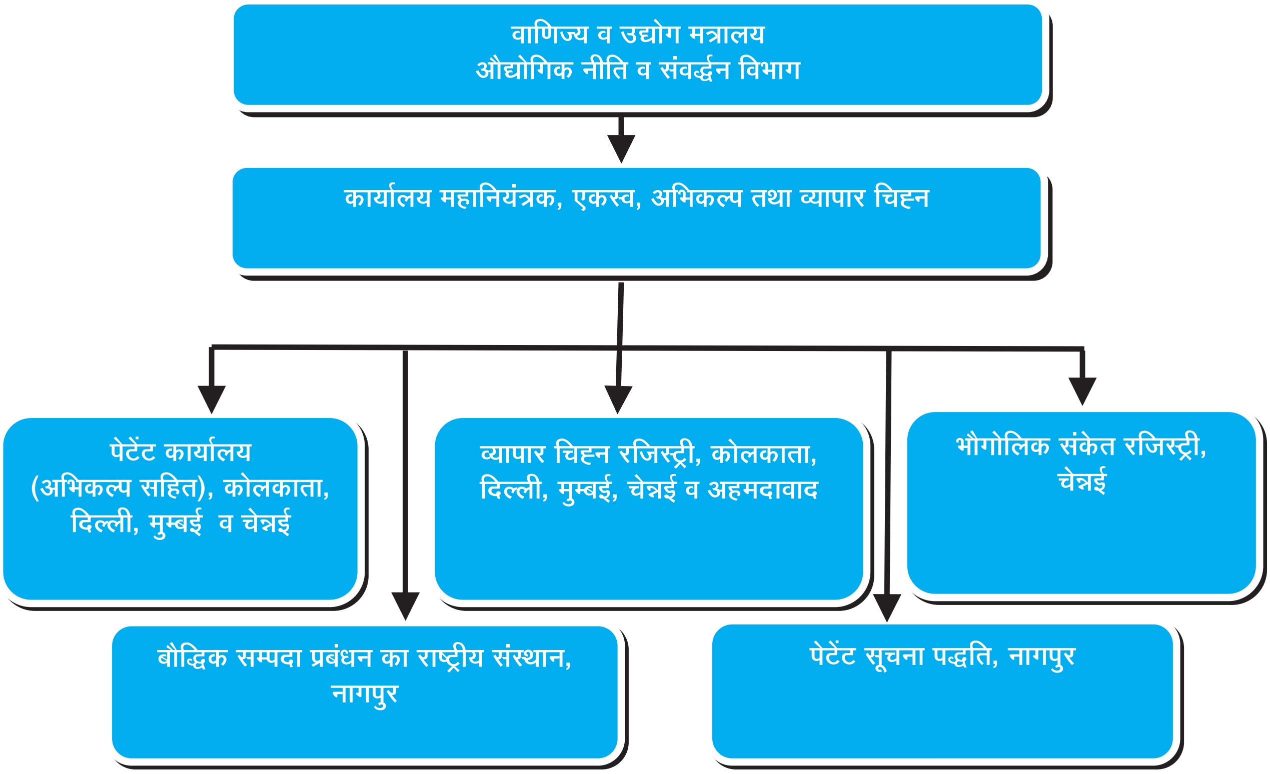

कार्यालय, महानियंत्रक, एकस्व, अभिकल्प तथा व्यापार चिह्न के नियंत्रणाधीन सभी कार्यालयों की विगत वर्ष की गतिविधियों का विस्तृत विवरण इस प्रतिवेदन के आगे के पृष्ठों पर दिए गए हैं। अद्यतन विनियमन, विभिन्न समारोह एवं सामान्य गतिविधियों के मुख्यांश हमारे शासकीय वेब-साइटः **http://www.ipindia.nic.in** पर उपलब्ध है।

(पी. एच. कुरियन, भा.प्र.से)
महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प व व्यापार चिह्न

अध्याय - II

बौद्धिक सम्पदा अधिकार- एक नजर

कार्यालय, महानियंत्रक, एकस्व, अभिकल्प तथा व्यापार चिह्न के तहत कार्यालयों ने विगत वर्ष की तुलना में बौद्धिक सम्पदा आवेदन दाखिल करने की प्रवृत्ति में, व्यापार चिह्न आवेदनों को छोड़कर, अवनति की प्रवृत्ति दर्शायी है जो संभवत: इस तथ्य के कारण है कि विश्व अर्थव्यवस्था मंदी का सामना कर रही है। फलत:, इस कार्यालय ने राजस्व उत्पादन में 5% की कमी दिखाई है। बौद्धिक सम्पदा आवेदन दाखिल करने और इस पर की गई कार्यवाही की प्रवृत्ति की एक झलक नीचे प्रदर्शित है।

क. पेटेंट: 2009-10 के दौरान 34,287 पेटेंट आवेदन दाखिल किए गए जो विगत वर्ष की तुलना में लगभग 6.8% कम है। दाखिल और अनुदानित पेटेंट आवेदन के संदर्भ में विगत सात वर्षों की प्रवृत्ति निम्नवत् हैं।

पेटेंट आवेदनों की प्रवृत्ति

वर्ष	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09	**2009-10**
दाखिल	12613	17466	24505	28940	35218	36812	**34287**
परीक्षित	10709	14813	11569	14119	11751	10296	**6069**
अनुदानित	2469	1911	4320	7539	15316	16061	**6168**

यद्यपि, वर्ष 2003-04 से 2006-07 के दौरान पंजीकृत पेटेंट आवेदनों की संख्या 51210 थी, केवल 16239 पेटेंट ही इस अवधि के दौरान अनुदानित किए गए। पेटेंट अधिनियम के संशोधन के कारण धारा 11क के तहत अनिवार्य प्रकाशन का प्रावधान 20 मई, 2003 के प्रभाव से प्रारंभ किया गया किन्तु प्रकाशन हेतु अपेक्षित डिजीटाइज्ड दस्तावेज के उपलब्ध न होने के कारण प्रकाशन में विलम्ब हुआ और परीक्षित और अनुदान हेतु उपयुक्त आवेदनों पर अनुदान नहीं दिया जा सका क्योंकि वे प्रकाशित नहीं किए जा सके थे। 2006 से 2009 तक एक डिजीटाइजेशन अभियान चलाया गया जिसके परिणामस्वरूप उस अवधि के दौरान लगभग 1,20,000 पेटेंट आवेदनों का प्रकाशन हुआ। इसके फलस्वरूप वर्ष 2007-08 और 2008-09 के दौरान उन आवेदनों पर अनुदान संभव हो सका जो विगत वर्षों के दौरान परीक्षित तथा अनुदान हेतु उपयुक्त हुए थे एवं इस प्रकार इन दो वर्षों के दौरान अनुदानित पेटेंट की संख्या 15316 और 16061 रही। 2004-2009 की अवधि के दौरान लगभग 55 पेटेंट परीक्षक संगठन छोड़कर चले गए और इस अवधि के दौरान कोई नियुक्ति नहीं हुई। इसके अतिरिक्त जनवरी, 2009 में 47 पेटेंट परीक्षकों की पदोन्नति सहायक नियंत्रक के रूप में कर दी गई अत: वे परीक्षण हेतु उपलब्ध नहीं थे। इन तथ्यों से वर्ष 2009-10 के दौरान परीक्षण और अनुदान की तुलनात्मक न्यून संख्या का कारण समझा जा सकता है।

वर्ष 2009-10 के दौरान पेटेंट कार्यालय की गतिविधि को प्रणालीबद्ध किया गया इसके तहत पेटेंट आवेदनों पर पूर्णतया इलेक्ट्रॉनिक रूप में कार्यवाही करने की शुरूआत हुई और उच्चस्तरीय परीक्षण के लिए 4 विशेषज्ञ समूहों का गठन किया गया। वर्ष के प्रारंभिक 5 महीनों में पेटेंट कार्यालय ने इस कार्यालय को प्रणालीबद्ध करने पर अपने समय और प्रयास को केन्द्रित किया, जैसा कि इस प्रतिवेदन के अध्याय III में वर्णित है, जिसका उद्देश्य पारदर्शिता और गुणवत्ता हासिल कर बेहतर जनसेवा सुनिश्चित कराना था। इस प्रणालीकरण का पूर्ण प्रभाव आगामी 2-3 वर्षों के दौरान दिखाई पड़ेगा।

ख. डिजाइन: 2009-10 के दौरान 6092 डिजाइन आवेदन दाखिल किए गए जो विगत वर्ष की तुलना में लगभग 7% की अल्प कमी दर्शाता है। विगत पाँच वर्षों की प्रवृत्ति निम्नवत् है।

डिजाइन आवेदनों की प्रवृत्ति

वर्ष	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09	**2009-10**
दाखिल	4949	5521	6402	6557	**6092**
परीक्षित	4719	4976	6183	6446	**6266**
पंजीकृत	4175	4250	4928	4772	**6025**

ग. व्यापार चिह्न: 2009-10 के दौरान 141943 व्यापार चिह्न आवेदन दाखिल किए गए। विगत वर्ष की तुलना में दाखिल करने में लगभग 9% की वृद्धि रही। विगत पाँच वर्षों की प्रवृत्ति निम्नवत् है।

व्यापार चिह्न आवेदनों में रूझान

वर्ष	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09	**2009-10**
दाखिल	85699	103419	123514	130172	**141943**
परीक्षित	77500	85185	63605	105219	**25875**
पंजीकृत	184325	109361	100857	102257	**67490**

लगभग 1,00,000 विरोध किए गए व्यापार चिह्न आवेदन सुनवाई और निपटान के लिए लंबित थे। वर्ष के दौरान व्यापार चिह्न रजिस्ट्री, मुम्बई से व्यापार चिह्न परीक्षकों को इन लंबित आवेदनों की सुनवाई और निपटान के लिए अन्य स्थानों पर स्थित रजिस्ट्री कार्यालयों में भेजा गया जिसके परिणामस्वरूप इस अवधि के दौरान परीक्षित नए व्यापार चिह्न आवेदनों की संख्या में कमी आई है। ऐसा विरोध किए गए चिह्नों के आवेदकों से प्राप्त बहुत दिनों से लंबित माँग को ध्यान में रखते हुए किया गया। उन लंबित विरोध किए गए मामलों पर विचार करने और सुनवाई करने के फलस्वरूप 72,000 ऐसे लंबित आवेदनों को स्वीकार/अस्वीकार किया जा सका। सभी उपलब्ध कार्यशक्ति को नए आवेदनों के परीक्षण और पंजीकरण के कार्य में शामिल करने की प्रक्रिया के कारण विरोध किए गए मामले, परिशोधन, समनुदेशन और विरोध में बहुत अधिक लंबित कार्य का जमाव हो गया था। कार्य के सभी क्षेत्रों में समान प्रगति करने के लिए वरीय अधिकारियों को विरोध की सुनवाई करने/मामलों के परिशोधन के कार्य में शामिल किया गया जिसके परिणामस्वरूप कार्य के इन क्षेत्रों में लंबित कार्यों की संख्या में काफी कमी आई। विगत वर्ष के दौरान सुनवाई की गई 586 मामलों की तुलना में इस वर्ष 8251 व्यापार चिह्न विरोधों की सुनवाई की गई।

घ. भौगोलिक संकेत: 15 सितम्बर, 2003 से 31 मार्च, 2010 तक कुल 205 आवेदन प्राप्त किए गए एवं वर्ष के दौरान कुल 14 भौगोलिक संकेत पंजीकृत किए गए। विगत पाँच वर्षों के दौरान दाखिल आवेदनों एवं पंजीकृत भौगोलिक संकेत के विवरण निम्नवत् हैं।

वर्ष	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09	**2009-10**
परीक्षित	16	33	37	44	**40**
पंजीकृत	24	3	31	45	**14**

ङ. अनुदानित/पंजीकृत बौद्धिक सम्पदा अधिकार की प्रवृत्ति: विगत 5 वर्षों के दौरान बौद्धिक सम्पदा अधिकार के अनुदान या पंजीकरण की तुलनात्मक प्रवृत्ति निम्नवत् है।

अनुदानित/पंजीकृत बौद्धिक सम्पदा अधिकार की तुलनात्मक प्रवृत्ति

वर्ष	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09	**2009-10**
पेटेंट	4320	7539	15316	16061	**6168**
डिजाइन	4175	4250	4928	4772	**6025**
व्यापार चिह्न	184325	109361	100857	102257	**67490**
भौ.सं. अधिकार	24	3	31	45	**14**

2009-10 में दाखिल बौद्धिक सम्पदा आवेदनों का आलेखीय अवलोकन

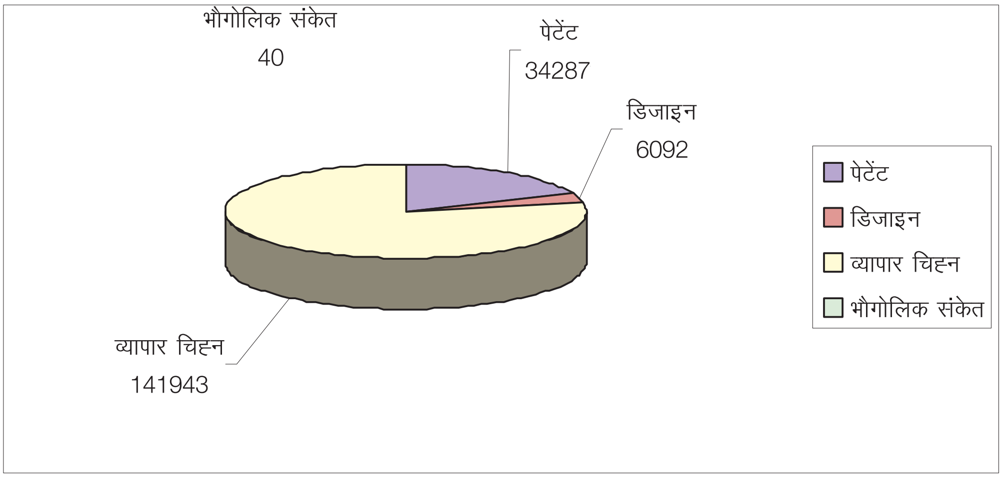

2009-10 में अनुदानित/पंजीकृत आईपीआर की संख्या का आलेखीय अवलोकन

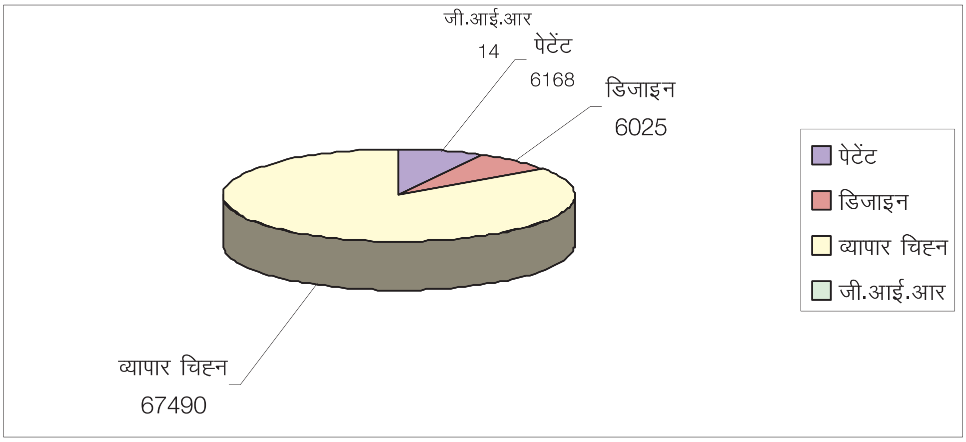

औषधि निर्माण उद्योग के क्षेत्र से पेटेंट के लिए आवेदन करने वाले शीर्ष 10 प्रमुख भारतीय आवेदक

क्र.सं.	औषधि निर्माण उद्योग के नाम	दाखिल आवेदन
1.	रैनबैक्सी लेबोरेट्रीज लिमिटेड	37
2	बोखार्ड रिसर्च सेन्टर	33
3	सिपला लिमिटेड	21
4	हेटरो रिसर्च फाउंडेशन	11
5	सुलूर, सुब्रहमण्यम वनानगमुडी	11
6	कंसेप्ट मेडिकल रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड	10
7	रूबीकॉन रिसर्च प्रा.लि.	08
8	स्टेमपियूटीस्स रिसर्च प्रा.लि.	08
9	इनविजन साइंटिफिक प्राइवेट लिमिटेड	07
10	सन फर्मा एडवांसेज रिसर्च कम्पनी लिमिटेड	07

सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र से पेटेंट के लिए आवेदन करने वाले शीर्ष 5 प्रमुख भारतीय आवेदक

क्र.सं.	कंपनियों के नाम	दाखिल आवेदन
1.	इंफोसिस टेक्नॉलोजीज लिमिटेड	23
2.	एलजी सॉफ्ट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	07
3.	सेन्टर फॉर डेवेलपमेन्ट ऑफ एडवांस्ड कम्प्यूटिंग (सी-डैक)	06
4.	न्यूजेन सॉफ्टवेयर टेक्नॉलोजीज लिमिटेड	06
5.	सैमसंग इंडिया सॉफ्टवेयर ऑपरेशन्स प्र.लि.	06

वैज्ञानिक तथा अनुसंधान व विकास संस्थानों से पेटेंट के लिए आवेदन करने वाले शीर्ष 10 प्रमुख भारतीय आवेदक

क्र.सं.	वैज्ञानिक तथा अनुसंधान व विकास संस्थानों के नाम	दाखिल आवेदन
1.	कॉन्सिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रीयल रिसर्च (सीएसआईआर)	162
2.	डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेन्ट ऑर्गेनाइजेशन (डीआरडीओ)	80
3.	इंडियन कॉन्सिल फोर एग्रीकल्वरल रिसर्च (आईसीएआर)	55
4.	इंडियन स्पेश रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन (आईएसआरओ)	17
5.	सेन्ट्रल इन्स्टिट्यूट ऑफ फिशरिज टेक्नॉलोजी	13
6.	नेशनल इन्स्टिट्यूट ऑफ फर्मासिट्यूकल एज्यूकेशन एंड रिसर्च (एनआईपीईआर)	10
7.	सेन्टर फॉर डेवेलपमेन्ट ऑफ एडवांस्ड कम्प्यूटिंग (सी-डैक)	07
8.	नेशनल इन्स्टिट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी	07
9.	इंडियन कॉन्सिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर)	06
10.	सोसाइटी फॉर एप्लाइड माइक्रोवेव इलेक्ट्रोनिक्स इंजीनियरिंग एंड रिसर्च (एसएएमइइआर)	06

संस्थानों और विश्वविद्यालयों से पेटेंट के लिए आवेदन करने वाले शीर्ष 10 प्रमुख भारतीय आवेदक

क्र.सं.	संस्थानों और विश्वविद्यालयों के नाम	दाखिल आवेदन
1.	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान	109
2.	एमीटी यूनीवर्सिटी	81
3.	भारतीय विज्ञान संस्थान	45
4.	सिरम इन्स्टिट्यूट ऑफ इंडिया लिमिटेड	12
5.	द इनर्जी एंड रिर्सोसेज इन्स्टिट्यूट (टीईआरआई)	07
6.	इन्स्टिट्यूट ऑफ लाईफ साइंसेज	06
7.	डालमिया इन्स्टिट्यूट ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रीयल रिसर्च	04
8.	जादवपुर यूनिवर्सिटी	04
9.	कृष्णा इन्स्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज	04
10.	मणीपाल इन्स्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलोजी	04

शीर्ष 10 विदेशी आवेदक

क्र.सं.	संगठनों के नाम	आवेदनों की संख्या
1	क्वालकम इंकॉरपोरेशन	852
2	कोनिनक्लीके फिलिप्स इलेक्ट्रोनिक्स एन.वी.	725
3	सोनी कॉरपोरेशन	296
4	नोकिया कॉरपोरेशन	267
5	रोबर्ट बोस जीएमबीएच	244
6	टेलेफोनाक्टिबोलागेट एलएम एरिक्सन (पीयूबीएल)	242
7	सिमेन्स एकटीइनजेसेलसाफ्ट	234
8	बेस्फ एसइ	222
9	माइक्रोसॉफ्ट कॉरपोरेशन	220
10	नोवार्टीस एजी	203

शीर्ष भारतीय पेटेंटग्राही

क्र.सं.	संगठनों के नाम	आवेदनों की संख्या
1	कॉन्सिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च (सीएसआईआर)	144
2	हिन्दुस्तान यूनीलीवर लिमिटेड	103
3	भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड	67
4	डायरेक्टर जेनरल, डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेन्ट ऑर्गेनाइजेशन (डीआरडीओ)	37
5	टाटा स्टील लिमिटेड	30
6	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान	25

शीर्ष 10 विदेशी प्रवासी पेटेंटग्राही

क्र.सं.	संगठनों के नाम	पेटेंट की संख्या
1	क्वालकम इंकॉरपोरेशन	230
2	सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स क.लि.	79
3	बेस्फ एकटीनजेसेलसाफ्ट	66
4	सीमेन्स एकटीनजेसेलसाफ्ट	65
5	थॉमसन लाईसेंसिंग एस.ए.	62
6	मोटोरोला, इंक	52
7	कोनिनक्लीए फिलिप्स इलेक्ट्रोनिक्स एन.वी.	49
8	एलजी इलेक्ट्रॉनिक इंक	49
9	होण्डा मोटर कं. लि.	47
10	टेलेफोनाक्टिबोलागेट एलएम एरिक्सन (पीयूबीएल)	41

च. प्रकाशन एवं अनुदान-पूर्व विरोध: वर्ष के दौरान धारा 11क के तहत 34305 पेटेंट आवेदन प्रकाशित किए गए तथा पेटेंट अधिनियम, 1970 की धारा 25(1) के तहत केवल 103 अनुदान-पूर्व विरोध दाखिल हुए जो प्रकाशित आवेदनों का लगभग 0.30% है। प्रकाशित तथा अनुदान-पूर्व विरोध के लिए दाखिल आवेदनों का आरेखीय दृश्य निम्नवत् है।

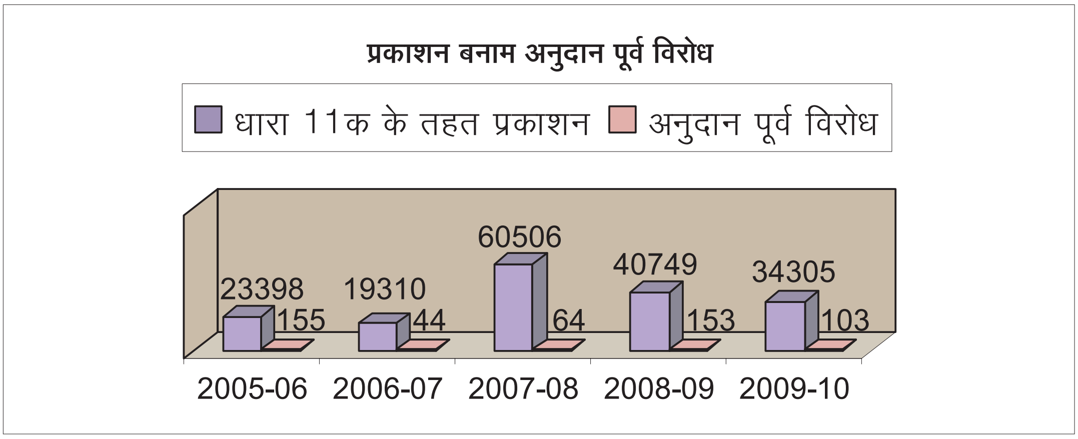

च. राजस्व और व्यय: कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न के अंतर्गत सभी कार्यालय प्रत्येक वर्ष निरंतर राजस्व अर्जित करने वाले कार्यालय बनते जा रहे हैं। वर्ष 2009-10 के दौरान कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न के द्वारा अर्जित कुल राजस्व रू. 215.25 करोड़ था जो विगत वर्ष की तुलना में लगभग 5% कम है, जबकि कुल गैर-योजना व्यय रू. 33.03 करोड़ था जिससे रू.182.22 करोड़ का राजस्व आधिक्य प्राप्त हुआ। बौद्धिक सम्पदा (IP) प्रशासन के राजस्व और व्यय का विवरण निम्नलिखित हैं। पेटेंट कार्यालय ने रू.143.53 करोड़ (पेटेंट रू.142.61 करोड़ एवं डिजाइन रू. 0.91 करोड़), व्यापार चिह्न पंजीकरण ने रू.71.61 करोड़, भौगोलिक संकेत रजिस्ट्री ने रू.0.048 करोड़ तथा पेटेंट सूचना पद्धति और राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान ने रू.0.056 करोड़ का कुल राजस्व अर्जित किया।

(i) वर्ष 2008-2009 और 2009-2010 के दौरान उत्पादित राजस्व का तुलनात्मक विवरण

वर्ष	2008-2009 (रू.)	2009-2010 (Rs.)
पेटेंट	156,14,63,824	**142,61,73,541**
डिजाइन	1,23,66,048	**91,45,030**
व्यापार चिह्न	69,15,02,297	**71,61,25,436**
भौ.स.रजिस्ट्री	4,63,360	**4,89,440**
पे.सू.पद्धति/एनआईआईपीएम(आईपीटीआई)	5,05,510	**5,98,954**
कुल:	**226,63,01,039**	**215,25,32,401**

(ii) वर्ष 2008-2009 और 2009-2010 के लिए गैर-योजना व्यय की तुलना

वर्ष	2008-2009 (रू.)	2009-2010 (Rs.)
पेटेंट (डिजाइन सहित)	18,53,84,291	**21,87,03,451**
व्यापार चिह्न	8,91,46,467	**8,94,35,413**
भौगोलिक संकेत रजिस्ट्री	62,59,806	**87,99,639**
पे.सू.पद्धति/एनआईआईपीएम (आईपीटीआई)	1,05,07,255	**133,93,497**
कुल:	**29,12,97,819**	**33,03,32,000**

अध्याय - III

दक्षता और पारदर्शिता

भारत सरकार ने नौवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान भारत के बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों के आधुनिकीकरण की शुरूआत की और यह परियोजना अब तक जारी है। आधारभूत संरचना का आधुनिकीकरण, मानव संसाधन विकास, प्रलेखों का डिजीटाइजेशन, कम्प्यूटीकरण, कार्यालय प्रक्रिया का स्वत: चालन और बौद्धिक सम्पदा आवेदनों की इलेक्ट्रॉनिक फाइलिंग इस परियोजना के मुख्य अवयव थे।

2009 तक भौतिक आधारभूत संरचना स्थापित करने का कार्य और कार्यालयों का कम्प्यूटीकरण पूर्ण कर लिया गया था और प्रलेखों का डिजीटाइजेशन कार्य प्रगति पर था। यह आवश्यकता महसूस की गई कि बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों की दक्षता और पारदर्शिता में सुधार लाने के लिए पहले से निर्मित आधारभूत संरचना का प्रभावी उपयोग किया जाए। उस समय प्रचलित प्रणाली की अपारदर्शिता को देखते हुए पूरी प्रणाली में सुधार लाना आवश्यक था। तकनीकी प्रक्रियाओं और अधिशासियों की मानसिकता दोनों में व्यापक परिवर्तन लाना आवश्यक था।

बौद्धिक सम्पदा प्रशासन की एक अधिक पारदर्शी, सक्षम और विश्वसनीय प्रणाली स्थापित करने के लिए वर्ष के दौरान बौद्धिक सम्पदा आवेदनों की इलेक्ट्रॉनिक कार्यवाही की शुरूआत हुई और इससे कार्यवाही (आवेदन स्थिति सहित) के साथ-साथ बौद्धिक सम्पदा आवेदनों की सामग्री आम जनता के सूचनार्थ शासकीय वेबसाइट के माध्यम से प्रसारित करना सुलभ हो सका। वर्ष के दौरान पेटेंट, व्यापार चिह्न और डिजाइन आवेदनों की पूर्ण स्वचालित कार्यवाहियों (आवेदन दाखिल करने से लेकर अनुदान तक) की शुरूआत हुई जिससे दक्षता और पारदर्शिता बढ़ी है।

बौद्धिक सम्पदा आवेदनों की कार्यवाही में किसी अप्राधिकृत व्यक्ति द्वारा हस्तक्षेप रोकने के लिए आवेदनों पर कार्य करने वाले व्यक्तियों की प्रामाणिकता सुनिश्चित की गई है और किसी अप्राधिकृत व्यक्ति से कोई संदेश स्वीकार नहीं किया जाता। पेटेंट एजेंट, ट्रेड मार्क एजेंट और अधिवक्ताओं को फोटो पहचान पत्र जारी किए गए हैं जो 1 जुलाई, 2009 से प्रभाव में है एवं कार्यालय के कार्य क्षेत्र में केवल प्राधिकृत व्यक्ति को ही प्रवेश करने की अनुमति है। परीक्षण क्षेत्रों को कार्यालय के अन्य क्षेत्र से पृथक कर दिया गया है जहाँ प्रवेश नियंत्रित है।

पेटेंट

सभी चार पेटेंट कार्यालयों को पुन: व्यवस्थित किया गया है और एक पेटेंट कार्यालय प्रक्रिया (पीओपी) स्थापित की गई है जिसके तहत विभिन्न अनुभागों की गतिविधि और उत्तरदायित्वों का स्पष्ट निरूपण किया गया है। प्रत्येक कार्यालय के एक वरीय अधिकारी को तकनीकी प्रधान के रूप में पदनामित कर पेटेंट प्रशासन का सम्पूर्ण प्रभारी और स्टेकहोल्डर्स के प्रति जवाबदेह बनाया गया है।

पेटेंट के परीक्षण और अनुदान में गुणवत्ता, एकरूपता और निरंतरता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम था विषयों की विस्तृत विशेषज्ञता वाले परीक्षक और नियंत्रकों के चार समूह का गठन करना जो 1 जुलाई 2009 से प्रभावी हुआ। समूह 1 के अंतर्गत रसायन और संबद्ध विषय, समूह 2 के अंतर्गत बायोटेक्नोलॉजी और माइक्रो बायोलोजी, समूह 3 के अंतर्गत यांत्रिकी और संबद्ध विषय तथा समूह 4 के अंतर्गत इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स और संबद्ध विषय हैं। संगत अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट वर्गीकरण का पेटेंट आवेदनों के सही विषय स्क्रीनिंग के लिए सारणीबद्ध किया गया है। इस वैज्ञानिक तरीके से पेटेंट आवेदन के आबंटन को युक्तिसंगत करने और पेटेंट आवेदनों के परीक्षण और अनुदान के लिए विशेषज्ञता क्षेत्र से बाहर के परीक्षकों/नियंत्रकों को आबंटित किए जाने के अवसर को रोकते हुए परीक्षण की गुणता में सुधार लाने में सहायता मिली। समूहों के गठन से सदस्यों के बीच नियमित व्यावसायिक विचार-विमर्श को प्रोत्साहित किया जिससे अनुदानित पेटेंट की गुणवत्ता में सुधार लाया जा सके।

पारदर्शिता सुनिश्चित करने और बौद्धिक सम्पदा अभिलेखों तक सहज पहुँच बनाने के प्रयास के रूप में, डिजिटाइज्ट अभिलेखों को आम जन के खोज हेतु शासकीय वेबसाइट पर उपलब्ध कराया गया। भारतीय पेटेंट सूचना प्राप्ति प्रणाली, प्रकाशित आवेदनों और अनुदानित पेटेंट का पृथक खोज प्रदान करती है। इसमें पेटेंट विर्निदेश की प्रतियों के लिए पेटेंट कार्यालय का दौरा करने की आवश्यकता समाप्त कर दी है। आवेदन स्थिति की खोज भी उपलब्ध कराई गई है। शासकीय पेटेंट जर्नल को ऑनलाइन उपलब्ध करा दिया गया है।

प्रतिवेदन वर्ष के प्रथम चार से पाँच महीनों में ऊपर वर्णित लक्ष्यों को हासिल करने के लिए सभी पेटेंट अधिकारियों के समय और प्रयास अपेक्षित थे। इसके फलस्वरूप इस वर्ष के दौरान परीक्षित और अनुदानित पेटेंट आवेदनों की संख्या में कमी आई है। हमारी उपलब्धियां संक्षिप्त में इस प्रकार है:

- पेटेंट आवेदनों के परीक्षण की संवर्धित गुणवत्ता।
- अधिक उत्तरदायित्व।
- पेटेंट सूचना की ऑनलाइन उपलब्धता।
- आवेदन स्थिति की ऑनलाइन उपलब्धता।
- सूचना का सही समय पर अद्यतन करना जैसे ही कोई शासकीय कार्य किया जाए।
- पेटेंट के जर्नल का प्रणाली संचालित ऑनलाइन प्रकाशन की शुरूआत और शासकीय वेबसाइट द्वारा इसकी निःशुल्क उपलब्धता (डिजाइन सहित)।
- पेटेंट रजिस्टर की ऑनलाइन उपलब्धता।
- दस्तावेज की सत्यापित प्रतियाँ प्राप्त करने के समय में अत्यधिक कमी।
- सूचना प्राप्ति हेतु पेटेंट कार्यालय आने की आवश्यकता की समाप्ति।
- पेटेंट आवेदनों का समय पर और स्वतः प्रकाशन।
- कार्यालय कार्य की स्वतः रिकॉर्डिंग।
- मनमाने व्यवहार को हटाना।

पेटेंट एजेंट परीक्षा

पेटेंट एजेंट परीक्षा के संचालन में पारदर्शी और विश्वसनीयता लाने के उद्देश्य से, शिक्षाविद और अनुभवी पेटेंट एजेंट को शामिल कर पेटेंट एजेंट परीक्षा बोर्ड के गठन का कार्य आरंभ किया गया प्रश्न-पत्रों के प्रतिमान में व्यापक परिवर्तन लाया गया ताकि पेटेंट के अभियोजन में अभ्यर्थियों के पूर्ण ज्ञान का परीक्षण हो सके। इसका विज्ञापन बहुत पहले ही कर दिया जाता है और इसके परिणामस्वरूप 2009-10 की परीक्षा में 1019 अभ्यर्थी उपस्थित हुए। साक्षात्कार के लिए, विस्तृत आधार वाले साक्षात्कार बोर्ड का गठन किया गया। 223 अभ्यर्थियों को पास घोषित किया गया और उन्हें समय के साथ पेटेंट एजेंट के रूप में पंजीकृत कर दिया जाएगा। यह पेटेंट अभियोजन पारितंत्र के गुणात्मक सुधार की दिशा में महत्वूर्ण कदम है।

अभिकल्प

पेटेंट कार्यालयों को पेटेंट और अभिकल्प आवेदनों के परीक्षण की दोहरी जिम्मेदारी दी गई है। डिजाइन अधिनियम के बेहतर प्रशासन के लिए नामित अधिकारियों (नियंत्रक और परीक्षकों) को अभिकल्प आवेदनों के परीक्षण और पंजीकरण का एकमात्र कार्य नियत किया गया है। अभिकल्प अभिलेखों को डिजिटाइज्ड किया गया है और वेबसाइट पर खोज योग्य बनाया गया है। अभिकल्प आवेदनों की पूर्ण इलेक्ट्रॉनिक प्रक्रिया प्रारंभ की गई है।

व्यापार चिह्न

व्यापार चिह्न अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार केवल किसी आवेदक या किसी वकील और किसी पंजीकृत व्यापार चिह्न एजेंट ही व्यापार चिह्न आवेदनों का अभियोजन करने के लिए प्राधिकृत हैं। बहुत बड़ी संख्या में अप्राधिकृत एजेंट को व्यापार चिह्न आवेदनों का अभियोजन करते हुए पाया जाता था। ऐसे अप्राधिकृत एजेंट सही आवेदनों को उड़ा ले जाते थे और पंजीकरण के लिए अनावश्यक दबाव डालते थे। इस व्यवहार को विभिन्न प्रयासों के द्वारा काफी हद तक समाप्त कर दिया गया है।

"पहले आओ पहले पाओ" के सिद्धांत को व्यापार चिह्न रजिस्ट्री में लागू किया गया था। इसके परिणामस्वरूप प्रक्रिया के विभिन्न चरणों पर लंबित बहुत पुराने मामलों को लिया गया और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जा रहा है। इस कदम के फलस्वरूप बहुत दूर स्थानों पर रहने वाले आवेदकों, जो नियमित आधार पर "अनुवर्ती कार्रवाई" की जानकारी के लिए कार्यालय का दौरा करने में असमर्थ थे उन्हें न्याय दिलाया गया और मनमाने व्यवहार को हटाया गया।

आम जनता की सुविधा के लिए व्यापार चिह्न रजिस्ट्री की सभी गतिविधियों को प्रत्येक शाखा कार्यालय में विकेन्द्रित कर दिया गया।

व्यापार चिह्न आवेदनों के दाखिल करने के स्तर से उसके पूरे जीवन चक्र की विस्तृत इलेक्ट्रॉनिक प्रक्रिया निर्धारित की गई।

व्यापार चिह्न अधिनियम के बेहतर और प्रभावी प्रशासन के लिए प्रत्येक व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के वरीय अधिकारियों को तकनीकी प्रधान के रूप में नियुक्त किया गया है। उन्हें उनके निर्दिष्ट स्थान में व्यापार चिह्न अधिनियम के प्रशासन का सम्पूर्ण दायित्व प्रभारित किया गया है।

इन दक्षता और पारदर्शिता प्रयासों का संक्षिप्त परिणाम निम्नलिखित है:

- व्यापार चिह्न जर्नल का प्रणाली संचालित ऑनलाइन प्रकाशन की शुरूआत और शासकीय वेबसाइट द्वारा इसकी निःशुल्क उपलब्धता।
- स्टेकहोल्डर से प्राप्त शिकायतों में कमी।
- व्यापार चिह्न आवेदनों की स्थिति शासकीय वेबसाइट के माध्यम से सही समय आधार पर उपलब्ध कराना।
- शासकीय वेबसाइट के माध्यम से व्यापार चिह्न का रजिस्टर आम जनता के लिए उपलब्ध कराना।
- कार्यालय का दौरा करने की आवश्यकता में व्यापक कमी लाना।
- "पहले आओ पहले पाओ" के सिद्धांत को प्रत्येक चरण में लागू करना।

भौगोलिक उपदर्शन

सभी भौगोलिक संकेत आवेदनों के लिए विशेषज्ञों के लिए एकल परामर्शदात्री समिति को भंग कर दिया गया और प्रत्येक भौगोलिक संकेत आवेदन के लिए विशिष्ट क्षेत्र में विषय विशेषज्ञता रखने वाले सदस्यों को शामिल कर एक परामर्शदात्री समिति के गठन की शुरूआत की गई।

प्रतिवेदन वर्ष से प्रारंभ करते हुए भौगोलिक संकेत का जर्नल ऑनलाइन प्रकाशित किया जा रहा है।

अध्याय - IV

पेटेंट

1. परिचय:

यह अध्याय पेटेंट अधिनियम, 1970 यथासंशोधित, 2005 की धारा 155 के तहत पेटेंट कार्यालयों द्वारा वर्ष 2009-10 के दौरान निष्पादित गतिविधियों के संबंध में 38वाँ प्रतिवेदन प्रस्तुत करता है। पेटेंट कार्यालय भौगोलिक रूप से विभाजित है तथा चार महानगरों में कोलकाता, चेन्नई, मुम्बई तथा दिल्ली में स्थित है। कोलकाता कार्यालय प्रधान कार्यालय है। पेटेंट कार्यालय देश में हुए आविष्कारों पर इनके आविष्कारकों अथवा उनके द्वारा नामित व्यक्तियों अथवा कानूनी उत्तराधिकारियों को सीमित एकाधिकार अनुदानित करने के द्वारा इन आविष्कारों की संरक्षा से संबंधित कानून का प्रशासन करता है। निम्न प्रदत्त पैराग्राफ पेटेंट कानून के तहत यथा प्रशासित पेटेंट कार्यालय की प्रमुख गतिविधियों की रूप-रेखा प्रस्तुत करता है।

2. पेटेंट आवेदन

वर्ष **2009**-2**010** में पेटेंट के लिए प्राप्त आवेदनों की संख्या **34287** थी जो वर्ष 2008-09 में प्राप्त 36812 आवेदनों की तुलना में लगभग **6.8%** की कमी दर्शाता है।

(क) भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदन

भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदन की संख्या **7044** है जो विगत वर्ष, जबकि **6161** आवेदन दाखिल किए गए थे, की तुलना में अच्छी वृद्धि प्रदर्शित नहीं करता है। पेटेंट आवेदनों की ये संख्या वर्ष के दौरान दाखिल कुल आवेदनों में लगभग **20.54%** का योगदान करती है।

भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदनों में से, महाराष्ट्र से दाखिल आवेदनों की संख्या सर्वाधिक रही जिसके बाद क्रमशः दिल्ली, तमिलनाडु, कर्नाटक, आन्ध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल आदि का स्थान आता है। राज्य/संघशासित प्रदेश अनुसार आवेदनों की संख्या कोष्ठक में प्रदर्शित की गई है:- महाराष्ट्र (2286), दिल्ली (868), तमिलनाडु (813), कर्नाटक (755), आन्ध्र प्रदेश (553), पश्चिम बंगाल (364), गुजरात (319), उत्तर प्रदेश (321), केरल (166), हरियाणा (144), झारखंड (94), पंजाब (75), उत्तराखंड (67), राजस्थान (55), मध्य प्रदेश (37), चंडीगढ़ (28), असम (23), बिहार (16), पांडिचेरी (06), गोआ (05), छत्तीसगढ़ (02), इत्यादि।

भारत में उद्गमित पेटेंट साधारण आवेदनों का राज्य/संघ क्षेत्रानुसार विवरण

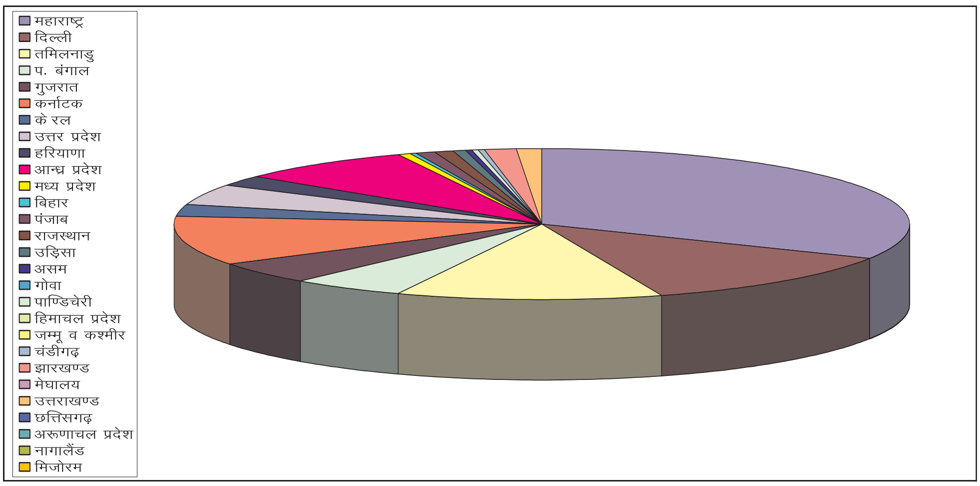

वर्ष 2009-10 के दौरान रैनबैक्सी लेबोरेट्रीज लिमिटेड भारतीय आवेदकों में अग्रणी रही जिसने औषधि निर्माण के क्षेत्र से अधिकतम संख्या में आवेदन (37) दाखिल किए। निम्नलिखित सूची उन शीर्ष 10 प्रमुख भारतीय आवेदकों का विवरण प्रस्तुत करती है जिन्होंने औषधि निर्माण के क्षेत्र में पेटेंट आवेदन दाखिल किया है।

(i) औषधि निर्माण उद्योग के क्षेत्र से पेटेंट के लिए आवेदन करने वाले शीर्ष 10 प्रमुख भारतीय आवेदक

क्र.सं.	औषधि निर्माण उद्योग के नाम	दाखिल आवेदन
1.	रैनबैक्सी लेबोरेट्रीज लिमिटेड	37
2	बोखार्ड रिसर्च सेन्टर	33
3	सिपला लिमिटेड	21
4	हेटरो रिसर्च फाउंडेशन	11
5	सुलूर, सुब्रहमण्यम वनानगमुडी	11
6	कंसेप्ट मेडिकल रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड	10
7	रूबीकॉन रिसर्च प्रा.लि.	08
8	स्टेमपियूटीस्स रिसर्च प्रा.लि.	08
9	इनविजन साइंटिफिक प्राइवेट लिमिटेड	07
10	सन फर्मा एडवांसेज रिसर्च कम्पनी लिमिटेड	07

सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में इंफोसिस टेक्नॉलोजीज लिमिटेड ने अधिकतम आवेदन (23) दाखिल किए हैं जिसके बाद एलजी सॉफ्ट प्राइवेट लिमिटेड (07) का स्थान है। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र से पेटेंट के लिए आवेदन करने वाले शीर्ष 5 प्रमुख भारतीय आवेदकों की सूची निम्नवत् है।

(ii) सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र से पेटेंट के लिए आवेदन करने वाले शीर्ष 5 प्रमुख भारतीय आवेदक

क्र.सं.	कंपनियों के नाम	दाखिल आवेदन
1.	इंफोसिस टेक्नॉलोजीज लिमिटेड	23
2.	एलजी सॉफ्ट प्राइवेट लिमिटेड	07
3.	सेन्टर फॉर डेवेलपमेन्ट ऑफ एडवांस्ड कम्प्यूटिंग (सी-डैक)	06
4.	न्यूजेन सॉफ्टवेयर टेक्नॉलोजीज लिमिटेड	06
5.	सैमसंग इंडिया सॉफ्टवेयर ऑपरेशन्स प्र.लि.	06

वैज्ञानिक तथा अनुसंधान व विकास संस्थानों में कॉन्सिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रीयल रिसर्च ने अधिकतम आवेदन (162) दाखिल किए हैं जिसके बाद डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेन्ट ऑर्गेनाइजेशन (डीआरडीओ) और इंडियन कॉन्सिल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च (आईसीएआर) का स्थान है। पेटेंट के लिए आवेदन करने वाले शीर्ष 10 प्रमुख भारतीय वैज्ञानिक तथा अनुसंधान व विकास संस्थानों की सूची निम्नवत् है।

(iii) वैज्ञानिक तथा अनुसंधान व विकास संस्थानों से पेटेंट के लिए आवेदन करने वाले शीर्ष 10 प्रमुख भारतीय आवेदक

क्र.सं.	वैज्ञानिक तथा अनुसंधान व विकास संस्थानों के नाम	दाखिल आवेदन
1.	कॉन्सिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रीयल रिसर्च (सीएसआईआर)	162
2.	डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेन्ट ऑर्गेनाइजेशन (डीआरडीओ)	80
3.	इंडियन कॉन्सिल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च (आईसीएआर)	55
4.	इंडियन स्पेश रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन (आईएसआरओ)	17
5.	सेन्ट्रल इन्स्टिट्यूट ऑफ फिशरिज टेक्नॉलोजी	13

6.	नेशनल इन्स्टिट्यूट ऑफ फर्मासिट्यूकल एज्यूकेशन एंड रिसर्च (एनआईपीईआर)	10
7.	सेन्टर फॉर डेवेलपमेन्ट ऑफ एडवांस्ड कम्प्यूटिंग (सी-डैक)	07
8.	नेशनल इन्स्टिट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी	07
9.	इंडियन कॉन्सिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर)	06
10.	सोसाइटी फॉर एप्लाइड माइक्रोवेव इलेक्ट्रोनिक्स इंजीनियरिंग एंड रिसर्च (एसएएमइइआर)	06

वर्ष 2009-10 के दौरान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान ने 109 आवेदन दाखिल कर भारतीय विश्वविद्यालय एवं संस्थानों में शीर्ष स्थान हासिल किया जिसके बाद एमीटी यूनिवर्सिटी एवं भारतीय विज्ञान संस्थान का रहा। भारतीय विश्वविद्यालय एवं संस्थानों से पेटेंट के लिए आवेदन करने वाले शीर्ष 10 आवेदक निम्नलिखित हैं।

(iv) संस्थानों और विश्वविद्यालयों से पेटेंट के लिए आवेदन करने वाले शीर्ष 10 प्रमुख भारतीय आवेदक

क्र.सं.	संस्थानों और विश्वविद्यालयों के नाम	दाखिल आवेदन
1.	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान	109
2.	एमीटी यूनीवर्सिटी	81
3.	भारतीय विज्ञान संस्थान	45
4.	सिरम इन्स्टिट्यूट ऑफ इंडिया लिमिटेड	12
5.	द इनर्जी एंड रिर्सोसेज इन्स्टिट्यूट (टीईआरआई)	07
6.	इन्स्टिट्यूट ऑफ लाईफ साइंसेज	06
7.	डालमिया इन्स्टिट्यूट ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रीयल रिसर्च	04
8.	जादवपुर यूनिवर्सिटी	04
9.	कृष्णा इन्स्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज	04
10.	मणीपाल इन्स्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलोजी	04

(ख) विदेशी आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदन

i. कन्वेंशन आवेदन:

दाखिल कन्वेंशन आवेदनों की संख्या **2986** थी जो पिछले वर्ष दाखिल कुल कन्वेंशन आवेदन **4264** की तुलना में लगभग **29.83%** की कमी दर्ज करता है।

ii. पी.सी.टी माध्यम द्वारा राष्ट्रीय फेज के रूप में दाखिल आवेदन

विदेश से प्राप्त आवेदनों में से अधिकांश पी.सी.टी राष्ट्रीय फेज माध्यम से दाखिल किए गए। वर्ष के दौरान दाखिल ऐसे आवेदनों की संख्या **23431** रही जो विगत वर्ष (25706) की तुलना में लगभग **8.85%** कम है। प्राप्त आवेदनों की संख्या के आधार पर संयुक्त राज्य अमेरिका अग्रणी रहा जिसके पश्चात् जर्मनी, जापान, स्वीटजरलैंड, नीदरलैंड, फ्रांस, स्वीडन, युनाईटेड किंगडम, कोरिया गणतंत्र तथा इटली इत्यादि का स्थान रहा। इन आवेदनों की देशानुसार संख्या कोष्ठक में प्रदर्शित की गई है:- संयुक्त राज्य अमेरिका (8087), जर्मनी (2582), जापान (2386), स्वीटजरलैंड (1287), नीदरलैंड (1281), फ्रांस (1198), युनाईटेड किंगडम (910), स्वीडन (710), कोरिया गणतंत्र (636), चीन गणतंत्र (468), इटली (465), फिनलैंड (453), कनाडा (399), बेल्जियम (304), डेनमार्क (298), इजराइल (292), आस्ट्रेलिया (287), स्पेन (150), आस्ट्रिया (140), नार्वे (95) इत्यादि

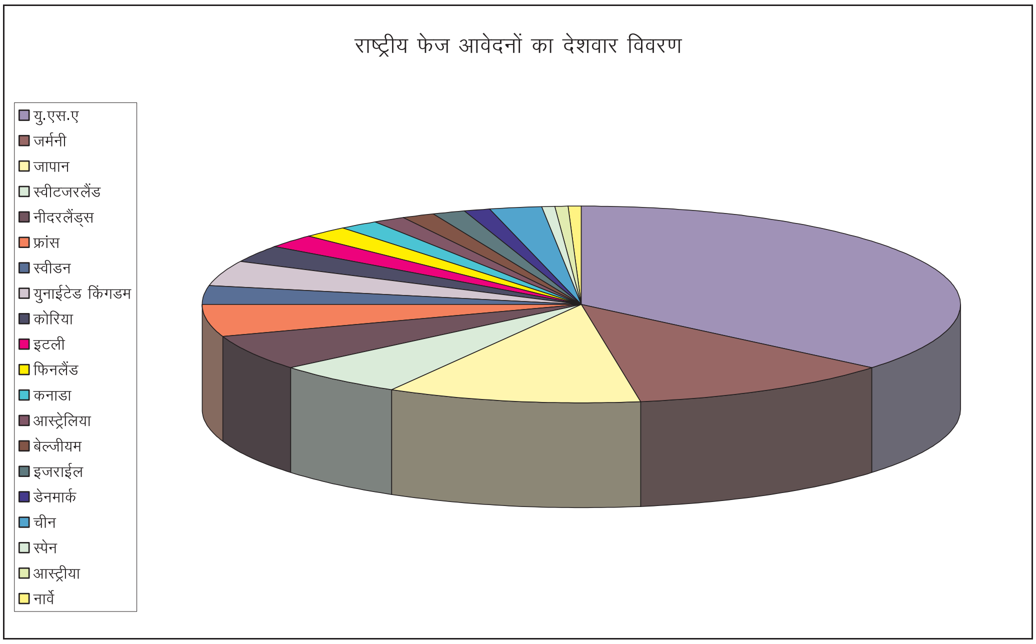

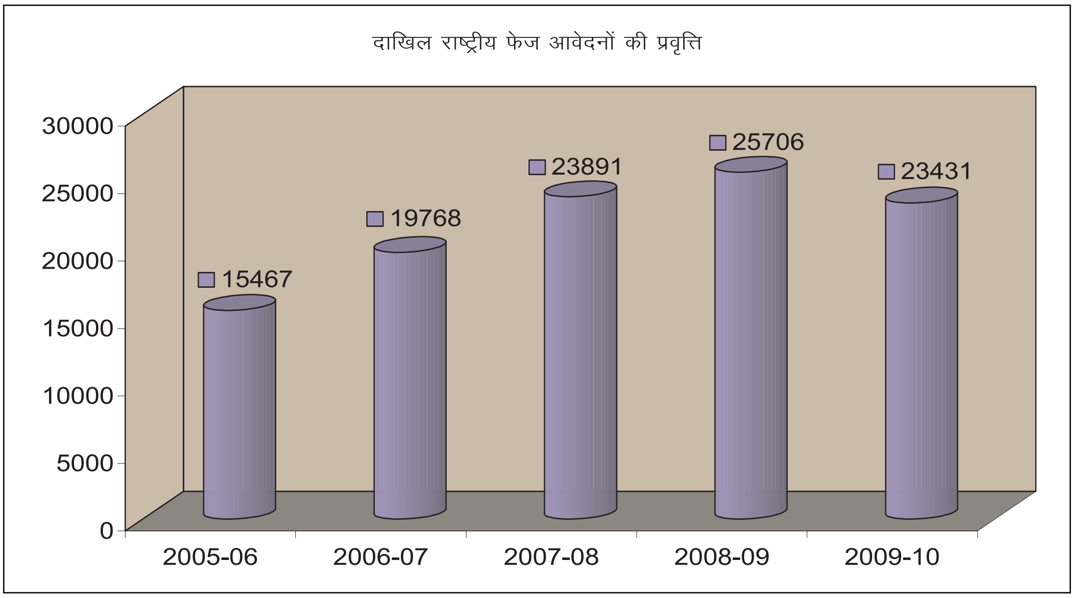

निम्नलिखित तालिका उन शीर्ष 10 विदेशी प्रवासी आवेदकों की सूची प्रदान करती है जिन्होंने 2009-10 के दौरान पेटेंट आवेदन दाखिल किए हैं। यह पाया गया है कि क्वालकम इंकोरपोरेशन इस सूची में अग्रणी रहा है जिसके बाद कोनिनक्लीके फिलिप्स इलेक्ट्रोनिक्स एन.वी., सोनी कॉरपोरेशन तथा नोकिया कॉरपोरेशन का स्थान रहा है।

शीर्ष 10 विदेशी आवेदक

क्र.सं.	संगठनों के नाम	आवेदनों की संख्या
1	क्वालकम इंकॉरपोरेशन	852
2	कोनिनक्लीके फिलिप्स इलेक्ट्रोनिक्स एन.वी.	725
3	सोनी कॉरपोरेशन	296
4	नोकिया कॉरपोरेशन	267
5	रोबर्ट बोस जीएमबीएच	244
6	टेलेफोनाक्टिबोलागेट एलएम एरिक्सन (पीयूबीएल)	242
7	सिमेन्स एकटीइनजेसेलसाफ्ट	234
8	बेस्फ एसइ	222
9	माइक्रोसॉफ्ट कॉरपोरेशन	220
10	नोवार्टीस एजी	203

वर्ष 2009-10 के दौरान विभिन्न माध्यमों से प्राप्त एवं उद्‌गम देश तथा राज्यवार वर्गीकृत पेटेंट आवेदनों का विवरण **परिशिष्ठ-"ख"** में दर्शाया गया है।

2000-2001 से 2009-2010 की अवधि के दौरान विभिन्न माध्यमों से भारतीय प्रवासियों एवं अप्रवासियों से प्राप्त पेटेंट आवेदन **परिशिष्ट- "ग"** में दर्शाया गया है।

2005-2006 से 2009-2010 के दौरान रसायन, वैद्युतिक, यांत्रिकी तथा सामान्य क्षेत्रों इत्यादि के विषयवार दाखिल आवेदनों का विवरण **परिशिष्ट "ङ" तथा "ङ1"** में प्रदत्त सारणी द्वारा दिखाया गया है।

3. अनुदानित तथा प्रवृत्त पेटेंट :

वर्ष के दौरान अनुदानित पेटेंट की संख्या **6,168** थी, जिनमें से **1,725** भारतीयों को अनुदानित किए गए। 31 मार्च 2009 को प्रवृत पेटेंट की संख्या **37,334** थी जिनमें से **6,781** पेटेंट भारतीयों के नाम थे। कुल अनुदानित पेटेंट में से **1,024** पेटेंट यांत्रिकी, **1,420** रसायन, **530** भेषज या औषधि, **404** वैद्युतिक, **72** खाद्य से संबंधित आवेदनों के लिए अनुदानित किए गए।

वर्ष 1999-2000 से वर्ष 2009-10 की अवधि के दौरान दाखिल आवेदनों की संख्या, परीक्षण हेतु प्राप्त अनुरोधों की संख्या, परित्यक्त हुआ सा मान लिए गए आवेदनों तथा अनुदानित पेटेंट एवं प्रवृत्त पेटेंट की संख्या **परिशिष्ठ-"घ"** में प्रदर्शित की गई है। वर्ष 2005-06 से 2009-10 के विगत पाँच वर्षों के दौरान विभिन्न क्षेत्रों के अन्वेषणों पर अनुदानित पेटेंट की संख्या **परिशिष्ट- "च"** व **"च1"** में प्रदर्शित की गई है।

4.भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल पी.सी.टी अन्तर्राष्ट्रीय आवेदन:

विगत वर्ष के 887 की तुलना में इस वर्ष के दौरान पी.सी.टी प्रणाली का उपयोग करते हुए भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल अंतर्राष्ट्रीय आवेदनों की कुल संख्या **752** थी जो लगभग **15%** की कमी दर्शाती है। विगत पाँच वर्षों के दौरान दाखिल पी.सी.टी. अन्तर्राष्ट्रीय आवेदनों का लेखा-जोखा निम्नवत् है।

वर्ष	वैयक्तिक	विधिक सत्ताधारी	कुल
2005-2006	130	352	482
2006-2007	144	390	534
2007-2008	169	538	707
2008-2009	232	655	887
2009-2010	**231**	**521**	**752**

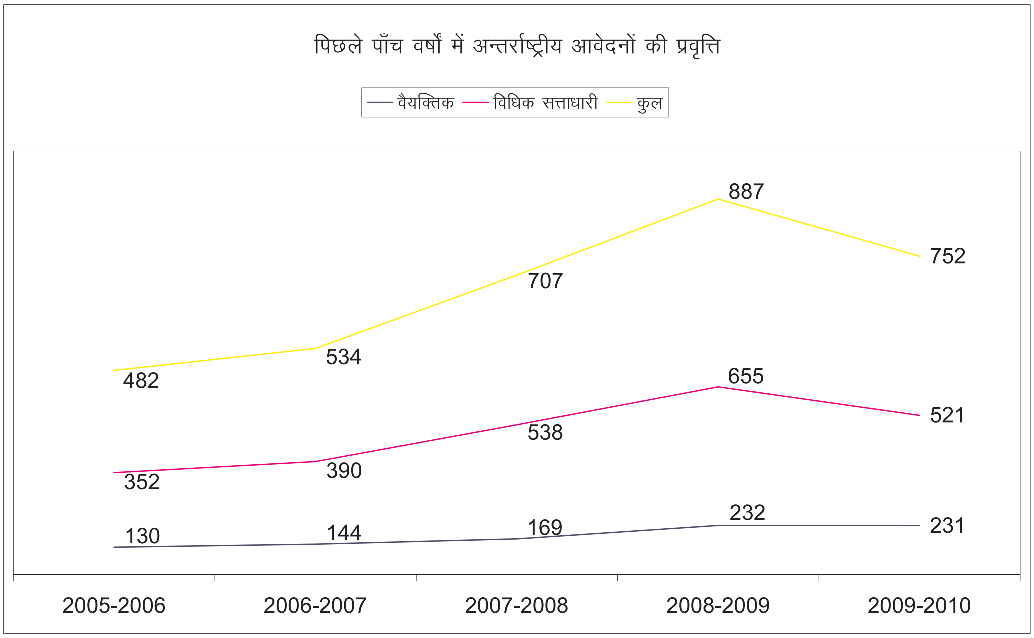

वर्ष के दौरान पी.सी.टी. अन्तर्राष्ट्रीय आवेदनों के सर्वप्रमुख अंशदाता थे- सी.एस.आई.आर, हेटरो रिसर्च फाउंडेशन, मैट्रिस लेबोट्रीज लि., लूपिन लि., टाटा स्टील लि., पेनिसिया बायोटेक लि., रिलायन्स लाइफ साइंसेज लि., कैडिला हेल्थ केयर लि., ग्लेनमार्क जेनेरिक्स लि., आईएनडी – स्वीफ्ट लेबोरेट्रीज लि. इत्यादि।

5. पेटेंट अधिनियम व नियमों के तहत विविध महत्वपूर्ण कार्यवाहियाँ

(क) परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में आविष्कार: पेटेंट अधिनियम, 1970 की धारा 4 के तहत आलोच्य वर्ष के दौरान **28** आवेदन परमाणु ऊर्जा विभाग को प्रेषित किए गए जिनमें से **14** आवेदन वर्ष के दौरान सामान्य शासकीय कार्यवाही के तहत प्रक्रियागत करने के लिए अनुमत्य हुए तथा **10** आवेदन अब भी परमाणु ऊर्जा विभाग के समक्ष विचारार्थ लंबित हैं तथा **04** आवेदनों को परमाणु ऊर्जा विभाग ने अस्वीकृत कर दिया जिसके फलस्वरूप उन पर पेटेंट अधिनियम,1970 की धारा 4 लागू हुई।

(ख) धारा 11क के तहत पेटेंट आवेदन का प्रकाशन: वर्ष के दौरान धारा 11क के तहत **34305** आवेदन प्रकाशित किए गए जिनमें शीघ्र प्रकाशन हेतु **977** आवेदन शामिल हैं। 1 अप्रैल, 2006 से अब तक प्रकाशित पेटेंट आवेदनों की संख्या का वर्ष के अनुसार विवरण निम्नवत् हैं।

वर्ष	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10	**कुल**
धारा 11क के तहत प्रकाशन	18602	59643	39821	33328	**151394**
शीघ्र प्रकाशन	708	863	928	977	**3476**
कुल	**19310**	**60506**	**40749**	**34305**	**154870**

(ग) अनुदानपूर्व-आपत्ति [धारा 25(1) के तहत]: वर्ष के दौरान इस धारा के तहत आपत्ति के रूप में **103** आवेदन प्राप्त किए गए। जबकि वर्ष के दौरान **32** आवेदनों का निपटान कर दिया गया।

(घ) अनुदानोत्तर आपत्ति [धारा 25(2) के तहत]: वर्ष के दौरान **28** अनुदानोत्तर आपत्तियाँ दाखिल की गईं। जबकि वर्ष के दौरान **4** अनुदानोत्तर आपत्तियों का निपटान कर दिया गया तथा **146** अनुदानोत्तर आपत्तियाँ निपटान हेतु लंबित रही।

(ड़) गोपनीय निदेश (धारा 35 के तहत): वर्ष के दौरान **58** पेटेंट आवेदन डीआरडीओ प्रेषित किए गए। **12** आवेदन लंबित रहे और **46** आवेदनों को रक्षा मंत्रालय द्वारा सामान्य कार्रवाही हेतु अनुमत्त किया गया।

(च) अनुमति (धारा 39 के तहत): भारत को छोड़कर अन्य देशों में आवेदन दाखिल करने हेतु अनुरोध करते हुए **1841** आवेदन दाखिल की गई जिसमें से **1830** पर अनुमति प्रदान कर दी गई।

(छ) व्यपगत पेटेंट का प्रत्यावर्तन (धारा 60 के तहत): पेटेंट के प्रत्यावर्तन के लिए **318** आवेदन प्राप्त किए गए तथा **281** आवेदन प्रत्यावर्तित किए गए।

(ज) दस्तावेजों का पंजीकरण (धारा 68 तथा 69): दस्तावेजों के पंजीकरण के लिए कुल **2188** मामले प्राप्त किए गए जिसमें से **1733** मामलों का निपटान कर दिया गया।

(झ) जारी पेटेंट (धारा 83 के तहत): पेटेंटग्राही अथवा इनके द्वारा प्राधिकृत एजेंट द्वारा प्रदत्त सूचना के अनुसार कुल **4189** पेटेंट को वाणिज्यिक रूप से जारी रहने के रूप में दर्शाया गया।

(ञ) अनिवार्य लाईसेन्स (धारा 84, 92 तथा 92-क के तहत): धारा 84 तथा 92 के तहत अनिवार्य लाईसेन्स के अनुदान हेतु कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ।

(ट) सूचना (धारा 153 के तहत): वर्ष के दौरान पेटेंट नियम, 2003 के नियम 134 में यथा प्रदत्त इस अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के तहत पेटेंट कार्यालय ने **2097** की संख्या में सूचना संबंधी अनुरोध प्राप्त किए।

(ठ) अनुलिपि पेटेंट (धारा 154 के तहत): कुल **42** अनुरोध प्राप्त किए गए तथा **42** का निपटारा कर दिया गया।

(ड) पेटेंट अभिकर्त्ताओं का पंजीकरण: वर्ष के दौरान नवीन पंजीकरणों की संख्या **204** रही। 31 मार्च 2010 को पंजीकृत पेटेंट अभिकर्त्ताओं की कुल संख्या **1621** थी।

6. राजस्व एवं व्यय:

पेटेंट कार्यालयों ने इस वर्ष के दौरान अधिनियम एवं नियमों के तहत विभिन्न कार्यवाहियों से शुल्क के रूप में **रू. 142.61 करोड़** का राजस्व अर्जित किया। वर्ष के दौरान तदनुरूपी व्यय (डिजाइन प्रशासन सहित) **रू. 21.87** करोड़ रही। पेटेंट मद में शुल्क के रूप में अर्जित राजस्व का विवरण **परिशिष्ट "छ"** में दिया गया है।

7. सामान्य सूचना

पेटेंट कार्यालय, कोलकाता तथा मुम्बई, दिल्ली एवं चेन्नई स्थित उसके शाखा कार्यालयों के वैज्ञानिक तथा तकनीकी पुस्तकालय जनता को परामर्श तथा संदर्भ के क्षेत्र में सुविधा प्रदान करते रहे। सुविधाओं का विभिन्न अनुसंधान व औद्योगिक संस्थानों के आविष्कारक तथा अन्य जनता के साथ साथ विभिन्न विश्वविद्यालयों में अनुसंधानरत विद्वानों ने और अधिक उपयोग किया।

वर्ष के दौरान पेटेंट कार्यालय ने विभिन्न देशों से 610 सीडी रोम प्राप्त किए। पेटेंट कार्यालय में 6,951 भारतीय तथा विदेशी पुस्तकें एवं जॉर्नल हैं।

भारतीय तथा वैदेशिक पेटेंट विनिर्देश अन्य प्रकाशनों के माध्यम से स्वाध्याय और संदर्भ कार्यों के संपादन हेतु पेटेंट कार्यालय, कोलकाता तथा मुम्बई, दिल्ली एवं चेन्नई स्थित इसके शाखा कार्यालयों के

पुस्तकालय में कुल 4,909 व्यक्ति आए। इन कार्यालयों के अन्वेषण कक्ष तथा पुस्तकालयों का समीचीन उपयोग वैज्ञानिकों एवं तकनीशियनों इत्यादि ने किया।

आम लोगों ने सभी पेटेंट कार्यालयों द्वारा प्रदत्त नि:शुल्क ऑनलाईन इंटरनेट खोज सुविधा का भी लाभ उठाया।

पेटेंट कार्यालय ने अगस्त, 2008 से पेटेंट आवेदन दाखिल करने की प्रक्रिया तथा सूचना हेतु वेब आधारित परिसंवादी दिशानिर्देश की सुविधा भी आम जनता के लिए उपलब्ध कराई।

9. सूचना अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत सूचना

वर्ष के दौरान कुल 513 अनुरोध प्राप्त हुए एवं सभी अनुरोधों के संदर्भ में अधिनियम के तहत प्रदत्त समय-सीमा के अनुसार आवश्यक समुचित कार्रवाई की गई।

परिशिष्ट-क1)

31 मार्च 2010 को नियोजित परीक्षकों के विशिष्ट तकनीकी कार्यक्षेत्र के विवरण

विशिष्टता का व्यापक तकनीकी क्षेत्र	**परीक्षकों की संख्या**
कृषि	--
जैव-रसायन	05
वायोइनफॉर्मेटिक्स	--
जैव-तकनीकी	09
बी-फार्मा	--
रसायन	20
सिविल इंजीनियरिंग	02
कम्प्यूटर विज्ञान	06
वैद्युतिक व इलेक्ट्रॉनिक्स अभियंत्रणा	13
यांत्रिकी अभियंत्रणा	06
धातुकर्म	02
माइक्रो वायोलॉजी	12
भौतिकी	03
पोलिमर साइंस	--
उत्पादन व औद्योगिक अभियंत्रणा	--
वस्त्र अभियंत्रणा	02
पशु चिकित्सा	--
विशिष्टता के अन्य क्षेत्र	--
कुल	**80**

परिशिष्ट "ख"

वर्ष 2008-2009 की तुलना में 2009-2010 में दाखिल किए गए पेटेंट आवेदन
उद्‌गम राज्य/राष्ट्र के अनुसार वर्गीकृत

देश/राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश	साधारण आवेदनों की संख्या		कन्वेंशन आवेदनों की संख्या		राष्ट्रीय फेज आवेदनों की संख्या	
	2009-10	2008-09	2009-10	2008-09	2009-10	2008-09
1	2	3	4	5	6	7
महाराष्ट्र	2286	1990	03	22	154	138
दिल्ली	868	702	0	03	11	37
तमिलनाडु	813	783	0	-	05	-
पश्चिम बंगाल	364	358	0		01	13
गुजरात	319	295	0	-	01	03
कर्नाटक	755	872	01	-	10	11
केरल	166	107	0	-	0	-
उत्तर प्रदेश	321	115	01	-	0	03
हरियाणा	144	126	0	-	0	05
आन्ध्र प्रदेश	553	411	04	-	26	27
मध्य प्रदेश	37	51	0	01	0	-
बिहार	16	10	0	-	0	-
पंजाब	75	61	0	-	0	-
राजस्थान	55	40	0	-	0	-
उड़ीसा	34	22	0	-	0	-
असम	23	15	0	-	0	-
गोआ	05	08	0	-	0	-
पोण्डीचेरी	06	01	0	-	0	-
हिमाचल प्रदेश	0	10	0	-	0	-
जम्मु व कश्मीर	03	05	0	-	0	-
चंडीगढ़	28	27	0	-	0	-
झारखण्ड	94	112	0	-	0	-
मेघालय	01	01	0	-	0	-
उत्तराखण्ड	67	29	0	01	0	-
छत्तीसगढ़	02	10	0	-	0	-
अरुणाचल प्रदेश	01	0	0		0	
नागालैंड	03	0	0		0	
मिजोरम	01	0	0		0	
कुल	**7044**	**6161**	**09**	**27**	**209**	**237**

परिशिष्ट "ख" जारी

राष्ट्रमंडल देश

	2009-10	2008-09	2009-10	2008-09	2009-10	2008-09
1	2	3	4	5	6	7
यूनाईटेड किंगडम	26	31	36	63	910	1084
आस्ट्रेलिया	05	02	03	17	287	367
कनाडा	04	09	67	118	399	344
आयरलैंड	01	03	1	01	90	80
श्रीलंका	0	-	0	01	01	-
न्युजीलैंड	0	-	0	02	53	48
कुल	36	45	107	202	1740	1923

उत्तर व दक्षिण अमेरिका

	2009-10	2008-09	2009-10	2008-09	2009-10	2008-09
1	2	3	4	5	6	7
यु.एस.ए	236	250	831	1715	8087	9013
मैक्सिको	0	01	01	-	07	20
वेनेजुएला	0	-	0	-	10	-
ब्राजील	01	04	07	-	50	49
अर्जेन्टीना	0	01	01	01	07	03
वेस्ट इंडीज	09	04	0	-	01	04
पनामा	0	-	0	-	08	09
उरूग्वे	0	-	0	-	0	-
बरमुदा	02	01	01	-	18	31
बारबाडोज	0	-	0	03	07	09
बहामास	0	-	0	01	08	07
क्युबा	0	-	0	-	07	20
कोस्टारिका	0	-	0	-	01	-
बेलाइज	02	-	0	-	0	-
ब्रिटिश वेस्टइंडीज	0	-	0	01	0	01
वर्जिन आइलैंड	0	-	0	-	0	03
ब्रिटिश आइजल्स	0	04	0	-	0	01
चिली	0	-	0	-	0	03
ग्वाटेमाला	0	-	0	-	0	01
ग्रेनेडा	0	-	0	-	0	01
उत्तर व दक्षिण अमेरिका के अन्य देश	02	-	06	01	0	13
कुलः	252	265	847	1722	8279	9188

परिशिष्ट "ख" जारी

यूरोप

	2009-10	2008-09	2009-10	2008-09	2009-10	2008-09
1	2	3	4	5	6	7
जर्मनी	40	25	489	524	2582	2774
फ्रांस	54	26	142	249	1198	1396
स्वीटजरलैंड	104	73	188	190	1287	1422
स्वीडन	05	03	30	21	710	1057
रसिया	02	-	01	02	42	61
नीदरलैंड्स	07	02	28	18	1281	1524
इटली	09	07	86	155	465	494
हंगरी	0	-	01	-	30	45
आस्ट्रीया	01	-	21	20	140	169
बेल्जियम	01	01	02	15	304	340
डेनमार्क	03	05	31	15	298	397
लग्जमबर्ग	0	-	06	02	28	44
युगोस्लाविया	0	-	0	-	0	-
नार्वे	0	-	04	08	95	117
स्पेन	0	03	11	11	150	157
फिनलैंड	26	08	23	06	453	426
लिचेन्सटिन	0	-	01	-	13	09
आइसलैंड	38	03	02	01	14	09
पूर्तगाल	01	01	0	-	14	13
साइप्रस	0	-	01	-	13	20
चैनल आइलैंड	0	-	0	-	0	-
टर्की	0	-	01	01	0	06
चेक गणराज्य	0	-	0	01	16	18
पोलैंड	0	-	0	01	11	08
इस्टोनिया	0	-	0	-	04	05
लात्विया	0	-	0	-	02	05
रोमानिया	0	-	0	-	01	01
स्लोवेनिया	0	-	01	-	02	17
स्लोवाकिया	0	-	0	-	04	02
मोनाको	0	-	0	01	05	02
युक्रेन	0	-	0	-	04	-
बुल्गारिया	0	-	0	-	0	02
ग्रीस	0	-	0	-	0	13
केमेन आइलैंड	0	-	0	-	0	02
युरोप के अन्य देश	16		01	-	15	32
कुल	**307**	**157**	**1070**	**1241**	**9181**	**10587**

अफ्रीका

	2009-10	2008-09	2009-10	2008-09	2009-10	2008-09
1	2	3	4	5	6	7
दक्षिण अफ्रीका	02	02	04	02	64	74
स्वाजीलैंड	01	20	02	68	03	04
मौरिसस	01	02	01	01	0	05
तंजाम	0	-	0	-	0	-
माल्टा	0	-	0	-	12	02
ट्युनिशिया	0	-	0	-	0	01
इजिप्ट	0	-	0	-	0	01
अफ्रिका के अन्य देश	01	-	01	-	06	01
कुल	**05**	**24**	**08**	**71**	**85**	**88**

एशिया

	2009-10	2008-09	2009-10	2008-09	2009-10	2008-09
1	2	3	4	5	6	7
जापान	27	30	627	673	2386	2259
चीन गणराज्य	10	13	79	60	468	308
कोरिया	58	42	94	112	636	581
इजराईल	01	01	09	09	292	366
ताइवान	101	87	120	114	20	18
हाँग-काँग	06	02	03	17	11	06
युनाइटेड अरब अमीरात	02	01	0	01	02	05
थाइलैंड	03	06	0	06	05	01
मलेशिया	0	-	06	03	23	23
सिंगापुर	07	04	02	04	63	83
फिलिपिन्स	0	-	0	01	03	01
सउदी अरबिया	03	-	02	-	15	11
कजाखस्तान	0	-	0	-	0	02
इंडोनेशिया	0	-	0	-	0	-
क्रोएशिया	0	-	0	-	03	07
उजबेकिस्तान	0	-	0	-	0	-
माली	0	-	0	-	0	-
कुवैत	01	-	0	-	0	-
नेपाल	0	-	0	-	0	-
सर्बिया	0	-	0	-	0	01
वियतनाम	0	-	0	-	0	-
बेलारूस	0	02	0	-	0	01
पाकिस्तान	0	-	0	01	0	-
अजरबैजान	0	-	0	-	0	01
एशिया के अन्य देश	07	02	03	-	10	09
कुल	**226**	**190**	**945**	**1001**	**3937**	**3683**
कुल योग	**7870**	**6842**	**2986**	**4264**	**23431**	**25706**

परिशिष्ठ "ग"

पिछले 10 वर्षों में प्रवासी और भारत में रहने वाले आवेदकों द्वारा विभिन्न माध्यमों से दाखिल आवेदन

आवेदक	2000-2001	2001-2002	2002-2003	2003-2004	2004-2005	2005-2006	2006-2007	2007-2008	2008-2009	2009-2010
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
भारत में रहने वाले	2179	2371	2693	3218	3630	4521	5314	6040	6161	**7044**
प्रवासी										
साधारण	2160	1870	1723	1678	3165	1008	693	834	681	**826**
कन्वेंशन	-	-	-	-	-	3509	3969	4453	4264	**2986**
पीसीटी के तहत राष्ट्रीय फेज आवेदन	4164	6351	7049	7717	10671	15467	19768	23891	25706	**23431**
कुल योग	**8503**	**10592**	**11466**	**12613**	**17466**	**24505**	**28940**	**35218**	**36812**	**34287**

परिशिष्ट "घ"

वर्ष 1999-2000 से 2009-10 के दौरान पेटेंट संबंधी विविध सूचनाएँ

वर्ष	दाखिल आवेदनों की संख्या	परीक्षण के लिए अनुरोधों की संख्या	पूर्ण विनिर्देश दाखिल नहीं करने के कारण धारा 9 (1) तहत परित्यक्त मान लिए गए आवेदनों की संख्या	पूर्ण विनिर्देश के अस्वीकृत के कारण धारा 21 (1) के तहत परित्यक्त समझे गये आवेदनों की कुल संख्या	अनुदत्त पेटेंटों की संख्या		प्रवृत्त पेटेंट की संख्या	
					भारतीय	विदेशी	भारतीय	विदेशी
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1999-2000	4824		262	1954	557	1324	2200	6458
2000-2001	8503		89	460	399	919	1495	6530
2001-2002	10592		325	1031	654	937	1578	6742
2002-2003	11466		290	1633	494	885	1479	6519
2003-2004	12613	12362	933	1695	945	1524	2075	4331
2004-2005	17466	19001	267	775	764	1147	2200	4657
2005-2006	24505	21926	414	894	1396	2924	4486	11933
2006-2007	28940	20645	694	1121	1907	5632	3473	13593
2007-2008	35218	22146	1066	479	3173	12088	7966	21722
2008-2009	36812	30595	888	1075	2541	13520	6158	24664
2009-2010	**34287**	**28653**	**2720**	**5171**	**1725**	**4443**	**6781**	**30553**

परिशिष्ट "ङ"

आविष्कार के विविध क्षेत्रों के अंतर्गत सत्र 2005-2006 से 2009-2010 तक विगत पाँच वर्षों के दौरान दाखिल पेटेंट आवेदनों की संख्या

वर्ष	रसायन	भेषज	खाद्य	वैद्युतिक	यांत्रिकी	कम्प्युटर/ इलेक्ट्रोनिक्स	जैव-तकनीकी	सामान्य	अन्य क्षेत्र (परिशिष्ट ङ-I देखें)	कुल
2005-2006	5810	2211	101	1274	4734	5700	1525		3150	24505
2006-2007	6354	3239	1223	2371	5536	5822	2774		1621	28940
2007-2008	6375	4267	233	2210	6424	4842	1950		7110	35218
2008-2009	5884	3672	340	2319	6360	7063	1844	2946	6384	36812
2009-2010	**6014**	**3070**	**276**	**2376**	**6775**	**7646**	**1303**	**885**	**5942**	**34287**

परिशिष्ट "ङ 1"

आविष्कार के अन्य विविध तथा नए क्षेत्रों के अंतर्गत सत्र 2009-10 के दौरान दाखिल पेटेंट आवेदनों की संख्या

आविष्कार के क्षेत्र	बायो-मेडिकल	बायो-केमेस्ट्री	बायो-इंफॉर्मेटिक्स	भौतिकी	सिविल	वस्त्र	धातुकर्म/ सामग्री विज्ञान	कृषि	पोलिमर विज्ञान	पशु चिकित्सा	अन्य दूसरे क्षेत्र
	भा / वि	भा / वि	भा / वि	भा / वि	भा / वि	भा / वि	भा / वि	भा / वि	भा / वि	भा / वि	भा / वि
2009-2010	70/640	27/190	0/235	122/1242	50/390	32/324	34/319	40/106	49/848	रिक्त/रिक्त	301/923

* भा = भारतीय, वि = विदेशी
कुल परिशिष्ट - ङ 1 :- 5942

परिशिष्ट "च"

आविष्कार के विविध क्षेत्रों में वर्ष 2005-06 से 2009-2010 के पाँच वर्षों के दौरान अनुदानित पेटेंट की संख्या

वर्ष	रसायन	भेषज	खाद्य	वैद्युतिक	यांत्रिकी	कम्प्युटर /इलेक्ट्रोनिक्स	जैव-तकनीकी	सामान्य	अन्य क्षेत्र (परिशिष्ट-च-1 देखें)	कुल
2005-2006	1140	457	140	451	1448	136	51		497	**4320**
2006-2007	1989	798	244	787	2526	237	89		869	**7539**
2007-2008	2662	905	154	1067	3503	1357	341		2474	**15316**
2008-2009	2376	1207	97	1140	3242	1913	1157	1318	3611	**16061**
2009-2010	**1420**	**530**	**72**	**404**	**1024**	**1195**	**449**	**273**	**801**	**6168**

परिशिष्ट "च"-1

आविष्कार के विविध क्षेत्रों के अंतर्गत सत्र 2009-2010 के दौरान दाखिल पेटेंट आवेदनों की संख्या

आविष्कार के क्षेत्र	बायो-मेडिकल	जैव-रसायन	जैव-सूचना	भौतिकी	सिविल	वस्त्र	धातुकर्म/मेडिकल सर्विस	कृषि	पोलिमर साइंस	पशु चिकित्सा	अन्य दूसरे क्षेत्र
	भा. / वि.	भा. / वि.	भा. / वि.	भा. / वि.	भा. / वि.	भा. / वि.	भा. / वि.	भा. / वि.	भा. / वि.	भा. / वि.	भा. / वि.
2009-2010	1/68	17/177	रिक्त/रिक्त	18/182	6/42	14/51	52/50	4/2	11/89	रिक्त/रिक्त	1/16

* भा. = भारतीय, वि. = विदेशी

कुल परिशिष्ट - च 1:-801

परिशिष्ट "छ"

अधिनियम व नियम के तहत विभिन्न कार्यवाहियों के संदर्भ में वर्ष 2009-10 के दौरान प्राप्त शुल्क

एकत्रित शुल्क के संदर्भ	प्राप्त कुल राशि (रू.)
1.	2.
(1) धारा 5 (2), 7, 54 व 135 के तहत पेटेंट आवेदन तथा नियम 20 (1) के तहत पीसीटी राष्ट्रीय फेज आवेदन	627469700
(2) धारा 11 (ख) के तहत पेटेंट आवेदनों के परीक्षण हेतु अनुरोध नियम 24 (ख) (1)(i) नियम 20(4)(ii)	274468500
(3) विभिन्न कार्यवाहियों के तहत समय विस्तार हेतु अनुरोध नियम 138 के अतिरिक्त	4943400
(4) धारा 20(1) के तहत दावा तथा धारा 20(4) या 20(5) के तहत निदेश हेतु अनुरोध	3263500
(5) धारा 25 के तहत पेटेंट अनुदान के विरोध की सूचना	226500
(6) समय विस्तार के लिए आवेदन	248500
(7) नियम 62 (2) के तहत नियंत्रक के समक्ष सुनवाई में उपस्थित होने की सूचना देना	179500
(8) धारा 28(2), 28(3), 28(7) के तहत आवेदन	482500
(9) विनिर्देश से संदर्भ का विलुप्तीकरण	13500
(10) धारा11 क(2) तथा नियम 23(ख) के तहत प्रकाशन हेतु अनुरोध	4895000
(11) धारा 44 के तहत पेटेंट के संशोधन हेतु आवेदन	18000
(12) धारा 53 के तहत पेटेंट अनुदान के संदर्भ में नवीकरण शुल्क	424082100
(13) धारा 57 के तहत पेटेंट हेतु आवेदन/संपूर्ण विनिर्देश तथा अन्य दस्तावेज के संशोधन हेतु आवेदन	12354900
(14) धारा 60 के तहत जहाँ आवश्यक हो अतिरिक्त शुल्क सहित किसी पेटेंट के प्रत्यावर्तन के लिए आवेदन पर	3204000
(15) धारा 69(1) या 69(2) व नियम 74(1), 74(2), या 74(3) एवं नियम 90 (1), 90 (2) के तहत पेटेंट के लिए हकदार या हिस्सेदार या बंधककर्त्ता या समनुदेशिती या अन्यथा के रूप में किसी व्यक्ति के नाम को पेटेंट पंजी में इंदराज करने के लिए अथवा किसी प्रलेख की अधिसूचना को पेटेंट पंजी में दर्ज करने के लिए आवेदन पर	6940000
(16) नियम 94 (1) या नियम 118 के तहत पेटेंट रजिस्टर में या पेटेंट एजेन्ट के रजिस्टर में बदलाव के लिए आवेदन	1929600
(17) धारा 94 (3) के तहत पेटेंट पंजी में अतिरिक्त सेवार्थ पते की प्रविष्टि हेतु अनुरोध पर	रिक्त

(18) अतिरिक्त पेटेंट का स्वतंत्र पेटेंट के रूप में परिवर्तन	रिक्त
(19) नियम 109 (1) या 112 के तहत पेटेंट अभिकर्ता के रूप में पंजीकरण हेतु आवेदन पर	324000
(20) पंजी में अभिकर्ता के नाम का पंजीकरण- फॉर्म-23	रिक्त
(21) नियम 109 (3) के तहत अर्हता परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए अनुरोध पर	1294000
(22) नियम 109 व 112 के तहत पेटेंट एजेंट के रूप में किसी व्यक्ति के पंजीकरण हेतु	रिक्त
(23) पेटेंट एजेंट के लिए प्रमाण-पत्र की अनुलिपि	6000
(24) पेटेंट एजेन्ट के नाम को पेटेंट रजिस्टर में जारी रखने के लिए निरंतरता शुल्क	986000
(25) धारा 78(2) के तहत लिपिकीय त्रुटियों के परिमार्जन हेतु अनुरोध पर	177000
(26) धारा 77(1) (च) या 77(1) (छ) के तहत नियंत्रक के निर्णय/आदेश की संवीक्षा या अपास्त करने हेतु आवेदन पर	155000
(27) धारा 39 तथा नियम 71 (1) के तहत भारत के बाहर पेटेंट आवेदन करने की आज्ञा हेतु अनुरोध	3979000
(28) अनुलिपि पेटेंट के लिए आवेदन	174000
(29) धारा 72 के तहत अभिप्रमाणित प्रतियों के लिए अनुरोध पर या धारा 147 नियम 133 के तहत प्रमाण-पत्र हेतु	8656500
(30) धारा 72 के तहत पंजी का निरीक्षण, नियम 27 या नियम 38 या नियम 74 (क) के तहत निरीक्षण हेतु अनुरोध	3466000
(31) धारा 153 के तहत सूचना हेतू अनुरोध पर	1518600
(32) नियम 137, 138 के तहत अभ्यावेदन	25666000
(33) अंतर्राष्ट्रीय आवेदन हेतु सम्पारेषण शुल्क	4702000
(34) आवेदन का प्रत्याहरण	779000
(35) अग्रता प्रलेख की अभिप्रमाणित प्रति तैयार करने के लिए एवं उसे अन्तर्राष्ट्रीय ब्यूरो सम्पारेषण हेतु	2342000
(36) सूचना अधिकार अधिनियम	8685
(37) धारा 57 (4) तथा 87 (2) के तहत किसी आवेदन के विरोध की सूचना धारा 63 (3) के तहत पेटेंट का त्याग करने के लिए धारा 78(5) के तहत अनुरोध पर	571000
(38) प्रलेख की छाया प्रतियों की आपूर्ति हेतु	1073968
(39) डाक प्रभार पर प्राप्ति	1227
(40) मुद्रित विनिर्देश की आपूर्ति	785

(41) वार्षिक प्रतिवेदन की आपूर्ति	300
(42) भारत के राजपत्र की आपूर्ति	74000
(43) शासकीय जर्नल की आपूर्ति	1600
(44) अन्यान्य प्राप्तियाँ	5497676
कुल	**142,61,73,541**

अध्याय - V

डिजाइन

1. परिचय:

डिजाइन अधिनियम, 2000 का प्रशासन कार्यालय महानियंत्रक, एकस्व, अभिकल्प व व्यापार चिह्न तथा भौगोलिक संकेत के अधीन पेटेंट कार्यालय, कोलकाता के डिजाइन स्कंध द्वारा निष्पादित होता है।

डिजाइन अधिनियम, 2000 अपने पूर्ववर्ती 1911 के अधिनियम को निरस्त कर दिनांक 11 मई 2001 से प्रभावी हुआ। यह अधिनियम और तत्संबंधी डिजाइन नियम, 2001 डिजाइन (संशोधन) नियम, 2008 द्वारा यथा संशोधित जिसे 17 जून, 2008 से लागू किया गया था, बौद्धिक सम्पदा अधिकार के एक अवयव के रूप में औद्योगिक अभिकल्प के पंजीकरण एवं संरक्षण का अवसर प्रदान करता है। इसमें विद्यमान अधिनियम के अन्तर्गत धारा 19 के तहत निरस्तीकरण, धारा 12 के तहत प्रत्यावर्तन, धारा 31 के तहत परिशुद्धि सहित विद्यमान पंजीकृत अभिकल्पों तथा अन्यान्य उत्तर पंजीकरण कार्य के दौरान प्रतिलिप्यधिकार का विस्तार शामिल है। इसमें पृष्ठ के ढंग तथा साज-सज्जा तथा पंक्तियों एवं रंग के संयोजन के साथ-साथ नये आकार व संरचनाओं के वैशिष्ट्य का सृजन तथा दृष्टिगत अनुरोध के संवर्द्धन हेतु वस्तुओं में प्रयुक्त अलंकरण की परख होती है।

डिजाइन (संशोधन) नियम, 2008 के अनुरूप किसी वस्तु के लिए प्रयुक्त डिजाइन पंजीकरण के आवेदनों को उनके अन्तर्राष्ट्रीय वर्गीकरण प्रणाली (लोकार्नो वर्गीकरण, तृतीय अनुसूची) के अनुसार वर्गीकृत किया जाता है जिससे बेहतर खोज की जा सके।

एन.आई.सी के मार्गदर्शन में पेटेंट कार्यालय के डिजाइन स्कंध के संपूर्ण कम्प्यूटरीकरण की दिशा में कई प्रयास किए जा रहे हैं। डिजाइन आवेदन के डिजिटाइजेशन एवं कम्प्यूटर जनित रजिस्टर के सृजन का कार्य स्थापित हो चुका है। डिजाइन आवेदनों का परीक्षण डिजाइन मॉड्यूल के माध्यम से इलेक्ट्रोनिक रूप में **01/04/2009** से ही प्रारंभ किया जा चुका था।

फ्रंट ऑफिस साफ्टवेयर स्थापित किया गया है जिसकी सहायता से कोलकाता, दिल्ली, चेन्नई एवं मुम्बई स्थित पेटेंट कार्यालयों में से किसी में भी आवेदन दाखिल करने के साथ ही साथ एक स्वजनित आवेदन संख्या प्रदान कर दी जाती है। इससे आवेदकों को आवेदन दाखिल करने पर तत्क्षण आवेदन संख्या प्राप्त करने में सहायता मिलती है।

डिजाइन संबंधी बौद्धिक सम्पदा अधिकारों के प्रति जागरूकता सृजित करने के उद्देश्य से एक जनसूचना कार्यक्रम प्रारंभ की गई है जिसके तहत कई अधिकारियों को विभिन्न संस्थाओं द्वारा आयोजित अनेक कार्यशालाओं/सिम्पोजिया में भेजा गया। अधिक विस्तृत सूचना उपलब्ध कराने हेतु सूचना पुस्तिका संशोधित की गई है।

2. दाखिल एवं पंजीकृत डिजाइन आवेदन

वर्ष के दौरान डिजाइन पंजीकरण हेतु दाखिल आवेदनों की संख्या 6092 थी। भारतीय आवेदकों द्वारा 4267 आवेदन दाखिल किए गए जबकि शेष 1825 आवेदन विदेशों से उद्गमित हुए।

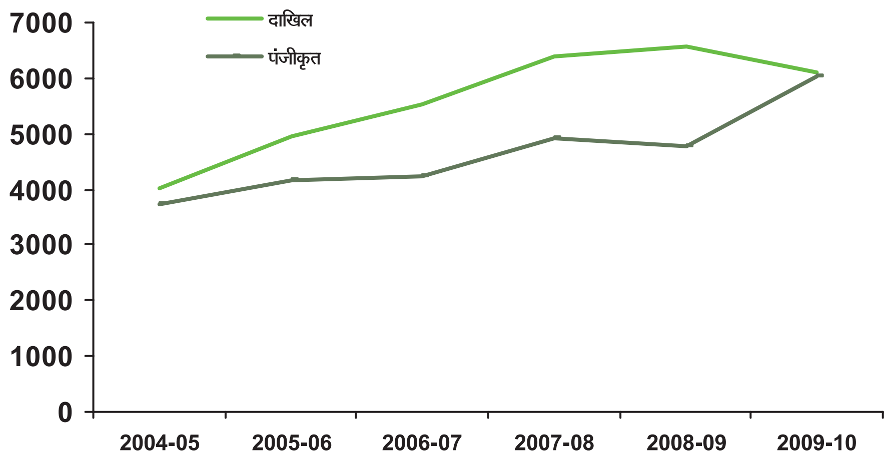

दाखिल आवेदन एवं पंजीकृत डिजाइन

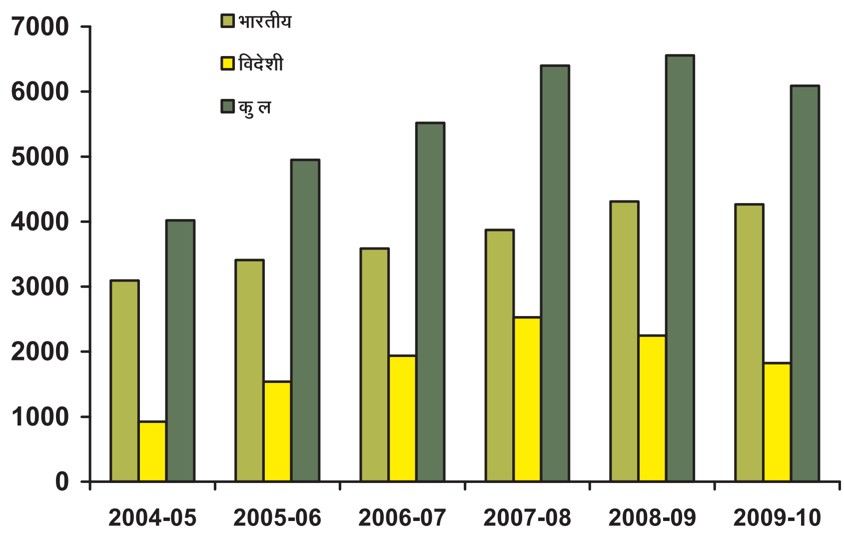

भारतीय व विदेशी आवेदकों द्वारा दाखिल डिजाइन आवेदन

विदेशों से उद्‌गमित आवेदनों के संदर्भ में संयुक्त राज्य अमेरिका का स्थान सर्वोपरि रहा जिसके वाद क्रमश: जर्मनी, जापान, यू.के., स्वीटजरलैंड, इटली, नीदरलैंड, फिनलैंड इत्यादि का स्थान आता है। इन संख्याओं का देशवार विवरण कोष्ठक में प्रदर्शित किया गया है। संयुक्त राज्य अमेरिका (517), जर्मनी (290), जापान (253), यू.के.(119), स्वीटजरलैंड (103), इटली (95), नीदरलैंड (82), फ्रांस (63), फिनलैंड (74), स्वीडन (74), आस्ट्रेलिया (12), चीन गणतंत्र (31), कनाडा (35), डेनमार्क (41), स्पेन (9), न्यूजीलैंड (3), इजराइल (5), ताइवान (13), मलेशिया (35), बेल्जियम (11), कोरिया गणतंत्र (15), सिंगापुर (7), दक्षिण अफ्रिका (3), मौरीशस (1), थाइलैंड (3), हांगकांग (10), चेक गणराज्य (3), लिसेस्टीन (08), ब्राजील (13), बहामास (6), लग्जमवर्ग (1),। भारत एवं अन्य कन्वेंशन देशों के बीच पारस्परिक व्यवस्था के तहत 1823 आवेदनों ने प्रायिकता दावे दाखिल किए। विदेशी कम्पनियों में माइक्रोसॉफ्ट कार्पोरेशन, कोनिंकलिके फिलिप्स इलेक्ट्रॉनिक्स एन.भी., नोकिया कॉर्पोरेशन, कोलगेट पामोलीव कंपनी, होण्डा मोटर कम्पनी लिमिटेड, लेगो ए/एस, डी बीयर्स सेंटेनरी एजी, हिन्दुस्तान यूनीलीवर लिमिटेड, द प्रॉक्टर एन्ड गैम्बल कंपनी, आदि अग्रणी

रहीं। इसी प्रकार भारतीय कम्पनियों में क्रॉम्पटन ग्रीब्स लि., एमए डिजाइन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, जनुगा ज्वेलरी प्र.लि., टी ए एल, फिलिप्स इलेक्ट्रोनिक इंडिया लि., एंकर इलेक्ट्रीकल्स प्र.लि.,टाटा मोटर्स लि.,बजाज ऑटो लि., इशर गुडअर्थ प्र.लि., गोदरेज एन्ड बोयेस मैनेफ् कं.लि., गोल्ड मेडल इलेक्ट्रीकल्स प्र.लि., लार्सन टर्बो लि. आदि अग्रणी रहे।

3.अभिकल्प आवेदन-पत्रों की जाँच

पिछले वर्ष लंबित 867 मामलों के साथ इस वर्ष दाखिल सभी आवेदनों (6092) का वर्ष के दौरान परीक्षण किया गया। कुल 6959 आवेदनों में से 6266 आवेदनों का परीक्षण किया गया जबकि 20 आवेदनों को परित्यक्तता एवं अस्वीकृति के आधार पर डिजाइन अधिनियम तथा इसके नियमों के तहत पंजीकृत नहीं किया गया। वर्ष के दौरान पंजीकृत अभिकल्पों की संख्या 6025 थी जिनमें वर्ष 2008-2009 में दाखिल आवेदन शामिल हैं। पंजीकृत अभिकल्पों में से 3552 आवेदन भारत से उद्गमित थे और शेष 2473 विदेशों से प्राप्त हुए। वर्ष के दौरान कुल 1825 प्रायकिता आवेदन दाखिल किए गए। वर्ष के अंत में कुल 822 आवेदन परीक्षण हेतु लंबित रहे ।

4. विविध कार्यवाहियाँ

क. प्रतिलिप्यधिकार विस्तार [धारा 11(2) के तहत]: वर्ष के दौरान 2009-10; पंजीकृत अभिकल्पों में प्रतिलिप्यधिकार विस्तार के लिए 549 आवेदन प्राप्त किए गए। संवीक्षा वर्ष के अंत तक 72 प्रकरण लंबित रहे। वर्ष के दौरान अभिकल्प के प्रत्यावर्तन के लिए 36 आवेदन प्राप्त किए गए जिसमें से 11 आवेदन वर्ष के अंत तक लंबित रहे।

ख. पंजीकृत अभिकल्पों का निरस्तीकरण [धारा 19 के तहत]: वर्ष के दौरान पंजीकृत अभिकल्पों के निरस्तीकरण के लिए 69 आवेदन किए गए, 18 सुनवाइयाँ की गयी, वर्ष के दौरान 7 आवेदनों का निपटारा कर दिया गया। शेष आवेदन डिजाइन अधिनियम, 2000 की धारा 19 एवं डिजाइन नियम, 2001 के नियम 29 के तहत प्रक्रियागत है ।

ग. जनता द्वारा निरीक्षण [धारा 38 के तहत]: संविक्षा वर्ष के दौरान 14 बार अभिकल्प पंजी का निरीक्षण किया गया।

घ. नाम व पते एवं सेवार्थ पते में परिवर्तन [धारा 29, नियम 31 के तहत]: वर्ष के दौरान अभिकल्प के संदर्भ में नाम व पते एवं सेवार्थ पते में परिवर्तन हेतु 657 अनुरोध प्राप्त हुए। वर्ष के दौरान नाम व पते एवं सेवार्थ पते में परिवर्तन एवं लिपिकीय त्रुटियों के परिमार्जन हेतु 43 अनुरोध लंबित रहे। उसी तरह वर्ष के दौरान 39 अनुरोध लिपिकीय त्रुटियों के परिमार्जन हेतु, का निस्तारण कर दिया गया।

ङ नियम 41 तथा धारा 17 (2) के तहत सत्यापित प्रतियां: वर्ष के दौरान 556 (फॉर्म 15-110, फॉर्म 16-446) अनुरोध दाखिल किए गए तथा 51 अनुरोध वर्ष के अंत तक लंबित रहे।

च. समनुदेशन [धारा 30 व 30(3) के तहत]: वर्ष के दौरान अधिनियम की धारा 30 एवं 30(3) के तहत समनुदेशन हेतु 29 अनुरोध प्राप्त हुए। 10 मामलों का निपटारा किया गया। शेष 19 अनुरोध प्रक्रियागत हैं।

छ. डिजाइन रजिस्टर के परिशोधन [धारा 31 के तहत]: वर्ष के दौरान धारा 31 के तहत डिजाइन रजिस्टर के परिशोधन हेतु 64 अनुरोध प्राप्त हुए जिसमें से 14 अनुरोधों का निपटान कर दिया गया। नियम 40 के तहत आवेदन की सूचना हेतु कोई अनुरोध प्राप्त नहीं हुआ।

ज. प्रवृत्त अभिकल्प : वर्ष के अंत में प्रवृत्त पंजीकृत अभिकल्पों की संख्या **39008** रही।

5. राजस्व

आलोच्य वर्ष के दौरान डिजाइन अधिनियम, 2000 व डिजाइन नियम, 2001 यथा संशोधित डिजाइन (संशोधन) नियम 2008 के तहत पेटेंट कार्यालय (कोलकाता, दिल्ली, मुम्बई व चेन्नई) ने अभिकल्प आवेदन एवं अन्य कार्यवाहियों के शुल्क के रूप में रू. **91,45,030** की आय अर्जित की। जिसमें से पेटेंट कार्यालय, कोलकाता ने रू. **58,85,030** (रू. अंठावन लाख पचासी हजार तीस मात्र) का राजस्व अर्जित किया। इनके विवरण परिशिष्ट - "क" में प्रदत्त हैं।

विगत 5 वर्षों में दाखिल एवं पंजीकृत आवेदन की प्रवृति परिशिष्ट -"ख" में तथा उद्गम के अनुसार परिशिष्ट- "ग" में दिखाए गए हैं।

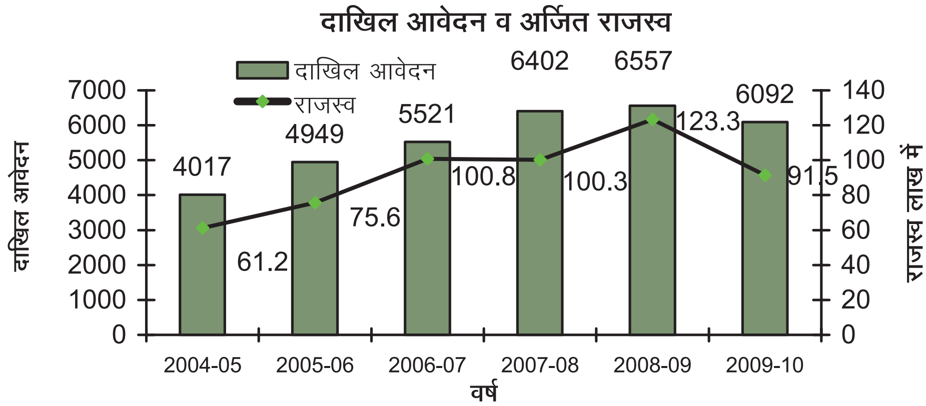

जागरूकता कार्यक्रम: महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प व व्यापार चिह्न तथा राष्ट्रीय अभिकल्प संस्थान ने औद्योगिक अभिकल्प के क्षेत्र में अहमदाबाद में (16/07/2010), पूणे (23/01/2010), बेंगलूरू (13/02/2010), कोलकाता (13/03/2010) तथा दिल्ली में (20/07/2010) जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए।

परिशिष्ट- क

वर्ष 2009-2010 के दौरान अभिकल्प मद में उत्पादित राजस्व

प्रलेखों का विवरण	संख्या	शुल्क (रू.)	राशि (रू.)
डिजाइन अधिनियम, 2000 की धारा 5 एवं 44 के तहत अभिकल्प के पंजीकरण हेतु आवेदन (दिल्ली, मुम्बई तथा चेन्नई पेटेंट कार्यालयों में प्राप्त आवेदनों सहित) 2892 अभिकल्प आवेदन कोलकाता पेटेंट कार्यालय में दाखिल किए गए।)	6092	1000	66,92,000
धारा 11(2) के तहत प्रतिलिप्यधिकार के विस्तार हेतु आवेदन	549	2000	10,98,000
धारा 12(2) के तहत परित्यक्त अभिकल्प का प्रत्यावर्तन	36	1000	36,000
धारा 19 के तहत अभिकल्प का निरस्तीकरण	69	1500	10,35,00
नियम 38 के तहत अभिकल्प की पंजी का निरीक्षण	22	250	5,500
अभिकल्प अधिनियम, 2000 व अभिकल्प नियम, 2001 यथा संशोधित डिजाइन (संशोधन) नियम, 2008 के तहत दिल्ली, मुम्बई तथा चेन्नई पेटेंट कार्यालयों में प्राप्त आवेदनों सहित प्राप्त अन्यान्य दूसरे शुल्क। वृहत शुल्क पेटेंट कार्यालय कोलकाता में जमा किए गए।			1810030
कुल योग:			**9145030**

परिशिष्ट- ख

दाखिल एवं पंजीकृत आवेदनों की प्रवृत्ति

वर्ष	दाखिल	पंजीकृत
2004-05	4017	3728
2005-06	4949	4175
2006-07	5521	4250
2007-08	6402	4928
2008-09	6557	4772
2009-2010	**6092**	**6025**

परिशिष्ट- ग

उद्गम के अनुसार दाखिल एवं पंजीकृत आवेदनों की प्रवृत्ति

वर्ष	दाखिल		पंजीकृत	
	भारतीय	विदेशी	भारतीय	विदेशी
2004-05	3093	924	3166	562
2005-06	3407	1542	3439	736
2006-07	3584	1937	2877	1373
2007-08	3873	2529	3026	1902
2008-09	4308	2249	2985	1787
2009-10	**4267**	**1825**	**3552**	**2473**

अध्याय - VI

व्यापार चिह्न

1.परिचय

यह अध्याय वर्ष 2009-2010 के लिए व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999 तथा उससे अधीन बने नियमों के तहत व्यापार चिह्न रजिस्ट्री द्वारा चलाई गई गतिविधियों के बारे में जानकारी 51 वें वार्षिक रिपोर्ट में प्रस्तुत करता है।

व्यापार चिह्न अधिनियम का उद्देश्य व्यापार चिह्न को बेहतर सुरक्षा प्रदान करना है और नकली व्यापार चिह्नों के उपयोग को रोकना है। व्यापार चिह्न का पंजीकरण पंजीकृत स्वत्वधारी को कतिपय सांविधिक अधिकार प्रदान करता है, जो उसे व्यापार चिह्न के अतिलंघन की स्थिति में वाद चलाने हेतु सक्षम बनाता है, चाहे ये व्यापार चिह्न प्रयोग में हो या नहीं। यह उन कॉमन लॉ अधिकारी के अतिरिक्त अधिकार है जहां पासिंग ऑफ के अंतर्गत मुकदमा चलाया जा सकता है। व्यापार चिह्न रजिस्ट्री व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999 तथा उसके अधीन बने नियमों को प्रशासित करता है। यह अधिनियम तथा संबंधित नियम दिनांक 15 सितंबर, 2003 से प्रभाव में है। इसका मुख्यालय मुंबई में है तथा इसकी शाखाएं दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई और अहमदाबाद में स्थित है। सामान्यतया बौद्धिक सम्पदा अधिकार तथा विशेषकर व्यापार चिह्न के संबंध में बढ़ती जागरुकता से व्यापार चिह्न रजिस्ट्री की भूमिका तथा उत्तरदायित्व में काफी बढ़ोतरी हुई हैं। व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999 के अधीन सेवाओं के व्यापार चिह्न सुविख्यात चिह्न, सामूहिक चिह्न तथा बहु वर्ग (मल्टी क्लास) आवेदनों इत्यादि को शामिल किए जाने से इस भूमिका में और बढ़ोतरी होने वाली है। रजिस्ट्री भुकतान गेटवे के माध्यम से वेब आधारित सेवाएं देने की प्रक्रिया में है जिसमें ई-फाईलिंग की सुविधा भी शामिल है। इसके अतिरिक्त व्यापार चिह्न रजिस्ट्री पर व्यापार चिह्न से संबंधित वायपो की स्थायी समिति के विमर्श को विश्व स्तर पर अनुपालन करने की जिम्मेदारी भी हैं। साथ ही डोमेन नेम तथा इंटरनेशनल नॉन प्रोप्रायटरी नेम जैसे उभरते नए मुद्दों के लिए इनपुट प्रदान करना है। व्यापार चिह्न रजिस्ट्री समय-समय पर बौद्धिक सम्पदा अधिकारों के क्षेत्र में जागरुकता संबंधी गतिविधियों में भी भाग लेती है।

2. वर्ष 2009-2010 के दौरान गतिविधियों का रुझान

सन् 2009-2010 के दौरान व्यापार चिह्न रजिस्ट्री द्वारा की गई गतिवधियों संबंधी जानकारी निम्नलिखित टेबल में दी गई है। आवेदन दाखिल करने की प्रवृत्ति यह इंगित करती है कि पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष भी दाखिल आवेदनों की संख्या अधिक रही। पिछले वर्ष की तुलना में आवेदनों की संख्या में 11,771 की बढ़ोतरी हुई। फाइल किए गए, परीक्षित एवं पंजीकृत आवेदन संबंधी जानकारी परिशिष्ट-I में दी गई है।

क्रम संख्या	गतिविधियाँ	2008-09	2009-10
1.	पंजीकरण के लिए फाइल किये गये आवेदन	1,30,172	1,41,943
2.	व्यापार चिह्न पत्रिका में विज्ञापित आवेदनों की संख्या	1,20,234	85,724
3.	पंजीकृत चिह्नों की संख्या	1,02,257	67,490
4.	पंजीकरण का नवीकरण किए जानेवाले चिह्नों की संख्या	29,749	30,482
5.	खोज के लिए अनुरोध	1,70,490	30,825

5.	खोज के लिए अनुरोध	1,70,490	30,825
6.	सुभिन्नता के बारे में प्रारंभिक सलाह के लिए अनुरोध	40	95
7.	प्रतिलिप्यधिकार अधिनियम, 1983 की धारा 45(1) के तहत जारी प्रमाण पत्र	3,187	4,213

3. व्यापार चिह्न आवेदन दाखिल करने की प्रवृत्ति :

भारत में व्यापार चिह्न के पंजीकरण के लिए दाखिल किए जा रहे आवेदनों की प्रवृत्ति में निरंतर वृद्धि देखी गई है। वर्ष 2009-10 में भारतीयों द्वारा फाइल किए गए आवेदनों की संख्या 1,34,403 थी तथा विदेशी आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदनों की संख्या 7540 थी।

2005-06 से 2009-10 के दौरान आवेदनों का प्रवृत्ति

वर्ष	**भारतीय आवेदक**	**विदेशी आवेदक**	**कुल**
2005-06	73,308	12,361	85,669
2006-07	88,210	15,209	1,03,419
2007-08	1,17,014	6,500	1,23,514
2008-09	1,19,371	10,801	1,30,172
2009-10	**1,34,403**	**7,540**	**1,41,943**

4. विभिन्न प्रकार के व्यापार चिह्न आवेदनों की प्रवृत्ति:

वर्ष 2009-10 के दौरान विभिन्न प्रकार के व्यापार चिह्न आवेदनों की प्रवृत्ति निम्न प्रदत्त सारणी में दर्शायी गई है। ऐसा देखा गया है कि कुल मिलाकर 73,039 अभिलक्षणा चिह्न वाले आवेदन फाइल किए गए जो कुल फाईलिंग का 51.45% है और इसी प्रकार शब्द चिह्न वाले कुल 68,835 आवेदन फाइल किए गए जो कुल फाईलिंग का 48.49% है।

फाइल किये गये विभिन्न प्रकार के व्यापार चिह्न आवेदनों की प्रवृत्ति

चिह्नों के प्रकार	**2008-09**	**2009-10**
शब्द चिह्न	51,082	68,835
अभिलक्षण चिह्न	79,059	73,039
अंक चिह्न	---	26
वर्ण चिह्न	31	1
वर्ण एवं अंक	----	42
कुल	1,30,172	1,41,943

5. वर्गानुसार फाइल किए गए आवेदनों की प्रवृत्ति :

वर्ष 2009-10 में वर्गानुसार फाइल किए गए आवेदनों की प्रवृत्ति निम्न प्रदत्त सारणी में दर्शायी गई है। पिछले वर्षों की भांति, व्यापार चिह्न के पंजीकरण के लिए सबसे ज्यादा आवेदन वर्ग 5 के अंतर्गत की वस्तुओं (भैषजीय, पशु चिकित्सीय तथा सफाई संबंधी पदार्थ आदि) के लिए प्राप्त हुए हैं।

व्यापार चिह्न के पंजीकरण हेतु दाखिल आवेदनों के वर्गानुसार वितरण का विवरण

वर्ग	वस्तुएं	फाइल किए गए आवेदन	कुल फाइल आवेदनों का %
1	उद्योग, विज्ञान, फोटोग्राफी, कृषि, उद्यान-कृषि, वानिकी, खाद आदि में उपयोग में लाए जाने वाले रासायनिक पदार्थ	2165	1.53
2	पेंट, वार्निश	959	0.68
3	सुगंधित पदार्थ, अंगराग	4787	3.37
4	औद्योगिक तेल और चिकनाइयॉ (खाद्य तेल के अलावा) आदि	772	0.54
5	भेषजीय, शालिहोत्रिक और सफाई (शौच) संबंधी निर्मितियाँ और पदार्थ आदि	22474	15.83
6	सामान्य धातुएं और उनके मिश्र धातु, धात्विक ढली सामग्री, ढली भवन (निर्माण) सामग्रियाँ आदि	2307	1.63
7	मशीन और मशीनी औजार, मोटरें, आदि	3550	2.50
8	हाथ से काम करने के औजार और उपकरण आदि	570	0.40
9	वैज्ञानिक, नाविक, सर्वे, वैद्युत उपकरण आदि	7240	5.10
10	शाल्यिक, औषधीय, दंत और शालिहोत्रिक आले और यंत्र आदि	1251	0.88
11	प्रकाशन साधित्र, तापक वाष्पजनक आदि	3224	2.27
12	यान, भूमिपर, व्योम में अथवा जल पर चलने के लिए यंत्र आदि	2029	1.43
13	अग्न्यास्त्र, गोला बारूद और क्षेपित्र आदि	203	0.14
14	बहुमूल्य वस्तुएं और उनका मिश्र धातु आदि	1434	1.01
15	संगीत के उपकरण आदि	206	0.15
16	कागज और कागज की वस्तुएं, लेखन सामग्री, छपी सामग्री आदि	4455	3.14
17	गट्टा पर्चा, भारतीय रबर आदि	1587	1.12
18	चमड़े और कृत्रिम चमड़े से बनी वस्तुएं आदि	901	0.63
19	भवन निर्माण सामग्रियां आदि	2803	1.97
20	फर्नीचर, आईने आदि	1261	0.89
21	छोटे घरेलू बर्तन आदि	1400	0.99
22	रस्सी, सुतली आदि	339	0.24
23	सूत और धागे	379	0.27
24	टिशू (खंडित वस्त्र) आदि	1934	1.36
25	बूट, जूते और स्लीपर सहित पहनने की वस्तुएं	6232	4.39
26	गोटा और कसीदा, फीता और चोटी आदि	505	0.36
27	गलीचे, लोई, चटाइयां आदि	294	0.21
28	खेल और खेलने की चीजें आदि	765	0.54
29	मांस, मछली, मुर्गी पालन आदि	3042	2.14
30	कॉफी, चाय, कोका आदि	7045	4.96
31	कृषि, बागवानी और वन्य उत्पाद और अनाज जो अन्य वर्गों में अंतर्गत नहीं है	2836	2.00
32	बीयर, खनिज और वाति पेय और अन्य अमद्यसारिक पेय जो अन्य वर्गों के अंतर्गत नहीं है	2765	1.95
33	वाइन स्प्रिट और मद्य पेय	947	0.67
34	तम्बाकू, धूम्रपान करने वालों के लिए चीजें, दियासलाइयाँ	1744	1.23
35	विज्ञापन, कारोबार प्रबन्ध, कारोबार प्रशासन, कार्यालय कृत्य	7751	5.46

36	बीमा वित्तीय कार्य, आर्थिक कार्य, सम्पदा कार्य	2234	1.57
37	भवन निर्माण, मरम्मत, संस्थापन सेवाएं	2224	1.57
38	दूरसंचार	1463	1.03
39	यातायात, माल की पैकिंग और भंडारण, यात्रा इंतजाम	1501	1.06
40	सामग्री का बहिस्त्राव	486	0.34
41	शिक्षा, प्रशिक्षण देना, मनोरंजन, क्रीडा और सांस्कृतिक क्रियाकलाप	7241	5.10
42	खाद्य और पेय, अस्थायी वास, चिकित्सा, स्वच्छता और सौन्दर्य देखभाल, पशुचिकित्सा और कृषि सेवाएं, विधिक सेवाएं, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान, कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग सेवाएं देना जो अन्य वर्गों में सम्मिलित नहीं है	9556	6.73
	बहु वर्ग (मल्टी क्लासेज)	15082	10.63
	कुल	**1,41,943**	**100.00**

6. शाखानुसार फाइल किए गए आवेदनों की प्रवृत्ति :

वर्ष के दौरान व्यापार चिह्न रजिस्ट्री दिल्ली शाखा में अधिकतम संख्या (54,439) में आवेदन दाखिल किए गए जिनके बाद क्रमशः मुंबई में (38,770), चेन्नई में (24,903), अहमदाबाद में (14,243) एवं कोलकाता में (9558) का स्थान आता है।

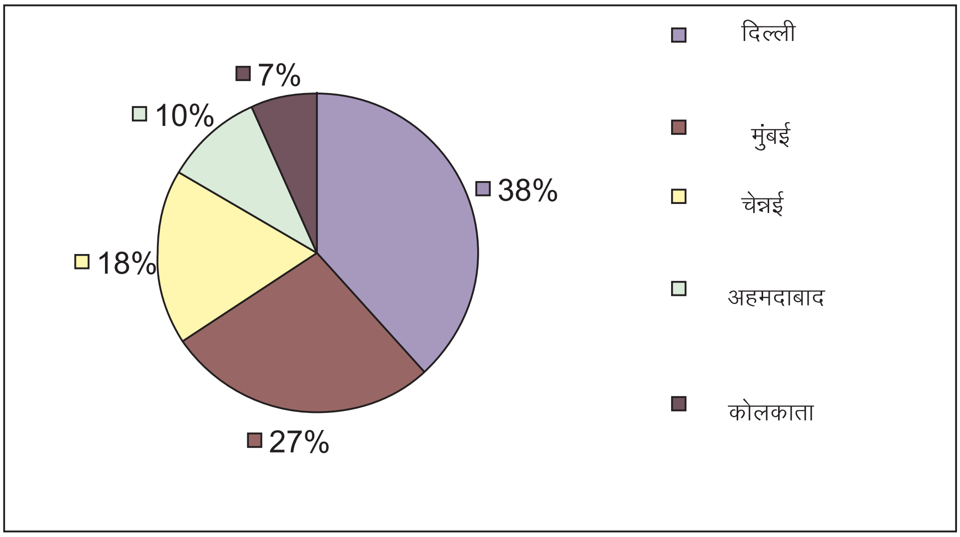

7. व्यापार चिह्न का पंजीकरण एवं अन्य गतिविधियाँ :

वर्ष 2009-10 के दौरान **67,490** व्यापार चिह्न पंजीकृत किए गए जबकि पिछले वर्ष **1,02,257** पंजीकृत किए गए थे। दिनांक 31 मार्च 2010 को पंजीकृत व्यापार चिह्नों की कुल संख्या **8,22,825** है। पिछले पाँच वर्षों में पंजीकृत व्यापार चिह्न की संख्या संबंधी विवरण परिशिष्ट IV में दिया गया है।

इस वर्ष नवीकृत किए गए पंजीकृत व्यापार चिह्नों की संख्या 30,482 थी। वर्ष 2009-10 में व्यावसायी-साख बिना साख वाले व्यापार चिह्नों के 2495 समनुदेशन प्राप्त हुए, इनमें से रजिस्टर में की गई अन्य प्रविष्ठियाँ जैसे नाम, व्यापार के पते आदि में परिवर्तन की संख्या 520 थी।

इसके अतिरिक्त, कानूनी कार्यवाहियों में उपयोग के लिए या विदेशों में पंजीकरण प्राप्त करने हेतु 700 प्रमाणपत्र जारी किए गए। वर्ष 2009-10 के दौरान प्रतिलिप्यधिकार अधिनियम, 1957 (1983 के अधिनियम

संख्या 23 द्वारा यथा संशोधित) की धारा 45 (1) के तहत, 4213 प्रमाण पत्र प्रतिलिप्यधिकार के रूप में कलात्मक कार्य के पंजीकरण हेतु जारी किए गए हैं।

वर्ष के दौरान व्यापार चिह्न रजिस्ट्री में चिह्न की तलाशी के लिए 30,825 अनुरोध प्राप्त हुए। सभी 30,825 अनुरोधों का निपटान कर दिया गया। अधिनियम की धारा 133 (1) तथा नियम 23 के अधीन पंजीकार की प्रारंभिक सलाह के लिए इस वर्ष प्राप्त अनुरोधों की संख्या 95 रही। रजिस्ट्री ने सभी 95 अनुरोधों का निपटान कर दिया।

रजिस्ट्री ने व्यापार चिह्न पंजीकरण के लिए विगत वर्ष के 1,20,234 विज्ञापनों की तुलना में 85,724 आवेदन व्यापार चिह्न पत्रिका में विज्ञापित भी किए। पिछले 5 वर्षों में व्यापार चिह्न पत्रिका में विज्ञापित व्यापार चिह्नों की प्रवृत्ति परिशिष्ट II में दर्शाया गया है।

अधिनियम और नियम के उपबंधों के अधीन रजिस्ट्री ने प्रारंभिक विरोध और परिशोधन जैसे विधिक कार्यवाहियां की। व्यापार चिह्न पंजीकरण के विरुद्ध 15,587 विरोध की सूचना तथा रजिस्टर के परिशोधन के लिए 444 आवेदन दाखिल किए गए। इनमें से 7082 विरोध की सूचना तथा रजिस्टर के परिशोधन के लिए 126 आवेदन रजिस्ट्री के मुख्य कार्यालय मुंबई में प्राप्त हुए और शेष कोलकाता, चेन्नई, नई दिल्ली और अहमदाबाद शाखा कार्यालयों में प्राप्त हुए।

वर्ष के दौरान विरोध, परिशोधन और अंतवर्ती याचिकाओं के संबंध में 881 सुनवाइयाँ रखी गई तथा व्यापार चिह्न के पंजीकरण के लिए किए गए आवेदनों के संबंध में 5751 सुनवाइयाँ रखी गई। इनमें से 983 विरोध, परिशोधन और अंतवर्ती याचिकाओं और व्यापार चिह्न के पंजीकरण के लिए किए गए आवेदनों का अंतिम रूप से निपटान कर दिया गया। व्यापार चिह्न रजिस्ट्री, मुंबई और उसकी कोलकाता, चेन्नई, अहमदाबाद और दिल्ली की शाखाओं में रखी गई सुनवाइयों का ब्यौरा परिशिष्ट- III में दिया गया है।

वर्ष के दौरान, पंजीकार तथा सुनवाई अधिकारियों के आदेश के खिलाफ 15 अपीलें दाखिल की गई। इनमें से 10 अपीलों का निपटान कर दिया गया। व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999 के प्रभाव में आने के पश्चात् पंजीकार तथा अन्य सुनवाई अधिकारियों के आदेश तथा निर्णय के खिलाफ चेन्नई स्थित बौद्धिक सम्पदा अपीलीय बोर्ड में अपील किया जाता है।

वर्ष के दौरान व्यापार चिह्न को झूठे रूप से पंजीकृत बताने के संबंध में धारा 107 के अधीन रजिस्ट्री ने 25 परिवाद भी प्राप्त किए जिनमें से 18 मामलों का निपटान किया जा चुका है।

प्रतिवेदन वर्ष के दौरान सूचना अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत प्राप्त अनुरोधों की संख्या 602 थी और इन सभी 602 अनुरोधों का निपटान कर दिया गया।

8. वर्गानुसार पंजीकृत किए गए व्यापार चिह्नों का विवरण

निम्न प्रदत्त सारणी वर्ष 2009-10 के दौरान पंजीकृत व्यापार चिह्न की संख्या का वर्गानुसार विवरण प्रस्तुत करती है। यह देखा गया है कि वर्ग-5 के अंतर्गत 10550 व्यापार चिह्न पंजीकृत थे जो कुल पंजीकरण का 15.63% है, जिसके बाद वर्ग-42 आता है जो 6.84% है। हालाँकि विविध वर्गों में 2316 व्यापार चिह्न पंजीकृत हुए थे जो कि अधिकतम है और कुल पंजीकृत आवेदन का लगभग 3.43% है।

पंजीकृत व्यापार चिह्न की संख्या का वर्गानुसार विवरण

वर्ग	वस्तुएं	पंजीकृत व्यापार चिह्न	कुल फाइल आवेदनों का %
1	उद्योग, विज्ञान, फोटोग्राफी, कृषि, उद्यान-कृषि, वानिकी, खाद आदि में उपयोग में लाए जाने वाले रासायनिक पदार्थ	1088	1.61
2	पेंट, वार्निश	539	0.80
3	सुगंधित पदार्थ, अंगराग	1913	2.83
4	औद्योगिक तेल और चिकनाइयाँ (खाद्य तेल के अलावा) आदि	411	0.61
5	भेषजीय, शालिहोत्रिक और सफाई (शौच) संबंधी निर्मितियाँ और पदार्थ आदि	10550	15.63
6	सामान्य धातुएं और उनके मिश्र धातु, धात्विक ढली सामग्री, ढली भवन (निर्माण) सामग्रियाँ आदि	1149	1.70
7	मशीन और मशीनी औजार, मोटरें, आदि	1809	2.68
8	हाथ से काम करने के औजार और उपकरण आदि	403	0.60
9	वैज्ञानिक, नाविक, सर्वे, वैद्युत उपकरण आदि	3877	5.74
10	शाल्यिक, औषधीय, दंत और शालिहोत्रिक आले और यंत्र आदि	790	1.17
11	प्रकाशन साधित्र, तापक वाष्पजनक आदि	1419	2.10
12	यान, भूमिपर, व्योम में अथवा जल पर चलने के लिए यंत्र आदि	1344	1.99
13	अग्न्यास्त्र, गोला बारूद और क्षेपित्र आदि	179	0.27
14	बहुमूल्य वस्तुएं और उनका मिश्र धातु आदि	880	1.30
15	संगीत के उपकरण आदि	217	0.32
16	कागज और कागज की वस्तुएं, लेखन सामग्री, छपी सामग्री आदि	3139	4.65
17	गट्टा पर्चा, भारतीय रबर आदि	824	1.22
18	चमड़े और कृत्रिम चमड़े से बनी वस्तुएं आदि	647	0.96
19	भवन निर्माण सामग्रियां आदि	1090	1.62
20	फर्नीचर, आईने आदि	766	1.13
21	छोटे घरेलू बर्तन आदि	735	1.09
22	रस्सी, सुतली आदि	291	0.43
23	सूत और धागे	338	0.50
24	टिशू (खंडित वस्त्र) आदि	1114	1.65
25	बूट, जूते और स्लीपर सहित पहनने की वस्तुएं	3229	4.78
26	गोटा और कसीदा, फीता और चोटी आदि	400	0.59
27	गलीचे, लोई, चटाइयां आदि	277	0.41
28	खेल और खेलने की चीजें आदि	631	0.93
29	मांस, मछली, मुर्गी पालन आदि	1172	1.74
30	कॉफी, चाय, कोका आदि	2167	3.21
31	कृषि, बागवानी और वन्य उत्पाद और अनाज जो अन्य वर्गों में अंतर्गत नहीं है	984	1.46
32	बीयर, खनिज और वाति पेय और अन्य अमद्यसारिक पेय जो अन्य वर्गों के अंतर्गत नहीं है	908	1.35
33	वाइन स्प्रिट और मद्य पेय	579	0.86

34	तम्बाकू, धूम्रपान करने वालों के लिए चीजें, दियासलाइयाँ	619	0.92
35	विज्ञापन, कारोबार प्रबन्ध, कारोबार प्रशासन, कार्यालय कृत्य	4258	6.31
36	बीमा वित्तीय कार्य, आर्थिक कार्य, सम्पदा कार्य	1906	2.82
37	भवन निर्माण, मरम्मत, संस्थापन सेवाएं	1603	2.38
38	दूरसंचार	1421	2.11
39	यातायात, माल की पैकिंग और भंडारण, यात्रा इंतजाम	934	1.38
40	सामग्री का बहिस्त्राव	414	0.61
41	शिक्षा, प्रशिक्षण देना, मनोरंजन, क्रीडा और सांस्कृतिक क्रियाकलाप	3544	5.25
42	खाद्य और पेय, अस्थायी वास, चिकित्सा, स्वच्छता और सौन्दर्य देखभाल, पशुचिकित्सा और कृषि सेवाएं, विधिक सेवाएं, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान, कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग सेवाएं देना जो अन्य वर्गों में सम्मिलित नहीं है	4616	6.84
	बहु वर्ग (मल्टी क्लासेज)	2316	3.43
	कुल	67490	100%

9. राजस्व और व्यय

विगत वर्ष के रु. 69.15 करोड़ के राजस्व उत्पादन की तुलना में वर्ष 2009-10 के दौरान व्यापार चिह्न रजिस्ट्री को रु.71.60 करोड़ की राजस्व आय की प्राप्ति हुई। इस वर्ष रु. 8.94 करोड़ का परिव्यय हुआ जबकि पिछले वर्ष रु. 8.91 करोड़ व्यय हुए थे।

क्रम संख्या	वर्ष	राजस्व (रुपए करोड़ में)	व्यय (रुपए करोड़ में)
1	2005-06	49.75	4.83
2	2006-07	55.79	5.00
3	2007-08	63.00	5.58
4	2008-09	69.15	8.91
5	2009-10	71.60	8.94

राजस्व एवं व्यय

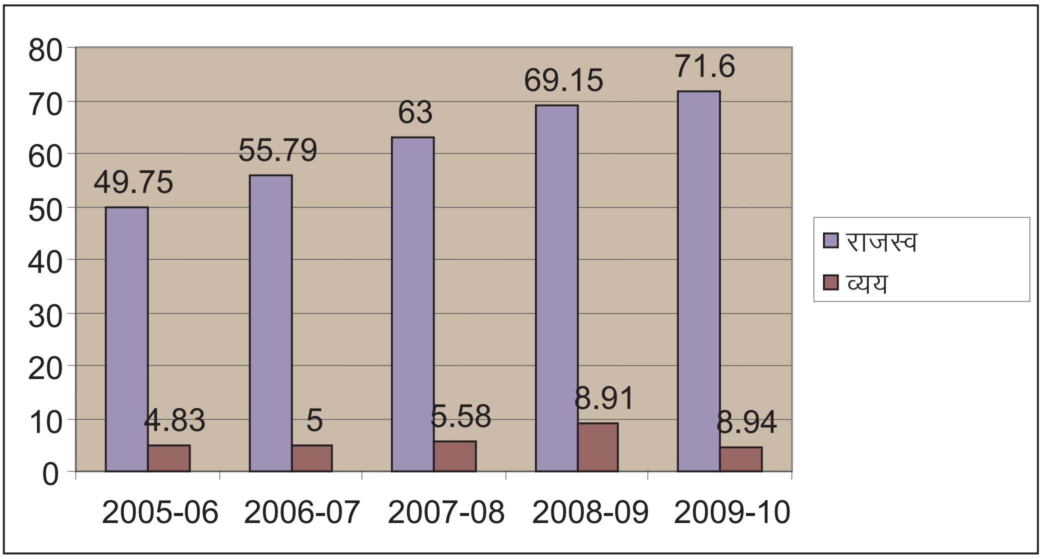

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999 की प्रमुख विशेषताएं

- व्यापार चिह्न की व्याख्या में सेवाओं को शामिल करना।
- सामूहिक चिह्न के पंजीकरण का प्रावधान।
- भाग-क और भाग-ख के स्थान पर व्यापार चिह्न के एकल पंजी की स्थापना।
- एक वर्ग से अधिक में वस्तुओं और/या सेवाओं के पंजीकरण के लिए एक ही आवेदन का प्रावधान।
- व्यापार चिह्न के प्रारंभिक पंजीकरण की अवधि सात वर्ष से बढ़ा कर दस वर्ष करना।
- नवीकरण शुल्क जमा करने की रियायती अवधि छः माह बढ़ाने का प्रावधान।
- पंजीकरण की वैद्यता को चुनौती दी जा सकने वाली परिस्थितियों में वृद्धि।
- पंजीकार को कतिपय आवेदनों का निपटान करने की शक्तियों का प्रत्यायोजन।
- व्यापार चिह्न नियम के दंड प्रावधानों को प्रतिलिप्यधिकार नियम के दंड प्रावधानों के साथ सुसंगत करना।
- अपीलीय बोर्ड की स्थापना का प्रावधान।
- सामूहिक चिह्न और सत्यापन व्यापार चिह्न का प्रारंभ।

परिशिष्ट- I

पिछले पाँच वर्षों में व्यापार चिह्न आवेदनों की प्रवृत्ति

	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
दाखिल	85,699	1,03,419	1,23,514	1,30,172	1,41,943
परीक्षित	77,500	85,185	63,605	1,05,219	25,875
पंजीकृत	1,84,325	1,09,361	1,00,857	1,02,257	67,490

पिछले पाँच वर्षों में व्यापार चिह्न आवेदनों की प्रवृत्ति-ग्राफीय प्रस्तुति

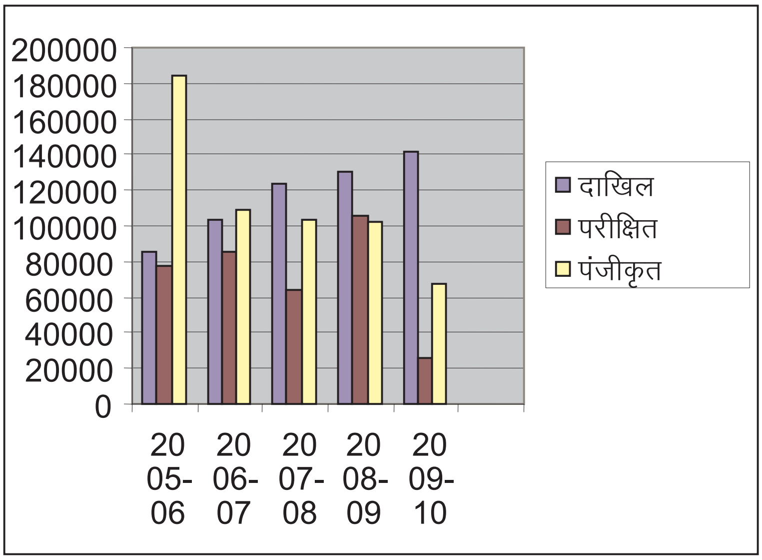

परिशिष्ट- II

पिछले पाँच वर्षों में विज्ञापित व्यापार चिह्नों की संख्या

क्रम संख्या	वर्ष	विज्ञापित व्यापार चिह्नों की संख्या
1.	2009-10	85, 724
2.	2008-09	1,20,234
3.	2007-08	1,02,777
4.	2006-07	1,04,260
5.	2005-06	1,58,665

पिछले पाँच वर्षों के दौरान विज्ञापित व्यापार चिह्न की ग्राफीय प्रस्तुति

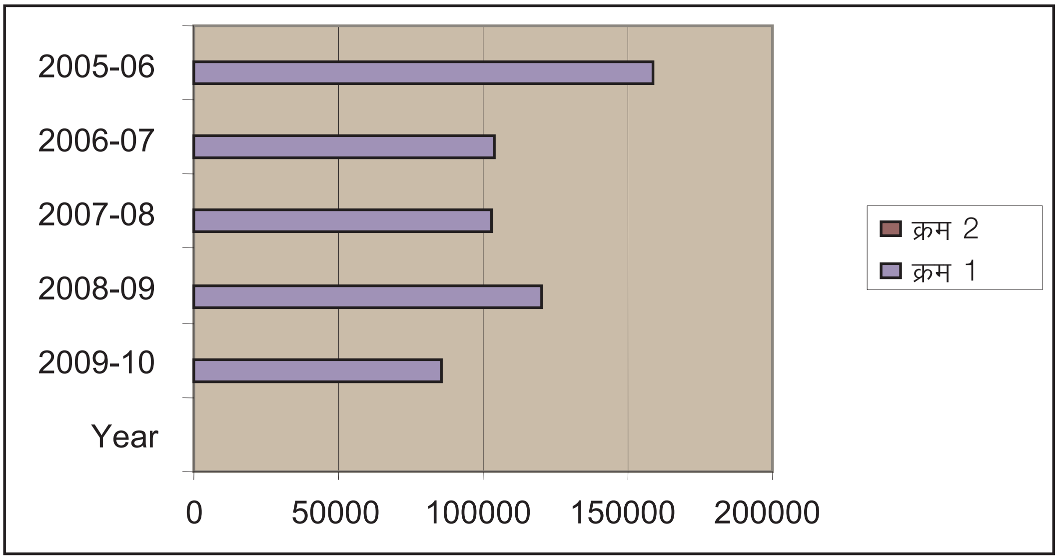

परिशिष्ट- III

1 अप्रैल 2009 से 31 मार्च 2010 तक व्यापार चिह्न के विभिन्न कार्यालयों में रखी गई सुनवाई संबंधी विवरण

क्रम संख्या	सुनवाई का स्थान	दाखिल विरोध/परिशोधन/अंतर्वर्ती याचिका	दाखिल विरोध/परिशोधन/अंतर्वर्ती याचिका की सुनवाई	आवेदन सुनवाई
1.	मुम्बई	7208	1162	6570
2.	कोलकाता	814	4754	5778
3.	चेन्नई	1989	697	18431
4.	दिल्ली	4179	1052	8609
5.	अहमदाबाद	1842	586	2979
	कुल	16,032	8251	72367

परिशिष्ट- IV

पिछले पाँच वर्षों में पंजीकृत व्यापार चिह्नों की संख्या

क्रम संख्या	वर्ष	पंजीकृत व्यापार चिह्नों की संख्या
1.	2005-2006	1,84,325
2.	2006-2007	1,09,361
3.	2007-2008	1,00,857
4.	2008-2009	1,02,257
5.	2009-2010	67,490
	कुल	**5,64,290**

पिछले पाँच वर्षों के दौरान पंजीकृत व्यापार चिह्न की ग्राफीय प्रस्तुति

पंजीकृत व्यापार चिह्न की संख्या

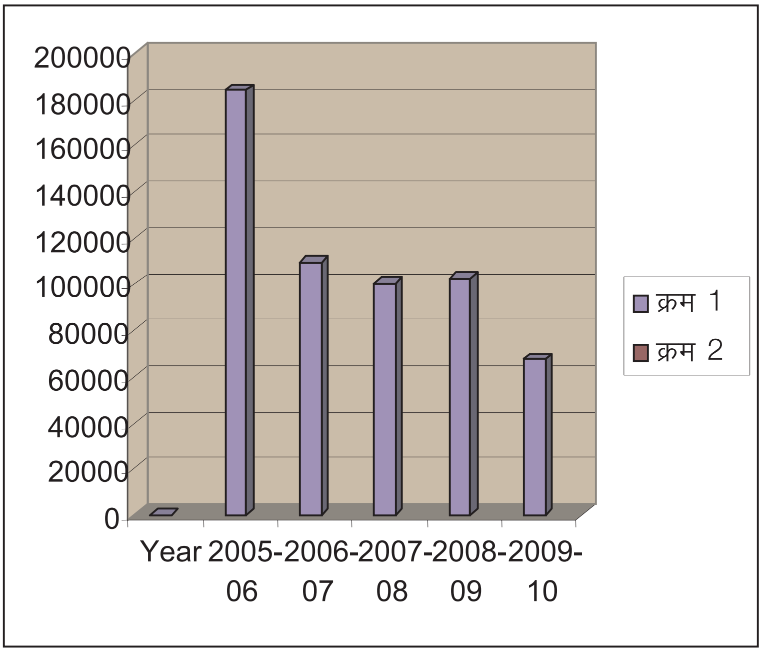

अध्याय - VII

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री

परिचय:

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री एक वैधानिक संस्था है जिसकी स्थापना का मुख्य उद्देश्य वस्तुओं से संबंधित भौगोलिक संकेत के पंजीकरण और बेहतर संरक्षा प्रदान करना एवं वस्तुओं के भौगोलिक संकेत (पंजीकरण एवं संरक्षा) अधिनियम, 1999 का प्रशासन करना है जो 15 सितम्बर, 2003 से प्रवृत्त हुआ। भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री कार्यालय चेन्नई में स्थित है।

रजिस्ट्री कार्यालय ने 15 सितम्बर, 2003 से पंजीकरण हेतु भौगोलिक संकेत आवेदन ग्रहण करना प्रारंभ किया। वित्तीय वर्ष 1 अप्रैल, 2009 से 31 मार्च, 2010 के दौरान 40 (चालीस) भौगोलिक संकेत आवेदन दाखिल किए गए हैं। 15 सितम्बर, 2003 से 31 मार्च, 2010 तक कुल 205 (दो सौ पाँच) भौगोलिक संकेत आवेदन प्राप्त किए गए हैं। रजिस्ट्री ने पंजीकरण हेतु भौगोलिक संकेत प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदन भी प्राप्त करने प्रारंभ किए हैं और 1 अप्रैल, 2009 से 31 मार्च, 2010 तक कुल 101 (एक सौ एक) भौगोलिक संकेत प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदन प्राप्त किए गए हैं। (परिशिष्ट -I)

इस वित्तीय वर्ष के दौरान कुल 14 (चौदह) पंजीकरण प्रमाण पत्र जारी किए गए है। 15 सितम्बर, 2003 से 31 मार्च, 2010 तक कुल 120 (एक सौ बीस) भौगोलिक संकेत पंजीकृत किए गए हैं। (परिशिष्ट-II)

रजिस्ट्री कार्यालय पंजीकरण गतिविधियों के संवर्द्धन के लिए देश के विभिन्न भागों में भारतीय भौगोलिक संकेतों के पंजीकरण के संबंध में जागरूकता प्रसार करता रहा है। इस दौरान चाय, कॉफी, चावल, मसाले, तम्बाकु, बागवानी उत्पाद, हस्तकरघा उत्पाद, हस्तशिल्प, वस्त्र, प्रसंस्कृत खाद्य वस्तुएँ तथा स्पिरिट एवं शराब क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया गया। इस वित्तीय वर्ष के दौरान रजिस्ट्री ने 1 (एक) सूक्ष्मग्राही सेमीनार/कार्यशालाएँ संचालित की और वाह्य एजेंसियों द्वारा संचालित सेमिनार/कार्यशालाओं में रजिस्ट्री कार्यालय के 8 (आठ) अधिकारियों ने संकाय के रूप में भाग लिया। (परिशिष्ट -III)

भौगोलिक संकेत रजिस्ट्री का जर्नल कार्यालय द्वारा ही प्रकाशित किया गया है। इस वित्तीय वर्ष के दौरान जर्नल के कुल 4 अंक प्रकाशित किए गए और कुल 19 (उन्नीस) भौगोलिक संकेत आवेदन तथा 31 (इकतीस) भौगोलिक संकेत प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदन विज्ञापित किए गए हैं।

परिशिष्ट - I

वर्ष 2003 से 31 मार्च 2010 तक दाखिल किए गए भौगोलिक संकेत आवेदन

वर्ष	आवेदन की संख्या
2003-04	6
2004-05	29
2005-06	16
2006-07	33
2007-08	37
2008-09	44
2009-10	40
कुल	**205**

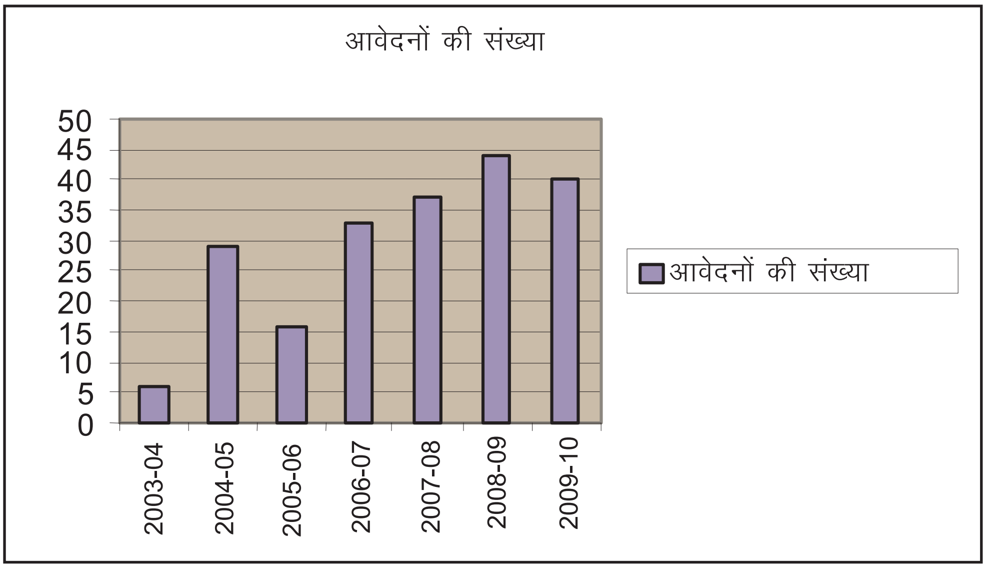

वर्ष 2003 से 31 मार्च 2010 तक दाखिल भौगोलिक संकेत प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदन

वर्ष	आवेदन की संख्या
2003-04	0
2004-05	0
2005-06	0
2006-07	0
2007-08	0
2008-09	0
2009-10	**101**

वित्तीय वर्ष 01 अप्रैल 2009 से 31 मार्च 2010 तक दाखिल किए गए भौगोलिक संकेत आवेदन

क्रम संख्या	आवेदन संख्या	भौगोलिक संकेत	दाखिल करने की तारीख	भौगोलिक क्षेत्र
1	166	बंजारा हस्तकला और मिरर वर्क	01.04.09	महाराष्ट्र
2	167	गोपालपुर तुषार फैब्रिक	15.04.09	उड़ीसा
3	168	हैदराबादी बिरयानी	28.04.09	आंध्र प्रदेश
4	169	कोल्हापुरी चप्पल (इथनिक कोल्हापुरी फूटवेयर)	04.05.2009	कर्नाटक & महाराष्ट्र
5	170	कसरगॉड साड़ी	11.05.2009	केरल
6	171	सूरत जरी क्राफ्ट	21.05.2009	गुजरात
7	172	चम्पा सिल्क साड़ी और फैब्रिकस	25.05.2009	छत्तीसगढ़
8	173	बालूचरी साड़ी	01.06.2009	पश्चिम बंगाल
9	174	कच्छी ढावडा, शॉल और दुपट्टा	04.06.2009	गुजरात
10	175	गंजम गोट घी	22.06.2009	उड़ीसा
11	176	धनियाखली साड़ी	02.07.2009	पश्चिम बंगाल
12	177	बनारसी ग्लास बीड्स	06.07.2009	उत्तर प्रदेश
13	178	खूर्जा पॉट्टरी	06.07.2009	उत्तर प्रदेश
14	179	कुथमपल्ली साड़ी और फाइन कॉटन फैब्रिकस	13.07.2009	केरल
15	180	भागलपुर सिल्क फैब्रिकस & साड़ी	15.07.2009	बिहार
16	181	कश्मीर पेपर मैच	17.07.2009	जम्मू & कश्मीर
17	182	कश्मीर वॉलनट वूड कार्विंग	17.07.2009	जम्मू & कश्मीर
18	183	बागरू हैंड ब्लौक प्रिन्ट	10.08.2009	राजस्थान

19	184	सहारनपुर वूड क्राफ्ट (वर्ल्ड मार्क वीथ लॉगो)	17.08.2009	उत्तर प्रदेश
20	185	गिर केशर आम	17.08.2009	गुजरात
21	186	वयानंद जीराकासाल राइस	23.09.2009	केरल
22	187	वयानंद गंधकासाल राइस	23.09.2009	केरल
23	188	सिद्धिपेट गोलाबॉम	05.11.2009	आंध्र प्रदेश
24	189	वेंकटगिरि साड़ी	13.11.2009	आंध्र प्रदेश
25	190	चेरियाल पेंटिंग	20.11.2009	आंध्र प्रदेश
26	191	कोटा डोरिया (लॉगो)	10.12.2009	राजस्थान
27	192	भालिया व्हीट	17.12.2009	गुजरात
28	193	हैदराबाद हलीम	18.12.2009	आंध्र प्रदेश
29	194	पेमवर्थी मेटल क्राफ्ट	22.12.2009	आंध्र प्रदेश
30	195	"पट्टमडई मैट्स" "पट्टमदई पै" के रूप में सुख्यात	25.01.2010	तमिलनाडु
31	196	"नचियारकॉयल लैम्प" - "नचियारकॉयल कुथूविलकू" के रूप में सुख्यात	08.02.2010	तमिलनाडु
32	197	महेश्वर साड़ी & फैब्रिक	08.02.2010	मध्य प्रदेश
33	198	मंगलागिरी साड़ी एण्ड फैब्रिकस	26.02.2010	आंध्र प्रदेश
34	199	उदपी 'मट्टू गुल्ला' बैगन	03.03.2010	कर्नाटक
35	200	चेतिनाद कॉटन	17.03.2010	तमिलनाडु
36	201	विल्लिनूर टेराकॉटन वर्कस	22.03.2010	पांडिचेरी
37	202	त्रिरूकानूर पेपीयर मैच क्राफ्ट	22.03.2010	पांडिचेरी
38	203	"बोविली वीणा" "सरस्वती वीणा" के रूप में भी ज्ञात	24.03.2010	आंध्र प्रदेश
39	204	खतमबैंड	24.03.2010	जम्मू & कश्मीर
40	205	"कालानमक" (चावल)	25.03.2010	उत्तर प्रदेश

परिशिष्ट - II

वर्ष 2009-2010 के दौरान जारी किए गए पंजीकरण प्रमाण पत्र की सूची

क्रम संख्या	आवेदन संख्या	भौगोलिक संकेत	वस्तुएं	भौगोलिक क्षेत्र
1	43	पेरूवैन पिस्को	विनिर्मित	पेरू
2	99	बनारस ब्रोकेडस् एण्ड साड़ी	हस्तकला	उत्तर प्रदेश
3	121	तिरुपति लड्डू	खाद्य पदार्थ	आंध्र प्रदेश
4	125	मलिहाबादी दशहरी आम	कृषि	उत्तर प्रदेश
5	127	तंगालिया शॉल	हस्तकला	गुजरात
6	128	पुणेरी पगड़ी	हस्तकला	महाराष्ट्र
7	130 & 141	वझाक्कुलम पाईनेप्पल	कृषि	केरल
8	131	देवनहली पोमेलो	कृषि	कर्नाटक
9	132	अपिमिडी आम	कृषि	कर्नाटक
10	133	कमलापुर रेड बनाना	कृषि	कर्नाटक
11	138	शांतिपुर साड़ी	हस्तकला	पश्चिम बंगाल
12	144	कन्नोर होम फर्निशिंग	हस्तकला	केरल
13	147	संगनेरी हैंड ब्लौक प्रिंटिंग	हस्तकला	राजस्थान
14	152	बलरामपूरम साड़ी एण्ड फाईन कॉटन फैब्रिक्स	हस्तकला	केरल

परिशिष्ट- III

वर्ष 2009-2010 में भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री द्वारा संचालित भौ.सं. सूक्ष्मग्राही कार्यशाला

क्रम संख्या	कार्यशाला/सेमिनार	तारीख	स्थान	भागीदारों की कुल संख्या
1	उद्योग और वाणिज्य निदेशालय, कोहिमा, नागालेंड के साथ संयुक्त तत्वावधान में आयोजित भौगोलिक संकेत पर सूक्ष्मग्राही कार्यशाला।	19.02.2010	कोहिमा, नागालैंड	106

वर्ष 2009-2010 में बाह्य एजेंसियों द्वारा संचालित सेमिनार/कार्यशाला में भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के अधिशासियों की भागीदारी

1. यूएसपीटीओ, एलेक्जेंड्रिया, वर्जिनिया में 21-24 अप्रैल, 2009 तक भौगोलिक संकेत पर यूएसपीटीओ - ग्लोबल इंटेलेक्चूयल प्रोपर्टी एकेडमी (जीआईपीए) कार्यक्रम;
2. नई दिल्ली में 19-20 अगस्त, 2009 को जालसाजी और नकल करने पर आयोजित तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।
3. बड़ोदरा में 26 अगस्त, 2009 को राष्ट्रीय शोध विकास कॉर्पोरेशन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ज्ञान आधारित परिदृश्य में बौद्धिक सम्पदा और आविष्कार प्रबंधन पर क्षेत्रीय सेमिनार।
4. दिनांक 24 सितम्बर, 2009 को होटल फिडालगो, पणजीम, गोआ में सेन्टर फॉर द स्टडी ऑफ ग्लोबलाइजेशन एण्ड रिजनलाइजेशन (सीएसजीआर), यूके, द्वारा 'Geographical Indications and Localisation: A Case Study of Feni' विषय पर आयोजित बैठक।
5. दिनांक 25 सितम्बर, 2009 को होटल सम्राट, नई दिल्ली में सेन्टर फॉर डब्ल्यूटीओ स्टडीज, इंडियन इन्स्टिट्यूट ऑफ फॉरेन ट्रेड (आईआईएफटी) नई दिल्ली द्वारा आयोजित भौगोलिक संकेत पर राष्ट्रीय सेमिनार।
6. दिनांक 05.11.2009 को चेन्नई में तमिलनाडु हस्तकला विकास कॉर्पोरेशन लि., चेन्नई द्वारा आयोजित 'सोर्सिंग शो'।
7. नई दिल्ली में 11 से 13 नवम्बर, 2009 तक एफआईसीसीआई-डीआईपीपी-वाइपो का सम्मेलन।
8. चीन में 30 & 1 दिसम्बर, 2009 को भौगोलिक संकेत और ग्रामीण आर्थिक विकास पर उसके प्रभाव पर आयोजित वाइपो एशिया-पैसिफिक सिम्पोजियम।

भौगोलिक संकेत जागरूकता कार्यक्रम का समेकित चार्ट
2001 - 31 मार्च, 2010

वर्ष	रजिस्ट्री द्वारा भौ.संकेत सूक्ष्मग्राही कार्यशाला	वाह्य एजेंसी द्वारा आयोजित कार्यशाला में भौ.सं.रजिस्ट्री के कर्मचारियों की प्रतिभागिता	कुल
2001 - 02	4	-	**4**
2002 - 03	1	-	**1**
2003 - 04	6	-	**6**
2004 - 05	9	9	**18**
2005 - 06	4	14	**18**
2006 - 07	10	14	**24**
2007 - 08	8	7	**10**
2008 - 09	11	10	**21**
2009 - 10	01	8	**9**
कुल योग	**54**	**62**	**116**

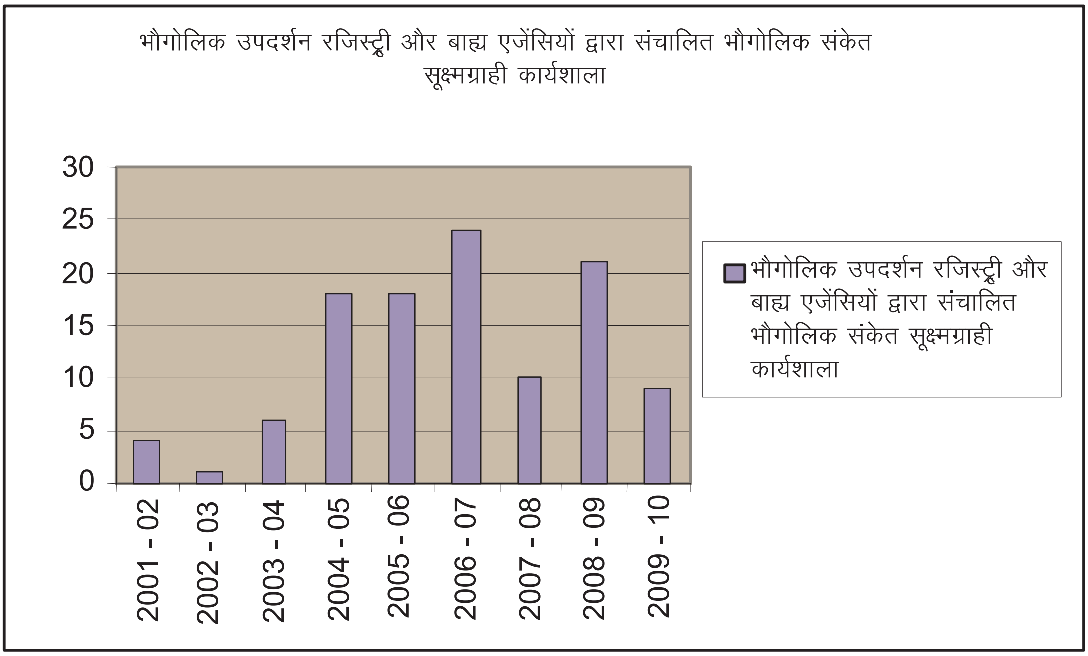

वर्ष 2003 से 31 मार्च, 2010 तक पंजीकृत भौगोलिक संकेत (वस्तुएं)

भौगोलिक संकेत अधिनियम,1999 की धारा 2(च) के अनुसार वस्तुएं	पंजीकृत भौगोलिक संकेत आवेदन
हस्तकला	80
कृषि	32
विनिर्मित	6
खाद्य पदार्थ	2
कुल	**120**

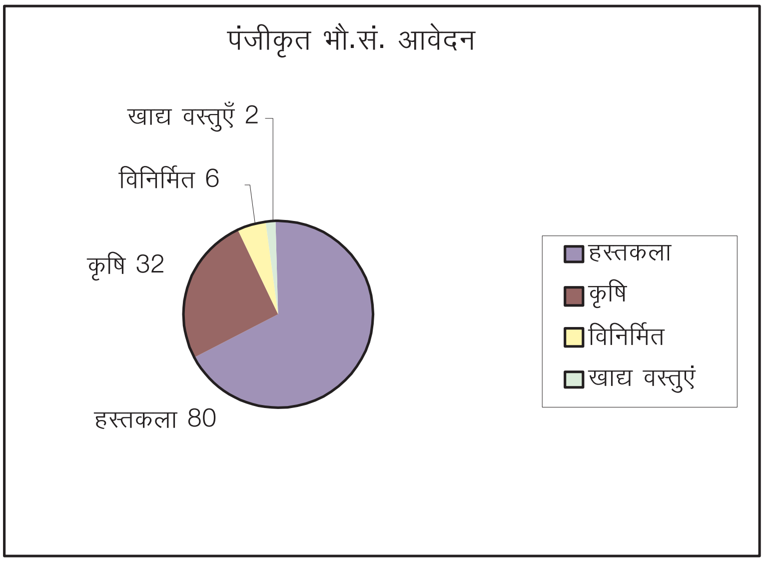

अप्रैल 2004 से 31 मार्च 2010 तक पंजीकृत भौगोलिक संकेत (राज्यवार)

राज्य	उत्पादों की संख्या
कर्नाटक	27
तमिलनाडु	18
आंध्र प्रदेश	12
केरल	13
उड़ीसा	5
पश्चिम बंगाल	7
बिहार	4
मध्य प्रदेश	4
राजस्थान	5
छतीसगढ़	3
गुजरात	4
हिमाचल प्रदेश	3
जम्मू कश्मीर	3
असम	2
महाराष्ट्र	3
उत्तर प्रदेश	4
गोवा	1
नागालैंड	1
पेरू	1
कुल	120

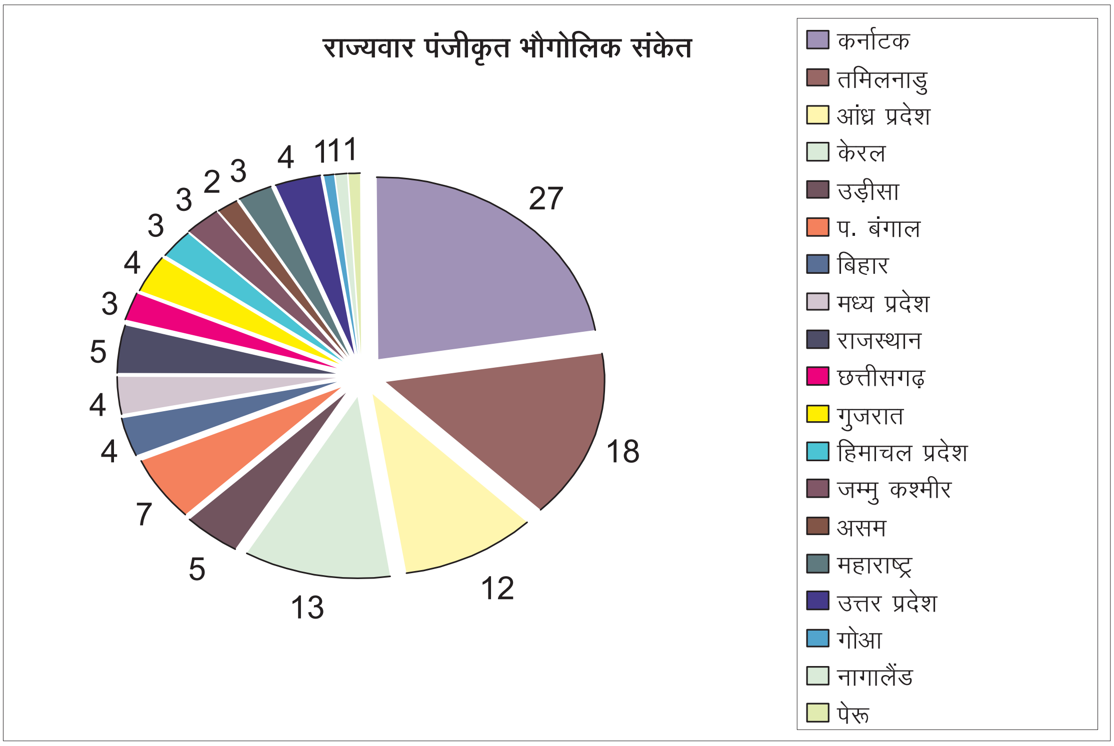

31 मार्च 2010 को भौगोलिक संकेत आवेदन (स्थिति)

भौगोलिक उपदर्शन की स्थिति

पंजीकृत भौगोलिक संकेत आवेदनों की कुल संख्या	120
परीक्षण/परीक्षण-पूर्व अवस्था में भौगोलिक संकेत आवेदनों की संख्या	42
विज्ञापित भौगोलिक संकेत आवेदनों की संख्या	19
एकीकृत भौगोलिक संकेत आवेदनों की संख्या	12
आहरित/परित्यक्त आवेदनों की संख्या	6
विरोध/कारण बताओं सुनवाई की संख्या	4
अस्वीकृत आवेदनों की संख्या	2
कुल भौगोलिक संकेत आवेदन की संख्या	**205**

भौगोलिक संकेत आवेदनों का विस्तृत विवरण

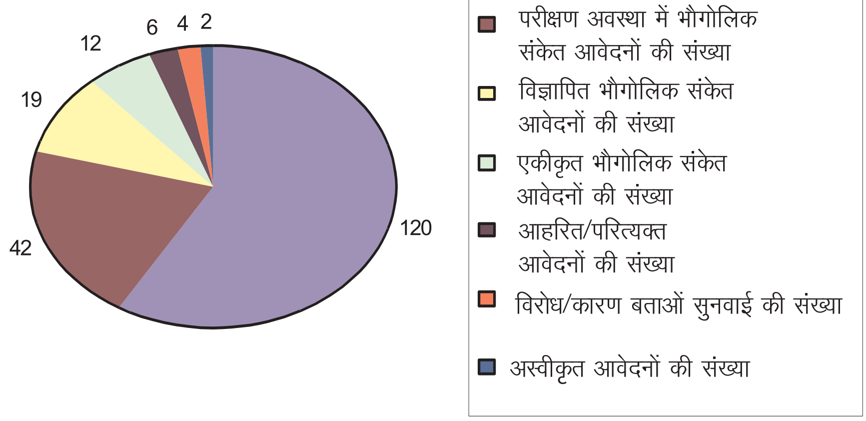

भौगोलिक संकेत प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदन की स्थिति

परीक्षण अंतर्गत भौगोलिक संकेत प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदनों की संख्या	70
विज्ञापित भौगोलिक संकेत प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदनों की संख्या	31
भौगोलिक संकेत प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदनों की कुल संख्या	**101**

भौगोलिक संकेत प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदन का विस्तृत

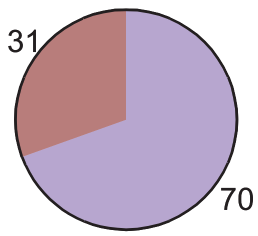

लंबित भौगोलिक संकेत आवेदन

आवेदन संख्या	भौगोलिक संकेत	वर्ग	वस्तुएं	भौगोलिक क्षेत्र
6	पायन्नुर पविश्र रिंग	14	हस्तकला	केरल
14	बासमती चावल	30	कृषि	पंजाब/हरियाणा
27	फुलकारी	26	हस्तकला	पंजाब/हरियाणा
123	नाशिक वैली वाइन	33	विनिर्मित	महाराष्ट्र
129	बायदगी मिर्ची	30	कृषि	कर्नाटक
134	संदूर लंबानी कशीदाकारी	26	हस्तकला	कर्नाटक
135	तोडा कशीदाकारी	24,25 & 26	हस्तकला	तमिलनाडु
136	उड़ीसा की खंडु साड़ियां और वस्त्र	23,24 & 25	हस्तकला	उड़ीसा
137	गडवाल साड़ियां	24	हस्तकला	आंध्र प्रदेश
139	अल्फॉन्सो आम	31	कृषि	महाराष्ट्र
140	शैम्पेन (कन्वेंशन आवेदन)	33	विनिर्मित	फ्रांस
142	बिकानेरी भुजिया	30	खाद्य पदार्थ	राजस्थान
143	गंटूर सेनम मिर्च	30	कृषि	आंध्र प्रदेश
145	बासमती	30	कृषि	भारत (पंजाब/हरियाणा/हिमाचल प्रदेश/दिल्ली/उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश/जम्मु और कश्मीर)
146	नापा व्हेली (कन्वेंशन आवेदन)	33	विनिर्मित	संयुक्त राज्य अमेरिका
148	उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर क्षेत्र के - भदोही के हस्त निर्मित गलीचें	27	हस्तकला	उत्तर प्रदेश
149	कन्नोरी शॉल	24	हस्तकला	हिमाचल प्रदेश

150 & 153	पैठनी साड़ी और फैब्रिक	24 & 25	हस्तकला	महाराष्ट्र
151	स्कॉच विह्स्की (कन्वेंशन आवेदन)	32 & 33	विनिर्मित	स्कॉटलैंड
154	महाबलेश्वर स्ट्रोबरी	31	कृषि	महाराष्ट्र
155 & 156	फिरोजाबाद ग्लास (लोगो)	9,11 & 21	हस्तकला	उत्तर प्रदेश
157 & 158	कन्नौज फरफ्यूम (लोगो)	3	विनिर्मित	उत्तर प्रदेश
159 & 160	कानपुर की जीनसाजी (लोगो)	18	हस्तकला	उत्तर प्रदेश
161 & 162	मुरादाबाद की धातु कला (लोगो)	6	हस्तकला	उत्तर प्रदेश
163	सेंट्रल त्रावणकोर जागेरी	30	कृषि	केरल
164	प्रोसिटो डी परमा "परमा हम"	29	खाद्य पदार्थ	इटली
165	नाशिक के अंगूर	31	कृषि	महाराष्ट्र
166	बंजारा हस्तकला और मिरर वर्क	24	हस्तकला	महाराष्ट्र
167	गोपालपुर तुषार फैब्रिक	23,24& 25	हस्तकला	उड़ीसा
168	हैदराबादी बिरयानी	30	खाद्य पदार्थ	आंध्र प्रदेश
169	कोल्हापुरी चप्पल (इथनिक कोल्हापुरी फूटवेयर)	25	हस्तकला	कर्नाटक और महाराष्ट्र
170	कसरगॉड साड़ी	25	हस्तकला	केरल
171	सूरत जरी क्राफ्ट	23	हस्तकला	गुजरात
172	चम्पा सिल्क साड़ी और फैब्रिकस	23,24,25,26	हस्तकला	छत्तीसगढ़
173	बालूचरी साड़ी	24,25,26	हस्तकला	पश्चिम बंगाल
174	कच्छी ढावडा, शॉल और दुपट्टा	24	हस्तकला	गुजरात
175	गंजम गोट घी	29	खाद्य पदार्थ	उड़ीसा
176	धनियाखली साड़ी	24,25,26	हस्तकला	पश्चिम बंगाल
177	बनारसी ग्लास बीड्स	21	हस्तकला	उत्तर प्रदेश
178	खूर्जा पॉट्टरी	9,11 &21	हस्तकला	उत्तर प्रदेश
179	कुथमपल्ली साड़ी एण्ड फाइन कॉटन फैब्रिकस	24 & 25	हस्तकला	केरल
180	भागलपुर सिल्क फैब्रिक्स & साड़ी	24& 25	हस्तकला	बिहार
181	कश्मीर पेपर मैश	16 & 20	हस्तकला	श्रीनगर
182	कश्मीर वालनॉट वूड कार्विंग	20	हस्तकला	जम्मु और कश्मीर
183	बागरू हैंड ब्लौक प्रिन्ट	24 & 25	हस्तकला	राजस्थान
184	सहारनपुर वूड क्राफ्ट (वर्ड मार्क विथ लोगो)	20	हस्तकला	उत्तर प्रदेश

185	गिर केशर आम	31	कृषि	गुजरात
186	वयानंद जीराकासाल राइस	30	कृषि	केरल
187	वयानंद गंधकासाल राइस	30	कृषि	केरल
188	सिद्धिपेट गोलबॉम	24 & 25	हस्तकला	आंध्र प्रदेश
189	वेंकटगिरि साड़ी	25	हस्तकला	आंध्र प्रदेश
190	चेरियाल पेंटिंग	16	हस्तकला	आंध्र प्रदेश
191	कोटा डोरिया (लॉगो)	24 & 25	हस्तकला	राजस्थान
192	भालिया व्हीट	31	कृषि	गुजरात
193	हैदराबाद हलीम	29	खाद्य पदार्थ	आंध्र प्रदेश
194	पेमवर्थी मेटल क्राफ्ट	6&21	हस्तकला	आंध्र प्रदेश
195	"पट्टमडई मैट्स" "पट्टमदई पै" के रूप में सुख्यात	27	हस्तकला	तमिलनाडु
196	"नचियारकॉयल लैम्प" - "नचियारकॉयल कुथूविलकू" के रूप में सुख्यात	6	हस्तकला	तमिलनाडु
197	महेश्वर साड़ी & फैब्रिक	24 & 25	हस्तकला	मध्य प्रदेश
198	मंगलागिरी साड़ी एण्ड फैब्रिकस	24 & 25	हस्तकला	आंध्र प्रदेश
199	उदपी 'मट्टू गुल्ला' बैगन	31	कृषि	कर्नाटक
200	चेतिनाद कॉटन	20	हस्तकला	तमिलनाडु
201	विल्लिनूर टेराकॉटन वर्कस	21	हस्तकला	पांडिचेरी
202	त्रिरूकानूर पपीयर मैच क्राफ्ट	16	हस्तकला	पांडिचेरी
203	"बोविली वीणा" "सरस्वती वीणा" के रूप में भी ज्ञात	15 & 20	हस्तकला	आंध्र प्रदेश
204	खतमबैंड	19 & 20	हस्तकला	जम्मु और कश्मीर
205	"कालानमक" (चावल)	30	कृषि	उत्तर प्रदेश

परिशिष्ट-IV

व्यय विवरण 2009 - 10

2009 - 10	अनुमोदित राशि	अतिरिक्त अनुमोदन	कुल निर्धारण	व्यय
योजना (वेतन)	शून्य	शून्य	शून्य	3,29,666
गैर-योजना	88,00,000	शून्य	88,00,000	87,99,639

राजस्व आय विवरण 2009 - 10

वर्ष	भौगोलिक संकेत आवेदन (रु)	भौ सं जर्नल (रु)	अन्य शुल्क (रु)	कुल (रु)
2009 - 2010	4,01,000	14,250	74,190	4,89,440

अध्याय - VIII

पेटेंट सूचना पद्धति, नागपुर
व
राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान

पेटेंट सूचना पद्धति, नागपुर (पीआईएस)

1.परिचय:

सन् 1980 में देश के भौगोलिक केन्द्र, नागपुर में पेटेंट सूचना पद्धति कार्यालय की स्थापना की गई। पेटेंट सूचना पद्धति विश्व स्तर पर पेटेंट विनिर्देशों और पेटेंट से संबंधित साहित्य का संकलन रखता है एवं अन्वेषण सेवा एवं पेटेंट प्रति आपूर्ति सेवा के माध्यम से अनुसंधान एवं विकास स्थापना, सरकारी कार्यालय, निजी उद्योग, व्यवसाय के विभिन्न उपयोक्ताओं एवं आविष्कारकों तथा भारत में अन्य उपयोक्ताओं को पेटेंट या पेटेंट से संबद्ध साहित्य में निहित जानकारी प्रदान करता है।

2. प्रदत्त सेवाएँ

क पेटेंट अन्वेषण सेवाएँ:

पेटेंट सूचना पद्धति कार्यालय ने माँगे जाने पर पेटेंट अन्वेषण सेवाओं को अद्यतन कर दिया है। संक्षेप में अन्वेषण सेवाएँ निम्नवत् हैं।

क. आधुनिकीकृत सेवा:

यह सेवा आधुनिकीकृत सेवा का पूर्वावलोकन प्रदान करता है। यह खोज रिपोर्ट उपयोक्ता के अनुरोध के अनुसार तकनीक के किसी क्षेत्र-विशेष के तहत वापस लिए गए पेटेंट दस्तावेज के सार तथा संदर्भगत आंकड़े प्रदान करता है।

ख. संदर्भगत अन्वेषण:

यह सेवा वापस लिए गए पेटेंट दस्तावेज के केवल संदर्भगत आँकड़े उपलब्ध कराता है।

ग. अंग्रेजी समरूपी पेटेंट अन्वेषण:

अंग्रजी भाषा के अतिरिक्त अन्य भाषाओं में पेटेंट के अंग्रेजी भाषा समरूप पेटेंट का निर्धारण किया जाता है।

घ. पेटेंट परिवार अन्वेषण:

किसी पेटेंट के परिवार के सदस्य के संदर्भगत विवरणों पर रिपोर्ट प्रस्तुत किया जाता है।

ड सहायक अन्वेषण:

उपयोक्ताओं को अन्वेषण संचालित करने के लिए पेटेंट सूचना पद्धति, नागपुर द्वारा पूर्व अंशदान द्वारा खरीदे गए डाटाबेस, सीडीरोम, जर्नल आदि का उपयोग करने की अनुमति होगी। कार्य निष्पादन अन्वेषण में सामान्य सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

ख पेटेंट प्रति आपूर्ति सेवा

1. पेटेंट सूचना पद्धति, नागपुर इस कार्यालय में उपलब्ध विदेशों के पेटेंट दस्तावेजों का पूर्ण पाठ रू. **300**/- प्रति पेटेंट दस्तावेज (पूर्ण पृष्ठों हेतु) की दर से उपलब्ध कराता है।

2. भारतीय पेटेंट विर्निदेश की छाया प्रति रू. **30**/-+रू. **4**/- प्रति पृष्ठ की दर से उपलब्ध कराई जाती है।

3. प्रदत्त सेवाओं की शुल्क संरचना:

प्रदत्त सेवाएं	**शुल्क**
आधुनिकीकृत सेवा	रू. 2000+रू.20 प्रति रिपोर्टेड पेटेंट का सार
संदर्भगत अन्वेषण	रू. 500+रू.5/- प्रति रिपोर्टेड दस्तावेज
अंग्रेजी समरूपी पेटेंट अन्वेषण	रू. 50/- एक अंग्रेजी भाषा समरूपी पेटेंट ज्ञात करने के लिए
समरूपी पेटेंट परिवार अन्वेषण	रू. 50/- प्रति परिवार सदस्य
सहायक अन्वेषण	रू. 250/- प्रति उपयोग की गई सुविधा के घंटे
पेटेंट प्रति आपूर्ति सेवा (भारतीय पेटेंट)	भारतीय पेटेंट की छाया प्रतियां रू. 30 +रू.4 प्रति पृष्ठ
पेटेंट प्रति आपूर्ति सेवा (विदेशी पेटेंट)	स्वयं के पास उपलब्ध विदेशी पेटेंट की प्रति रू. 300/- प्रति पेटेंट
सार/दावे की प्रति	पेटेंट के सार/मुख्य दावे की प्रति रू.25/-प्रति सार/मुख्य दावा

4. वर्ष 2009-10 के दौरान गतिविधियाँ

1 अप्रैल 2009 से 31 मार्च 2010 की अवधि में पेटेंट सूचना पद्धति, नागपुर ने पेटेंट विनिर्देशों की 19 प्रतियों की आपूर्ति की तथा 53 पेटेंट अन्वेषण संचालित किए तथा 490 प्रशिक्षण सामग्री सेट तैयार किए। 31 मार्च 2010 तक किया गया व्यय रू. 1,33,93,497/- है तथा इसी अवधि के दौरान अर्जित राजस्व रू. 5,98,954/-(पीआईएस+एनआईआईपीएम) रही जिसमें एनआईआईपीएम द्वारा संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों से अर्जित राजस्व शामिल है।

1 अप्रैल 2009 से 31 मार्च 2010 तक की अवधि के लिए पेटेंट सूचना पद्धति, नागपुर के कार्य निष्पादन संबंधी विवरण

1.	वास्तविक व्यय (क) पीआईएस (ख) एनआईआईपीएम	रू. 1,13,98,000 रू. 19,95,497
2.	राजस्व (क) पीआईएस (ख) एनआईआईपीएम	रू. 31,704 रू. 5,67,250
3.	पेटेंट प्रतियों की आपूर्ति	19
4.	विभिन्न प्रकार के एकस्व अन्वेषण	53
5.	आईपीटीआई प्रशिक्षण कार्यक्रमों/पेटेंट सूचना पद्धति, नागपुर के संदर्भ में चलाए गए सूचना एवं जनसंपर्क कार्य	507
6.	एनआईआईपीएम प्रशिक्षण कार्यक्रमों हेतु पाठ्य सामग्री की तैयारी	490
7,	संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	एक दिवसीय- 5 कार्यक्रम दो दिवसीय-14 कार्यक्रम पांच दिवसीय-4 कार्यक्रम जागरूगता कार्यक्रम- 5 राष्ट्रीय सेमिनार- 3
		कुल - 31 कार्यक्रम

राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान (एनआईआईपीएम)

1.परिचय:

किसी राष्ट्र के औद्योगिक, आर्थिक तथा सामाजिक विकास के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय व्यापार तथा वाणिज्य में बौद्धिक सम्पदा अधिकारों यथा एकस्व, अभिकल्प, व्यापार चिह्न महती भूमिका अदा करते हैं। भारत, बौद्धिक सम्पदा अधिकारों के अनुदान तथा दोहन के नियमन हेतु अग्रसर हो चुका है। परिणामतः हमारे देश में बौद्धिक सम्पदा अधिकार संबंधी गतिविधियों में विगत सात वर्षों से लगातार वृद्धि देखी जा रही है।

बौद्धिक सम्पदा अधिकारों को प्रशासित करने वाले कानून में जटिल वैधानिक मुद्दे शामिल हैं। इनकी व्याख्या के अतिरिक्त बौद्धिक सम्पदा के सृजन, उपयोग तथा अर्थपरक दोहन से संबंधित मुद्दे भी हैं। फलतः, इन्हें समझने एवं इनके क्रियान्वयन की आवश्यकता समझी जाती है।

भारत सरकार, वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय ने अगस्त, 2002 में बौद्धिक सम्पदा प्रशिक्षण संस्थान (आईपीटीआई) की स्थापना की। इस राष्ट्रीय प्रशिक्षण केन्द्र, जो हमारे देश में अपने प्रकार का इकलौता केन्द्र है, का सृजन विभिन्न उपयोक्ता समूहों को बौद्धिक सम्पदा अधिकार के क्षेत्र में स्तरीय प्रशिक्षण तथा शिक्षा उपलब्ध कराने की आवश्यकता की पूर्ति के लिए किया गया।

बौद्धिक सम्पदा प्रशिक्षण संस्थान का कार्यक्षेत्र एकस्व और व्यापार चिह्न परीक्षकों को प्रशिक्षण देने के साथ-साथ उपयोक्ता समूहों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने तक सीमित रहने के कारण भारत सरकार ने बौद्धिक सम्पदा (आईपी) के क्षेत्र में प्रशिक्षण, प्रबंधन, अन्वेषण, अध्ययन के लिए गुणवत्ता संपन्न राष्ट्रीय केन्द्र के रूप में राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान (एनआईआईपीएम) की स्थापना का निर्णय लिया। इस संस्थान का मुख्य उद्देश्य एकस्व, अभिकल्प, व्यापार चिह्न तथा भौगोलिक संकेत के परीक्षकों, बौद्धिक सम्पदा व्यवसायियों, बौद्धिक सम्पदा प्रबंधकों को प्रशिक्षण उपलब्ध कराना तथा बौद्धिक सम्पदा अधिकारों के सृजन, वाणिज्यिकरण तथा प्रबंधन के क्षेत्र में कार्य कर रहे उपयोक्ता समुदायों, सरकारी संस्थानों तथा सहभागियों को बौद्धिक सम्पदा संबंधी मुद्दों पर शोध सुलभ कराने सहित सरकार के लिए आवश्यक अध्ययन प्रतिवेदन तथा नीति विश्लेषण बनाने के लिए आरंभिक शिक्षा प्रदान करने में सहायता करना है। इसके साथ-साथ, यह संस्थान विश्वविद्यालयों तथा अन्य शैक्षणिक संस्थानों के साथ-साथ बौद्धिक सम्पदा प्रणाली के उपयोक्ताओं तथा सरकारी अधिकारियों में सामान्य जागरूकता तथा समझ बढ़ाने की आवश्यकता की पूर्ति की दिशा में कार्य करता है।
यह बौद्धिक सम्पदा के क्षेत्र में अन्वेषण भी संचालित करेगा तथा नीति एवं विधान निर्माताओं के लिए वर्तमान में उपयोगी विषयों पर अध्ययन प्रतिवेदन तथा नीति विश्लेषण पत्र तैयार करेगा।

18 अगस्त, 2007 को नागपुर में इस संस्थान के एक आधुनिकीकृत भवन की आधारशिला तात्कालीन वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री माननीय श्री कमलनाथ के कर कमलो द्वारा रखी गई। इस भवन का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है और यह 2011 के उत्तरार्ध में पूर्णतया परिचालित हो जाएगा।

2. प्रशिक्षण कार्यक्रम

बौद्धिक सम्पदा प्रशिक्षण संस्थान, नागपुर पेटेंट तथा अन्य बौद्धिक सम्पदा अधिकार प्रणाली के वास्तविक तथा प्रभावी उपयोक्ताओं की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए बौद्धिक सम्पदा अधिकारों, एकस्व, अभिकल्प तथा व्या. चिह्न पर कई प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करता है। इन कार्यक्रमों से उद्योग जगत से जुड़े व्यवसायी, विधि-वृत्तिक तथा अनुसंधान से जुड़े पेटेंट/बौद्धिक सम्पदा अधिकार एजेंट, वैज्ञानिक, तकनीकी, अनुसंधान एवं विकास संगठन तथा उद्योगों के टेक्नोक्रेट्स, लघु तथा मध्यम व्यवसायी विश्वविद्यालयों से जुड़े

लोग, केन्द्र तथा राज्य सरकार/अन्य सरकारी क्षेत्रों में कार्य करने वाले लोग, अन्य आविष्कारक तथा रूचि रखने वाले आम लोग लाभान्वित होते हैं।

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम को निम्नलिखित मुख्य श्रेणियों में विभाजित किया गया है जिसमें 1 से 5 दिनों की अवधि के पेटेंट प्रणाली पर खास ध्यान रखा गया है।

क. एकस्व, अभिकल्प, व्यापार चिह्न तथा भौगोलिक संकेत के परीक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम पुनश्चर्या पाठ्यक्रम

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य परीक्षकों की वैधानिक तथा तकनीकी दक्षता संबर्द्धित करना तथा परीक्षण के गुणता स्तर को बढ़ाना है।

ख. 5- दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

इस पाठ्यक्रम का लक्ष्य मध्य प्रबंधन स्तर के अधिशासियों को औद्योगिक सम्पदा से संबंधित समेकित सैद्धांतिक तथा व्यावहारिक ज्ञान उपलब्ध कराना है।

ग. 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

इस पाठ्यक्रम का लक्ष्य अधिशासियों को बौद्धिक सम्पदा तथा विशेष रूप से पेटेंट प्रणाली की पृष्ठभूमि, ज्ञान तथा विभिन्न परिदृश्य से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराना है।

घ. 2-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

इसके तहत ऊपर वर्णित सभी उपयोक्ता समूहों के प्रर्वत्तकों के लिए समेकित पाठ्यक्रम उपलब्ध कराए जाते हैं।

ङ 1-दिवसीय प्रशिक्षण काय्रक्रम

इस कार्यक्रम का उद्देश्य शैक्षणिक संस्थाओं, विश्वविद्यालय अध्यापकों, अनुसंधानकर्त्ताओं, आविष्कारकों तथा आम जनता को बौद्धिक सम्पदा की प्राथमिक जानकारी उपलब्ध कराना है।

3. संकाय:

वर्तमान में इन प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों हेतु संकाय-सदस्य के रूप में इस संस्थान के संकाय के अतिरिक्त बौद्धिक सम्पदा के क्षेत्र, पेटेंट कार्यालय तथा व्यापार चिह्न पंजीकरण तथा देश के अन्य प्रतिष्ठित अन्वेषण एवं विकास संस्थानों तथा देश के अन्य वैज्ञानिक संगठनों से बौद्धिक सम्पदा के विशेषज्ञ आमंत्रित किए जा रहे हैं।

बौद्धिक सम्पदा प्रशिक्षण संस्थान/राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान ने 31 कार्यक्रम संचालित किए: (1 दिवसीय-5 कार्यक्रम, 2 दिवसीय-14 कार्यक्रम, 5 दिवसीय-4 कार्यक्रम, जागरूकता कार्यक्रम-5, राष्ट्रीय सेमिनार-3) तथा रू. 5,67,250 का राजस्व सृजित किया।

4. वर्ष 2002-2010 के दौरान अर्जित राजस्व तथा व्यय का विवरण

वर्ष	व्यय	राजस्व
2002 - 2003	6,28,603/-	1,13,300/-
2003 - 2004	5,09,090/-	1,19,950/-
2004 - 2005	5,32,862/-	1,61,050/-
2005 - 2006	3,16,051/-	3,750/-
2006 - 2007	8,20,803/-	91,050/-
2007 - 2008	3,62,438/-	2,34,446/-
2008 - 2009	19,94,374/-	4,88,500/-
2009 - 2010	19,95,497/-	5,67,250/-

अध्याय -IX

प्रशिक्षण कार्यक्रम & बर्हि-क्रियाकलाप

1. परिचय:

भारत सरकार ने बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों के लिए क्षमता सृजन तथा मानव संसाधन विकास हेतु महत्वपूर्ण पहल किए हैं। इस उद्देश्य में विभिन्न देशों यथा जापान, यूनाइटेड स्टेट्स, फ्रांस, जर्मनी आदि के साथ कई द्विपक्षीय समझौते किए गए हैं। पेटेंट तथा व्यापार चिह्न परीक्षकों एवं अन्य अधिशासियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम केवल भारत में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी आयोजित किए गए हैं।

भारत सरकार ने आम जनता के साथ-साथ अन्वेषण व विकास संस्थानों, वैज्ञानिक संस्थानों एवं विश्वविद्यालय के लिए संपर्क कार्यक्रम संचालित करने की दिशा में भी पहल किया है।

2. प्रशिक्षण कार्यक्रम

वर्ष 2009-10 के दौरान कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प व व्यापार चिह्न के अधिकारियों ने वाइपो और विदेशी बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों द्वारा संचालित विभिन्न प्रशिक्षण, सेमिनार और कार्यशालाओं में प्रतिभागिता दी। इन अधिकारियों ने जिन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया उनके वर्णन निम्नवत् है:

कार्यक्रम का नाम	प्रशिक्षित अधिकारियों की संख्या
14 मार्च से 3 अप्रैल, 2009 तक यूएसपीटीओ, एलेक्जेंड्रिया, वर्जिनिया में यूएसटीडीए-भारत बायोटेक्नोलॉजी पेटेंट परीक्षण अध्ययन दौरा कार्यक्रम (केमिकल बायोटेक्नोलॉजी)	4
26 अगस्त, 2009 से 10 नवम्बर, 2009 तक टोकियो, जापान में जेपीओ/आईपीआर 3 माह पेटेंट व्यवहारिक और निर्मित प्रशिक्षण कार्यक्रम (पीपीटीटी)	3
औद्योगिक सम्पदा के परीक्षण व्यवहार पर वाइपो प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (आधाभूत कार्यक्रम)	1
16 से 23 फरवरी, 2010 तक टोकियो, जापान में बायोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में पेटेंट परीक्षकों के लिए वाइपो प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	3
24 फरवरी से 3 मार्च, 2010 तक टोकियो, जापान में कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में पेटेंट परीक्षकों के लिए वाइपो प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लेने के लिए	4
22 मार्च से 1 अप्रैल, 2010 तक इंटरनेशनल इंटेलेक्चुअल प्रोपर्टी ट्रेनिंग इंस्टीच्यूट (आईआईपीटीआइ) देओन, कोरिया में पेटेंट नियम और परीक्षण पर वाइपो क्षेत्रीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	2
19 से 30 अक्टूबर,2009 तक टोकियो, जापान में आयोजित औद्योगिक सम्पदा के परीक्षण व्यवहार पर वाइपो प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (अंतवर्ती/उन्नत कार्यक्रम)	2

भारत और जापान पेटेंट कार्यालय के अधिकारी जेपीओ/आईपीआर 3 माह
पेटेंट व्यवहारिक और निर्मित प्रशिक्षण कार्यक्रम (पीपीटीटी)

3. वाइपो बैठकें/सेमिनार/संगोष्ठी

महानियंत्रक श्री पी.एच. कुरियन, भाप्रसे ने 17 और 18 सितम्बर, 2009 को जेनेवा में वाइपो द्वारा आयोजित बौद्धिक सम्पदा प्राधिकारियों में वैश्विक संगोष्ठी में भाग लिया। वे म्यूनिख में जीआईआरटी-वीबीडब्ल्यू भारत पर केन्द्रित विशेष अवसर पर वक्ता के रूप में भी शामिल हुए। महानियंत्रक ने अमरीका-भारत ऊर्जा सहभागिता बैठक 2009 में प्रतिभागिता दी और 5 से 6 अक्टूबर, 2009 के दौरान अमेरिकी पेटेंट और ट्रेड मार्क कार्यालय का दौरा किया। वे 29 और 30 अक्टूबर, 2009 को हांगकांग में आयोजित वाइपो रिजनल सिम्पोजियम ऑन मैनेजमेंट ऑफ इंटेलेक्चुअल एसेट्स एंड इंटेलेक्चुअल प्रोपर्टी में शामिल हुए। व्यापार चिह्न, औद्योगिक अभिकल्प और भौगोलिक संकेत के कानून पर स्थायी समिति का 21वां सत्र और औद्योगिक अभिकल्प के प्रभावी उन्नयन और संरक्षा के लिए राष्ट्रीय अभिकल्प कॉसिल की भूमिका पर वाइपो क्षेत्रीय फोरम और वाइपो के सदस्य राज्यों के सम्मेलन की बैठक की 47वीं श्रृंखला में महानियंत्रक ने प्रतिभागिता दी। 1-2 मार्च, 2010 को टोकियो, जापान में ग्लोबल इंटेलेक्चुअल प्रोपर्टी इंफ्रास्ट्रक्चर फॉर प्रोमोशन ऑफ इनोवेशन पर आयोजित वाइपो उच्चस्तरीय फोरम में भी भाग लिया।

कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प व व्यापार चिह्न के अधिकारियों ने वर्जिनिया में 21-24 अप्रैल, 2009 को भौगोलिक संकेत पर आयोजित यूएसपीटीओ-ग्लोबल इंटेलेक्चुअल प्रोपर्टी एकेडमी (जीआईपीए) कार्यक्रम, विएना में 23-24 अप्रैल, 2009 को आयोजित "इस्ट मीट्स वेस्ट" कार्यक्रम, चीन में 25-28 अगस्त, 2009 तक बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन पर वाइपो कार्यशाला, चीन में 30 नवम्बर से 1 दिसम्बर, 2009 तक भौगोलिक संकेत और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर उसके प्रभाव पर वाइपो-एशिया क्षेत्रीय संगोष्ठी, श्रीलंका में 8-12 दिसम्बर, 2009 तक पेटेंट प्रणाली के रणनीतिक उपयोग के माध्यम से विश्वविद्यालय और जन शोध संस्थानों द्वारा तकनीक के हस्तांतरण पर वाइपो क्षेत्रीय सेमिनार तथा जेनेवा में 25-29 जनवरी, 2010 तक पेटेंट कानून पर स्थायी समिति (एससीपी) में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के अधिकारियों ने भारत में आयोजित निम्नलिखित कार्यक्रमों में हिस्सा लिया:

नकल और पाइरेसि पर तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 19-20 अगस्त, 2009 नई दिल्ली।

ज्ञान के युग में बौद्धिक सम्पदा और आविष्कार प्रबंधन पर क्षेत्रीय सेमिनार राष्ट्रीय शोध विकास कॉर्पोरेशन द्वारा बडोदरा में 26 अगस्त, 2009 को आयोजित।

सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ ग्लोबलाइजेशन एंड रिजनलाइजेशन (सीएसजीआर), यूके द्वारा होटल फिडालगो, पणजीम, गोआ में 24 सितम्बर, 2009 को "भौगोलिक संकेत और स्थानीकरण: फेनी पर केस अध्ययन" पर एक बैठक।

सेंटर फॉर डब्ल्यू टी ओ स्टडीज, इंडियन इन्स्टिट्यूट ऑफ फॉरेन ट्रेड (आईआईएफटी), नई दिल्ली द्वारा 25 सितम्बर, 2009 को होटल सम्राट, नई दिल्ली में आयोजित भौगोलिक संकेत पर राष्ट्रीय सेमिनार।

5 नवम्बर, 2009 को चेन्नई में तमिलनाडु हस्तकला विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड, चेन्नई द्वारा आयोजित 'सोर्सिंग शोध'।

नई दिल्ली में 11 से 13 नवम्बर, 2009 को आयोजित फिक्की-डीआईपीपी-वाइपो सम्मेलन।

4. जागरूकता कार्यक्रम

बौद्धिक सम्पदा अधिकार के बारे में और अधिक जागरूकता सृजित करने के अपने प्रयास के अंश के रूप में कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प व व्यापार चिह्न ने 2009-10 के दौरान 12 कार्यक्रम संचालित किए। वाइपो के साथ मिलकर इस कार्यालय ने 2 कार्यक्रम संचालित किए। कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प व व्यापार चिह्न के अधिकारियों ने अन्य संगठनों जैसे टीआईएफएसी, एनआरडीसी, फिक्की, सीआईआई, विश्वविद्यालयों आदि द्वारा आयोजित 79 जागरूकता कार्यक्रमों में भाग लिया। एनआईआईपीएम, नागपुर ने बौद्धिक सम्पदा पर 26 जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए। इन सभी जागरूकता कार्यक्रमों में 9000 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए।

विश्व बौद्धिक सम्पदा दिवस, 2009 के अवसर पर कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प व व्यापार चिह्न के अधिकारियों ने ऑल इंडिया रेडियो पर रेडियो वार्ता प्रस्तुत की और टेलीविजन पर भी विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में बौद्धिक सम्पदा के महत्व पर कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प व व्यापार चिह्न ने उद्योग और वाणिज्य निदेशालय, कोहिमा, नागालैंड के साथ मिलकर भौगोलिक संकेत और उसकी महत्ता पर केन्द्रित बौद्धिक सम्पदा जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए एक संवेदीकरण कार्यशाला का भी संचालन किया।

(19 फरवरी, 2010 को कोहिमा, नागालैंड में भौगोलिक संकेत पर आयोजित संवेदीकरण कार्यशाला)

महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प व व्यापार चिह्न ने वर्ष 2009-10 के दौरान नेशनल इंस्टीच्यूट ऑफ डिजाइन के साथ मिलकर अहमदाबाद, पूणे, बेंगलूरू, कोलकाता और दिल्ली में औद्योगिक अभिकल्प पर एक दिन का जागरूकता कार्यक्रम संचालित किया।

(16 जनवरी, 2010 को अहमदाबाद में औद्योगिक अभिकल्प पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम)

डा. फांसीस गुड़ी, महानिदेशक, विश्व बौद्धिक सम्पदा संगठन (वाइपो) ने बौद्धिक सम्पदा कार्यालय, दिल्ली का दौरा किया। उन्होंने फ्रंट कार्यालय एवं पेटेंट कार्यालय तथा व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के अन्य अनुभागों का भी दौरा किया और इलेक्ट्रॉनिक मॉड्यूल के कार्य के विषय में जानकारी ली। श्री पी.एच. कुरियन, सीजीपीडीटीएम ने वेबसाइट पर पेटेंट दस्तावेज के 2.33 लाख अभिलेखों को पोस्ट किए जाने के बारे में उन्हें बताया। उन्होंने यह भी बताया कि इन आंकड़ों का आंकड़ा हस्तांतरण सहमति समझौते के तहत बाइपो के साथ बांटा भी जा सकता है। अपनी यात्रा के दौरान, डा. गुड़ी पेटेंट और व्यापार चिह्न कार्यालय के वरीय अधिकारियों से भी मिले और बैद्धिक सम्पदा कार्यालय में काम करने के महत्व को चिह्नित किया। उन्होंने बौद्धिक सम्पदा कार्यालय के अंतर्राष्ट्रीय खोज प्राधिकारी के रूप में कार्य करने के प्रति अपनी जिज्ञासा को व्यक्त किया। सीजीपीडीटीएम ने यह सूचित किया कि जून,2010 तक ऐसा कर पाना संभव होगा। महानिदेशक महोदय के इस दौरे के समय श्री एन.के. सबरवाल, उप-महानिदेशक, वाइपो और श्री एन.एन. प्रसाद, सेफ डे कैबिनेट भी उनके साथ मौजूद थे।

(8 से 14 नवम्बर, 2009 तक अपने भारत दौरे के दौरान बौद्धिक सम्पदा कार्यालय, दिल्ली का दौरा करते डा.फांसीस गुड़ी, महानिदेशक, वाइपो)

अध्याय - X

मानव संसाधन

1.परिचय:

महानियंत्रक, कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प व व्यापार चिह्न का प्रधान होता है। उसके अधीक्षण एवं प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत पेटेंट कार्यालय, व्यापार चिह्न पंजीकरण, भौगोलिक संकेत पंजीकरण, पेटेंट सूचना पद्धति एवं राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान अपनी गतिविधियाँ निष्पादित करते हैं।

भारत सरकार ने 11वीं योजना के दौरान बढ़े हुए लक्ष्य की प्राप्ति हेतु मानव संसाधन के सुदृढ़ीकरण एवं संवर्द्धन के लिए पेटेंट तथा व्यापार चिह्न कार्यालयों के लिए 414 अतिरिक्त पदों की संस्तुति प्रदान की है। इन पदों में से 200 पद पेटेंट परीक्षकों तथा 37 पद व्यापार चिह्न परीक्षकों के हैं। इसके साथ ही साथ सरकार ने राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधक संस्थान (NIIPM) के लिए 12 अतिरिक्त पद भी सृजित किए हैं।

2. विभिन्न बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों की कार्मिक शक्ति:

कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प व व्यापार चिह्न के अंतर्गत कार्य करने वाले विभिन्न कार्यालयों की कार्मिक शक्ति निम्नवत् है।

क. मुम्बई में स्थित कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प व व्यापार चिह्न:

कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प व व्यापार चिह्न मुख्यालय में निम्नलिखित सहायककर्मी हैं। हालाँकि इस कार्यालय के सहज परिचालन के लिए पेटेंट और व्यापार चिह्न कार्यालयों से अधिशासी प्रतिनियुक्त किए गए हैं।

क्र.सं.	पदनाम	पदों की संख्या	
		अनुमोदित शक्ति	कार्य शक्ति
1.	महानियंत्रक	1	1
2.	निजी सचिव	1	1
3.	स्टाफ कार ड्राइवर	1	1
4.	चपरासी	2	1
	कुल	5	4

पेटेंट कार्यालय की कार्मिक शक्ति:

पेटेंट कार्यालयों की कार्मिक शक्ति परिशिष्ट-क में दर्शायी गई है। यह परिशिष्ट सभी चार कार्यालयों में अनुमोदित कार्य-शक्ति के साथ-साथ कार्यरत कार्मिक शक्ति की भी सूचना प्रदान करती है।

परिशिष्ट- "क"

31 मार्च, 2010 को अधिकारी व कर्मचारियों की कार्मिक शक्ति का विवरण

क्र.सं.	पद नाम	वर्ग	अनुमोदित शक्ति										कार्य शक्ति									
			कोलकाता		मुम्बई		चेन्नई		दिल्ली		कुल		कोलकाता		मुम्बई		चेन्नई		दिल्ली		कुल	
			गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.
1	वरिष्ठ संयुक्त नियंत्रक, एकस्व व अभिकल्प	समूह क	0	0	0	1	1	0	0	0	1	1	0	0	0	1	1	0	0	0	1	1
2	संयुक्त नियंत्रक, एकस्व व अभिकल्प	समूह क	1	0	0	1	0	0	1	0	2	1	0	0	0	0	0	0	1	0	1	0
3	उप नियंत्रक, एकस्व व अभिकल्प	समूह क	2	2	1	2	2	2	2	2	7	8	1	0	1	0	3	0	2	0	7	0
4	सहायक नियंत्रक, एकस्व व अभिकल्प	समूह क	9	10	7	6	5	14	12	11	33	41	9	10	7	5	5	14	12	8	33	37
5	परीक्षक, एकस्व व अभिकल्प	समूह क	30	--	27	--	38	--	42	--	137	200*	17	0	15	0	18	0	30	0	80	0
6	हिन्दी अधिकारी	समूह क	1	--	--	--	--	--	--	--	1	--	1	--	--	--	--	--	--	--	1	--
7	सिस्टम एनालिस्ट/ कम्प्यूटर प्रोगामर	समूह क	--	--	--	--	--	--	--	--	--	2*	--	--	--	--	--	--	--	--	--	0
		कुल:	43	12	35	10	46	16	57	13	181	253	28	10	23	6	27	14	45	8	123	38

1	प्रशासनिक अधिकारी	समूह ख	1	--	1	--	1	--	1	--	4	--	1	--	1	--	1	--	1	--	4	--
2	सहायक पुस्तकाध्यक्ष व सूचना अधिकारी	समूह ख	1	--	--	--	--	--	--	--	1	1*	1	--	--	--	--	--	--	--	1	0
3	लेखा अधिकारी	समूह ख	--	--	--	--	--	--	--	--	--	1*	--	--	--	--	--	--	--	--	--	0
4	जन सूचना अधिकारी	समूह ख	--	--	--	--	--	--	--	--	--	1*	--	--	--	--	--	--	--	--	--	0
		कुल	2	--	1	--	1	--	1	--	5	3*	2	--	1	--	1	--	1	--	5	0
1	कार्यालय अधीक्षक	समूह ग	4	1	4	1	3	--	3	--	14	2	3	1	3	1	3	--	3	--	12	2
2	पुस्तकालय सूचना सहायक	समूह ग	1	--	1	--	1	--	2	--	5	--	1	--	1	--	1	--	2	--	5	--
3	आशुलिपिक वर्ग-1	समूह ग	--	--	2	--	--	--	1	--	3	--	--	--	2	--	--	--	1	--	3	--
4	एकॉउंटेन्ट	समूह ग	--	--	--	--	--	--	--	--	--	1*	--	--	--	--	--	--	--	--	--	0
5	हिन्दी अनुवादक	समूह ग	1	--	1	--	1	--	1	--	4	--	1	--	--	--	--	--	1	--	2	--
6	सहायक	समूह ग	16	--	8	--	7	--	9	--	40	5*	15	--	6	--	6	--	9	--	36	0
7	वरिष्ठ आशुलिपिक - वर्ग-II	समूह ग	4	--	--	--	2	--	1	--	7	10*	4	--	--	--	2	--	1	--	7	0
8	फोटोग्राफी सहायक	समूह ग	1	--	1	--	1	--	1	--	4	--	1	--	1	--	1	--	1	--	4	--
9	प्रवर श्रेणी लिपिक	समूह ग	39	--	4	--	6	--	8	--	57	--	39	--	2	--	6	--	7	--	54	--
10	कनिष्ठ आशुलिपिक वर्ग -III	समूह ग	1	--	--	--	--	--	--	--	1	--	1	--	--	--	--	--	--	--	1	--
11	निम्न श्रेणी लिपिक	समूह ग	18	--	2	--	10	--	14	--	44	--	18	--	1	--	9	--	14	--	42	--

12	हिन्दी टंकक	समूह ग	1	--	--	--	--	--	--	--	1	--	1	--	--	--	--	--	--	--	1	--
13	डाटा इंट्री ऑपरेटर	समूह ग	--	--	--	5	--	7	--	8	--	20*	--	--	--	--	--	--	--	--	--	0
14	रिसेपस्नीस्ट	समूह ग	--	--	--	--	--	--	--	--	--	2*	--	--	--	--	--	--	--	--	--	0
		Total	86	1	23	6	31	7	40	8	180	40	84	1	16	1	28	--	39	--	167	2
1	अभिलेखपाल	समूह घ	1	--	--	1	--	1	1	1	2	3	1	--	--	1	--	1	1	1	2	3
2	दफ्तरी	समूह घ	14	--	2	1	2	--	4	3	22	4	14	--	2	1	2	--	4	3	22	4
3	चपरासी /पत्रवाहक	समूह घ	21	--	2	--	6	--	5	--	34	--	20	--	1	--	5	--	1	--	27	--
4	फरास	समूह घ	3	--	--	--	--	--	--	--	3	--	3	--	--	--	--	--	--	--	3	--
5	सफाईवाला-सह-फरास	समूह घ	--	--	--	--	1	--	--	--	1	--	--	--	--	--	1	--	--	--	1	--
6	दरवान	समूह घ	1	--	--	--	--	--	--	--	1	--	1	--	--	--	--	--	--	--	1	--
7	चौकीदार-सह-दरवान	समूह घ	--	--	1	--	1	--	--	--	2	--	--	--	1	--	--	--	--	--	1	--
8	चौकीदार	समूह घ	1	--	--	--	--	--	--	--	1	--	1	--	--	--	--	--	--	--	1	--
9	माली	समूह घ	1	--	--	--	--	--	--	--	1	--	1	--	--	--	--	--	--	--	1	--
		कुल	42	--	5	2	10	1	10	4	67	7	41	--	4	2	8	1	6	4	59	7
		कुल योग	173	13	64	18	88	24	108	25	433	303	151	11	44	9	64	15	91	12	354	47

*नियुक्ति पूर्ण होने के पश्चात् वितरण किया जाना है

ख. व्यापार चिह्न पंजीकरण की कार्मिक शक्ति:

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री की स्वीकृत कार्मिक शक्ति गैर योजना के तहत 254 तथा योजना के तहत 111 है। इनमें रजिस्ट्री के सबलीकरण के लिए 2002 में संविदा आधार पर परीक्षकों के 27 मंजूर पद प्रशासनिक आधार पर शामिल हैं। दिनांक 31 मार्च, 2010 में स्वीकृत पद तथा कार्यशील कार्मिक शक्ति का विवरण **परिशिष्ट 'ख'** में दिया गया है। जिसमें 'क' समूह के गैर योजना में 29 पद तथा योजना में 32 , समूह 'ख' के गैर योजना में 29 तथा योजना में 42 पद, समूह 'ग' के गैर योजना के 139 तथा योजना के 35 पद और समूह 'घ' के गैर योजना में 57 तथा योजना में 2 पद हैं जो प्रधान कार्यालय मुम्बई तथा उनकी शाखाएं कोलकाता, चेन्नई, नई दिल्ली, अहमदाबाद में वितरित किये गये हैं। सूचना प्रौद्योगिकी के संबंध में तकनीकी सहायता प्रदान करने हेतु ई.डी.पी. अनुभाग के लिए 4 वरिष्ठ पद मंजूर किये गये हैं, जो महानिदेशक एन.आई.सी. की ओर से रजिस्ट्री के लिए कम्प्यूटर व्यावसायिक देने हेतु रखे गये हैं।

परिशिष्ट-ख

31 मार्च 2010 को व्यापार चिह्न कार्यालय में गैर योजना के तहत कार्मिक शक्ति का विवरण

क्र. सं.	**पदों के नाम समूह "क"**	**अनुमोदित शक्ति**						**कार्मिक शक्ति**					
		मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल	मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल
1	संयुक्त पंजीकार, व्यापार चिह्न व भौ. सं.	1	1	-	1	-	3	-	-	-	-	-	-
2	उप पंजीकार, व्यापार चिह्न व भौ. सं.	1	-	2	1	1	5	-	-	2	1	1	4
3	सहायक पंजीकार, व्यापार चिह्न व भौ. सं.	4	1	1	2	1	9	-	1	-	1	-	2
4	वरिष्ट परीक्षक, व्यापार चिह्न व भौ. सं.	7	1	1	1	1	11	1	2	-	-	-	3
5	हिन्दी अधिकारी	1	-	-	-	-	1	-	-	-	-	-	0
	कुल	14	3	4	5	3	29	1	3	2	2	1	9

क्र. सं	पदों के नाम समूह "ख"	अनुमोदित शक्ति						कार्मिक शक्ति					
		मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल	मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल
1	परीक्षक, व्यापार चिह्न व भौ.संकेत	17	2	1	2	2	24	8	2	1	2	2	15
2	प्रशासनिक अधिकारी	1	-	-	-	-	1	-	-	-	-	-	-
3	सहायक पुस्तकाध्यक्ष व सूचना अधिकारी	1	-	-	-	-	1	-	-	-	-	-	0
4	निजी सचिव	2	-	-	-	-	2	2	-	-	-	-	2
5	जन संपर्क अधिकारी	1	-	-	-	-	1	-	-	-	-	-	0
	कुल:	22	2	1	2	2	29	10	2	1	2	2	17

क्र. सं	पदों के नाम समूह "ग"	अनुमोदित शक्ति						कार्मिक शक्ति					
		मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल	मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल
1	अधीक्षक	4	-	1	1	-	6	4	-	1	1	-	6
2	पुस्तकालय व सूचना सहायक	1	-	-	-	-	1	1	-	-	-	-	1
3	आशुलिपिक समूह I	1	-	1	1	-	3	1	-	-	1	-	2
4	सहायक परीक्षक, व्यापार चिह्न व भौगोलिक संकेत	13	2	2	3	1	21	4	-	-	1	-	5
5	कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक	1	-	-	1	-	2	1	-	-	-	-	1
6	आशुलिपिक समूह II	2	2	1	1	1	7	-	-	-	-	-	0
7	सहायक अधीक्षक	7	1	1	1	1	11	7	1	1	1	1	11
8	फोटोग्राफी सहायक	1	-	-	-	-	1	-	-	-	-	-	0
9	रोकड़िया	1	1	1	1	-	4	1	1	1	1	-	4
10	प्रवर श्रेणी लिपिक	27	5	3	4	3	42	26	5	2	4	3	40
11	आशुलिपिक समूह III	-	1	1	1	-	3	-	-	1	-	-	1
12	अवर श्रेणी लिपिक	19	6	7	2	3	37	11	5	6+2#	-	1	25
13	हिन्दी टंकक	1	-	-	-	-	1	-	-	-	-	-	0
	कुल	78	18	18	16	9	139	56	12	14	9	5	96

क्र. सं	पदों के नाम समूह "घ"	अनुमोदित शक्ति						कार्मिक शक्ति					
		मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल	मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल
1	अभिलेखपाल	2	1	1	1	-	5	2	1	1	1	-	5
2	गैस्टेनर ऑपरेटर	1	-	-	-	-	1	1	-	-	-	-	1
3	दफ़्तरी	8	3	2	2	1	16	8	3	2	2	1	16
4	चपरासी	15	2	3	4	1	25	14	2	3	4	1	24
5	फरास-सफाइवाला	1	1	1	1	1	5	1	1	1	-	-	3
6	चौकीदार	1	1	1	1	1	5	1	1	1	-	-	3
	कुल	28	8	8	9	4	57	27	8	8	7	2	52
	कुल योग	143	31	31	31	17	254	94	25	25	20	10	174

#वर्तमान में भौगोलिक संकेत रजिस्ट्री में कार्यरत

31 मार्च 2010 को व्यापार चिह्न कार्यालय में योजना के तहत कार्मिक शक्ति का विवरण

क्र. सं	पदों के नाम समूह "क"	अनुमोदित शक्ति						कार्मिक शक्ति					
		मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल	मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल
1	वरिष्ठ संयुक्त पंजीकार, व्यापार चिह्न व भौ.संकेत	1	-	-	-	-	1	-	-	-	-	-	-
2	संयुक्त पंजीकार, व्यापार चिह्न व भौ.संकेत	-	-	1	-	-	1	-	-	-	-	-	-
3	उप पंजीकार, व्यापार चिह्न व भौ.संकेत	2	1	1*	1	-	5	1	-	1+1#	-	-	3
4	सहायक पंजीकार, व्यापार चिह्न व भौ.संकेत	3	1	1+1*	3	1	10	-	-	-	-	-	-
5	वरिष्ठ परीक्षक, व्यापार चिह्न व भौ.संकेत	4	1	1+1*	5	1	13	-	-	-	-	-	-
6	विधि अधिकारी	1	-	-	-	-	1	-	-	-	-	-	-
7	प्रोग्रामर/आईटी विशेषज्ञ	-	-	-	1	-	1	-	-	-	-	-	-
	कुल	11	3	6	10	2	32	1	0	2	0	0	3

* भौ.सं.रजिस्ट्री के लिए

#वर्तमान में भौगोलिक संकेत पंजीकार में कार्यरत

क्र. सं	पदों के नाम समूह "ख"	अनुमोदित शक्ति						कार्मिक शक्ति					
		मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल	मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल
1	परीक्षक, व्यापार चिह्न व भौ.संकेत	12	4	4+2*	12	3	27@ + 37	10	-	1	1	1	13
2	प्रशासनिक अधिकारी	-	-	-	1	-	1	-	-	-	-	-	-
3	सहायक पुस्तकाध्यक्ष व सूचना अधिकारी	-	-	1*	-	-	1	-	-	-	-	-	-
4	निजी सचिव	-	-	1	1	-	2	-	-	1	1	-	2
5	जन संपर्क अधिकारी	-	-	-	1	-	1	-	-	-	-	-	-
	कुल	12	4	8	15	3	27@ + 42	10	0	2	2	1	15

* भौ.सं.रजिस्ट्री के लिए

@संविदा के आधार पर व्यापार चिह्न एवं भौगोलिक संकेत के परीक्षक के लिए

क्र. सं	पदों के नाम समूह "ग"	अनुमोदित शक्ति						कार्मिक शक्ति					
		मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल	मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल
1	आशुलिपिक समूह I	1	2	1	-	1	5	1	2	1	-	1	5
2	सहायक पंजीकार, व्यापार चिह्न व भौ.संकेत	5	-	1	4	3	13	1	-	-	1	-	2
3	आशुलिपिक समूह II	-	-	1+1*	3	-	5	-	-	-	-	-	0
4	डाटा इंट्री ऑपरेटर	-	2	4	4	2	12	-	-	-	-	-	0
	कुल	6	4	8	11	6	35	2	2	1	1	1	7

* भौ.सं.रजिस्ट्री के लिए

क्र. सं	पदों के नाम समूह "घ"	अनुमोदित शक्ति						कार्मिक शक्ति					
		मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल	मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल
1	अभिलेखपाल	-	-	-	1	1	2	-	-	-	1	1	2
	कुल	0	0	0	1	1	2	0	0	0	1	1	2
	कुल योग	29	11	22	37	12	27 @ + 111	13	2	5	4	3	27

@संविदा के आधार पर व्यापार चिह्न एवं भौगोलिक संकेत के परीक्षक के लिए

दिनांक 31 मार्च, 2010 को व्यापार चिह्न रजिस्ट्री में कार्यशील कार्मिक

क्र.सं.	समूह	कुल कर्मचारी	
		गैर योजना के तहत	योजना के तहत
1	"क"	9	3
2	"ख" (रा.)	17	15
3	"ख (अ.रा.)" व "ग"	96	7
4	"घ"	52	2
	कुल	**174**	**27**

ग. भौगोलिक संकेत पंजीकरण की कार्मिक शक्ति

भौगोलिक संकेत पंजीकरण की अपनी अलग अनुमोदित कार्मिक शक्ति है। इस कार्यालय में कार्यरत कार्मियों की सूची परिशिष्ट-ग में दी गई है।

परिशिष्ट-ग

क्र.सं.	पद के नाम	अनुमोदित कार्य शक्ति	कार्यरत कार्य शक्ति
1.	वरिष्ठ संयुक्त पंजीकार	1	0
2.	सहायक पंजीकार	1	1*
3.	वरिष्ठ परीक्षक	1	0
4.	आशुलिपिक	1	0
5.	निम्न श्रेणी लिपिक	1	1
6.	दफ्तरी	1	1
	कुल	5	3

*वर्तमान में व्यापार चिह्न रजिस्ट्री में कार्यरत

घ. पेटेंट सूचना पद्धति और राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान की कार्मिक शक्ति

परिशिष्ट-घ

पेटेंट सूचना पद्धति कार्यालय/राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान, नागपुर में स्वीकृत एवं नियोजित कार्मिक शक्ति का विवरण

	पद का नाम	स्वीकृत शक्ति	नियोजित शक्ति (31.3.2010 तक)
	राजपत्रित		
1.	वरिष्ठ प्रलेखन अधिकारी	2	2
2.	वरिष्ठ प्रोग्रामर	1	(चेन्नई स्थानान्तरित)
3.	रिप्रोग्राफी अधिकारी	1	1
4.	उप नियंत्रक, एकस्व व अभिकल्प	-	1 (पे.का. चेन्नई से स्थानान्तरित) एनआईआईपी एम के लिए (30.4.2009 को सेवानिवृत्त)
5.	सहायक नियंत्रक, एकस्व व अभिकल्प	-	1 (पेटेंट कार्यालय, मुम्बई से एनआईआईपीएम के लिए 20.8.2009 तक स्थानान्तरित)
	कूल	4	5
	अराजपत्रित		
1	कार्यालय अधीक्षक	1	1
2	वरिष्ठ प्रलेखन सहायक	1	1
3	कनिष्ठ प्रलेखन सहायक	1	1
4	कनिष्ठ रिप्रोग्राफी सहायक	3	3
5	सहायक अधीक्षक	1	1
6	भंडार सहायक	1	1
7	आशुलिपिक	2	2
8	कनिष्ठ हिंदी अनुवादक	1	रिक्त
9	शेल्फ सहायक	1	1
10	प्रवर श्रेणी लिपिक	4	3
11	स्वागतकर्त्ता	1	--(वर्तमान में आईपीओ, मुम्बई में कार्यरत)
12	अवर श्रेणी लिपिक	3	3
13	हिंदी टंकक	1	1
14	डेटा एन्ट्री ऑपरेटर	2	2
15	दफ्तरी	2	2
16	चपरासी	3	3
17	फराश	1	1
	कुल	**29**	**26**
	कुल राजपत्रित और अराजपत्रित	**33**	**31**

नोट- एनआईआईपीएम के लिए कोई अलग से अनुमोदित कर्मचारी नहीं है।